{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 21 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल 04 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 149
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	-	82,814.71
निफ्टी	-	25,571.25
सोना	-	1,57,370
चांदी	-	2,70,000
डॉलर	-	90.82

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

ट्रक-कार की भिड़ंत, 5 लोगों की मौत

वलसाड। गुजरात के वलसाड में शुक्रवार दोपहर को कार और ट्रक की भिड़ंत में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। हादसे का शिकार हुए सभी लोग एक ही परिवार के हैं। हादसा कपराडा तालुका के कुभ घाट पर हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, परिवार कपराडा के अंबा गांव का रहने वाला था। सभी लोग ईको कार से एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान कुंभघाट के मोड़ पर सामने से आ रहे एक ट्रक से कार टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार इतनी स्पीड में थी कि टक्कर के बाद कार का अगला हिस्सा ट्रक के नीचे तक घुस गया था। एक महिला का सिर ट्रक के टायर में फंस गया था। हादसे की सूचना मिलते ही पास के गांव के लोग मदद के लिए पहुंचे और 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने विनोद जाखड़

नई दिल्ली। कांग्रेस की छात्र ईकाई यानी नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनसयूआई) को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल गया है। जानकारी के मुताबिक लंबी चली स्क्रूटनी और इंटरव्यू के बाद राहुल गांधी ने विनोद जाखड़ को एनएसयूआई की कमान सौंपी है। विनोद जाखड़ एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। राजस्थान की छात्र राजनीति से उभरे विनोद जाखड़ के ऊपर अब एनसयूआई के नेशनल कैडर को मजबूत करने की जिम्मेदारी है। विनोद जाखड़ राजस्थान के जयपुर जिले के पास विराटनगर तहसील के मेढ गांव के रहने वाले हैं। विनोद जाखड़ ने पॉलिटिकल साइंस से बीए की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने 2017 में समाजशास्त्र (सोशियोलॉजी) से एमए किया। वर्तमान में वह राजस्थानी लैंग्वेज में एमए कर रहे हैं। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने छात्र हितों के मुद्दों को उठाया और एनएसयूआई के साथ सक्रिय रूप से काम किया। साल 2014 में वह राजस्थान कॉलेज के अध्यक्ष चुने गए। फरवरी 2024 में उन्हें राजस्थान एनएसयूआई का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। पिछले साल उन्होंने नशे के खिलाफ 800 किलोमीटर की साइकिल यात्रा भी निकाली।

महिला के पेट से निकला सर्जिकल टूल

अलाप्पुझा। सर्जरी के 5 साल बाद महिला के पेट में सर्जिकल टूल (आर्टरी फोर्सेप्स) मिलने का मामला सामने आया है। केरल के अलाप्पुझा के पुन्नप्रा गांव की रहने वाली उषा जोसेफ (51) के पेट में टूल मिला है। ऊषा के बेटे शिबिन ने बताया कि मां की मई 2021 में अलाप्पुजा मेडिकल कॉलेज में गर्भाशय की गांठ की सर्जरी हुई थी। इसके बाद वह घर आ गई थीं, लेकिन उनके पेट में लगातार दर्द बना रहता था।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को बताया अवैध

'प्रेसिडेंट को यह अधिकार नहीं'

नई दिल्ली। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद कर दिया। कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रंप ने आपातकालीन कानून का गलत इस्तेमाल किया और अपने अधिकारों से आगे बढ़कर टैरिफ लगाए।

यह मामला उन कंपनियों और 12 अमेरिकी राज्यों द्वारा दायर किया गया था, जो इन टैरिफ से प्रभावित हुए थे। निचली अदालतों ने पहले ही ट्रंप के फैसले को गैरकानूनी बताया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा। अमेरिकी संविधान के अनुसार टैक्स और टैरिफ लगाने का अधिकार कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। लेकिन ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना एक विशेष कानून का सहारा लेकर ये टैरिफ लागू किए थे।

किस कानून के तहत लगाए गए थे टैरिफ?

ट्रंप ने 1977 में बने एक कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट का इस्तेमाल किया था। यह कानून राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में व्यापार को नियंत्रित करने की अनुमति देता है। हालांकि, इस कानून में 'टैरिफ' शब्द का सीधे उल्लेख नहीं है। ट्रंप पहले ऐसे राष्ट्रपति बने जिन्होंने IEEPA के तहत टैरिफ लगाए। इससे पहले इस कानून का इस्तेमाल दुश्मन देशों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने या उनकी संपत्ति फ्रीज करने के लिए किया जाता था। ट्रंप प्रशासन का तर्क था कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट राष्ट्रपति को आयात को 'नियंत्रित' करने की अनुमति देता है और उसी आधार पर टैरिफ लगाए गए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया।

आगे क्या होगा?

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद ट्रंप ने कहा था कि यदि फैसला उनके खिलाफ आता है तो वह 'प्लान बी' यानी दूसरा रास्ता अपनाएंगे। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने भी कहा है कि प्रशासन अन्य कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल कर अधिक से अधिक टैरिफ बनाए रखने की कोशिश करेगा। इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर टैरिफ लगाने वाला कानून और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि द्वारा अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ये विकल्प ढ्ढश्वश्वक्क जितनी व्यापक और तुरंत लागू होने वाली ताकत नहीं देंगे।

कितनी रकम दांव पर?

अर्थशास्त्रियों के अनुसार IEEPA के तहत लगाए गए टैरिफ से अब तक 175 अरब डॉलर से ज्यादा की वसूली हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह रकम वापस करनी पड़ सकती है। कांग्रेसनल बजट ऑफिस के मुताबिक, यदि सभी मौजूदा टैरिफ अगले 10 साल तक जारी रहते, तो हर साल लगभग 300 अरब डॉलर की आय हो सकती थी। वित्त वर्ष 2025 में अमेरिका की कुल कस्टम ड्यूटी से आय 195 अरब डॉलर रही, जो एक रिकॉर्ड है। सरकार ने 14 दिसंबर के बाद से टैरिफ वसूली का आधिकारिक डेटा जारी नहीं किया है।

ट्रंप का तर्क

ट्रंप ने इन टैरिफ को अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए जरूरी बताया था। उनका कहना था कि बिना टैरिफ के अमेरिका कमजोर हो जाएगा और दूसरे देश उसका फायदा उठाते रहेंगे। उन्होंने खासतौर पर चीन का नाम लिया था। 2 अप्रैल को 'लिबरेशन डे' कहकर ट्रंप ने ज्यादातर व्यापारिक साझेदार देशों पर 'रिसिप्रोकल' यानी जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इससे पहले फरवरी और मार्च 2025 में उन्होंने चीन, कनाडा और मैक्सिको पर भी टैरिफ लगाए थे। उन्होंने इसे फेंटानिल और अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ा राष्ट्रीय आपातकाल बताया था।

ट्रंप ने टैरिफ का इस्तेमाल दूसरे देशों पर दबाव बनाने के लिए भी किया। इसमें ब्राजील द्वारा पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो पर मुकदमा चलाना, भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद और कनाडा के ओंटारियो प्रांत का एंटी-टैरिफ विज्ञापन जैसे मुद्दे शामिल थे।

जल्द शुरू होगा एसआईआर का तीसरा चरण, दिल्ली समेत 22 राज्यों की बारी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने देश की मतदाता सूचियों को अधिक सटीक, पारदर्शी और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। गुरुवार को निर्वाचन आयोग ने शेष 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना की तैयारियों का जायजा लिया। आधिकारिक संकेतों के अनुसार, इस विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया का अगला चरण अप्रैल 2026 से शुरू होने की संभावना है। आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रारंभिक तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें ताकि मतदाता सूची से त्रुटियों को दूर कर एक शुद्ध डेटाबेस तैयार किया जा सके।

मतदाता सूची शुद्धिकरण का यह सफर कई चरणों में विभाजित है। इस प्रक्रिया का पहला चरण विशेष रूप से बिहार में सफलतापूर्वक लागू किया गया था, जिसके सकारात्मक परिणामों के बाद अक्टूबर 2025 में दूसरे चरण की शुरुआत की गई। दूसरे चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया था। इन दोनों शुरुआती चरणों के माध्यम से अब तक देश के लगभग 60 करोड़ मतदाताओं का डेटा कवर किया जा चुका है। वर्तमान में जिन 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आयोग ने संपर्क साधा है, वहां लगभग 39 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। हालांकि, पिछले अनुभवों को देखते हुए यह माना जा रहा है कि आयोग तीसरे चरण में इन सभी 22 क्षेत्रों को एक साथ शामिल करने के बजाय रणनीतिक रूप से कुछ राज्यों को अगले चरणों के लिए सुरक्षित रख सकता है।

तीसरे चरण की इस सूची में उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के साथ-साथ दिल्ली, लद्दाख और चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल हैं। विशेष रूप से मणिपुर और उत्तराखंड जैसे राज्यों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जहां विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त हो रहा है। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूचियों से उन नामों को हटाना है जो अब मृत हैं, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं या मतदान के लिए अयोग्य हैं। साथ ही, पात्र नए मतदाताओं, विशेषकर युवाओं के नाम जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इस पुनरीक्षण प्रक्रिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनगणना 2027 के प्रस्तावित कार्यक्रम के साथ होने वाला संभावित टकराव है।

रणवीर सिंह से हैरी बॉक्सर ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी, स्टार की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस को जांच में आए दिन नई-नई जानकारी मिल रही है। जानकारी के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर ने व्हाट्सएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर

फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की शुरूआती जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना रोहित शेट्टी के जूहू स्थित घर पर हुई फायरिंग से जुड़ी हुई मानी जा रही है, जहां कुछ दिन पहले गोलीबारी हुई थी।

जाति समाज की सच्चाई नहीं, लोगों के दिमाग में बैठी सोच है- हाईकोर्ट

चेन्नई। देश में यूजीसी के नए नियम को लेकर जाति के नाम पर विवाद जारी है। वहीं मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी करते हुए आदेश दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साफ कहा कि जाति समाज की सच्चाई नहीं, बल्कि लोगों के दिमाग में बैठी सोच है। कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि मंदिर उत्सवों को किसी भी तरह से जाति पहचान के प्रचार का मंच नहीं बनाया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मद्रास हाईकोर्ट ने अपने आदेश में संविधान के अनुच्छेद 14 का हवाला देते हुए कहा कि भारत गणराज्य बनने का मूल उद्देश्य ही समानता स्थापित करना था। कोर्ट ने कहा कि जाति जन्म के आधार पर लोगों को बांटती है और हर सरकारी संस्था की जिम्मेदारी है कि वह

जातिवाद को खत्म करने की दिशा में काम करे, न कि उसे बढ़ावा दे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भविष्य में मंदिर उत्सवों के किसी भी निमंत्रण या पर्चे में जाति का नाम स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक मामला तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले के तिरुपोरुर स्थित अरुलमिगु कंधासामी मंदिर के मासी ब्रह्मोत्सव से जुड़ा था। कोर्ट के सामने सवाल था कि क्या मंदिर उत्सव के निमंत्रण पत्रों में दानदाताओं के नाम के साथ उनकी जाति लिखी जा सकती है। सुनवाई के दौरान जस्टिस भरत चक्रवर्ती ने कहा कि जब मंदिर उत्सव सरकारी विभाग की देखरेख में आयोजित होते हैं, तब किसी भी रूप में जाति का उल्लेख संविधान के समानता सिद्धांत के खिलाफ है।

याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि 2026 के मासी ब्रह्मोत्सव के निमंत्रण पत्रों में जाति नामों के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए और जुलूस में मूर्ति उठाने वाले स्वयंसेवकों के चयन के लिए नियम बनाए जाएं। राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि इस साल के निमंत्रण पहले ही छप चुके हैं और उत्सव 20 फरवरी से शुरू हो रहा है। इस वजह से कोर्ट ने इस वर्ष के आयोजन में हस्तक्षेप नहीं किया, लेकिन भविष्य के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर दिए। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि अगर दानदाता अपने नाम के साथ जाति लिखते हैं, तो मंदिर प्रशासन केवल नाम छापेगा जाति नहीं। कोर्ट ने राज्य सरकार की उस मांग को भी खारिज कर दिया जिसमें यह फैसला मंदिर या दानदाताओं के विवेक पर छोड़ने की बात कही गई थी। कोर्ट का मानना है कि जाति कोई प्राकृतिक या कानूनी पहचान नहीं बल्कि सामाजिक सोच का परिणाम है। संविधान समानता की बात करता है इसलिए सरकारी संस्थानों से जुड़े आयोजनों में जाति का प्रचार संविधान की भावना के खिलाफ है। क्योंकि मंदिर उत्सव विभाग के तहत आयोजित होते हैं जो एक सरकारी संस्था है।

19 साल बाद भारत लौटेंगी शकीरा, मुंबई-दिल्ली में होगा लाइव कॉन्सर्ट, फैंस उत्साहित

मुंबई। करीब दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद ग्लोबल पॉप स्टार शकीरा एक बार फिर भारत में लाइव परफॉर्म करने जा रही हैं। 19 साल बाद उनकी वापसी को लेकर देशभर के म्यूजिक लवर्स में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजकों के अनुसार, शकीरा 10 अप्रैल को मुंबई और 15 अप्रैल को दिल्ली में धमाकेदार कॉन्सर्ट करेंगी। यह पहली बार है जब उनका भारत दौरा दो बड़े शहरों में आयोजित किया जा रहा है। शकीरा ने आखिरी बार साल 2007 में मुंबई में अपने ओएफटी 'ओरल फिक्सेशन टूर' के दौरान परफॉर्म किया था। अब लगभग 19 साल बाद भारतीय फैंस को उनकी लाइव प्रस्तुति देखने का मौका मिलेगा। माना जा रहा है कि दोनों शहरों में होने वाले कॉन्सर्ट हाउसफुल रहेंगे। शकीरा अपनी हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस, शानदार डांस मूव्स और सुपरहिट गानों के लिए जानी जाती हैं। भारत वापसी को लेकर शकीरा ने भी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शकों के सामने परफॉर्म करना हमेशा उनके लिए खास अनुभव रहा है। इस बार वह 'फीडिंग इंडिया कॉन्सर्ट' के जरिए बच्चों के पोषण और बेहतर भविष्य का संदेश भी देंगी। यहां बताते चलें कि अपने तीन दशकों से अधिक लंबे करियर में शकीरा ने वैश्विक स्तर पर बड़ी पहचान बनाई है।

एक अप्रैल से सभी नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट की व्यवस्था होगी पूरी तरह बंद

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने शुक्रवार को कहा कि आगामी 1 अप्रैल से सभी नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर कैश पेमेंट की व्यवस्था पूरी तरह बंद की जा सकती है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

सरकार ये बड़ा फैसला राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल कलेक्शन के पूरे इकोसिस्टम को डिजिटल बनाने के इरादे से करना चाहती है।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर बड़ा हमला, बोले- अदृश्य राजनीतिक दबाव में हैं पीएम

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है, कि वे अदृश्य राजनीतिक दबाव में काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में गांधी ने संसद में दिए अपने जिउ-जित्सु वाले उदाहरण को विस्तार से समझाया।

राहुल गांधी ने कहा कि जिउ-जित्सु में प्रतिद्वंद्वी को नियंत्रित करने के लिए 'पकड़' और 'दबाव' का इस्तेमाल किया जाता है। ठीक उसी तरह राजनीति में भी ऐसी पकड़ और दबाव मौजूद होते हैं, जो आम जनता को दिखाई नहीं देते। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री कई तरह के अंतरराष्ट्रीय और राजनीतिक दबावों के बीच फ्रफंसेफ्र हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में अडानी से जुड़े मामले और एपस्टीन प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ भारतीय नाम अब भी सार्वजनिक नहीं हुए दस्तावेजों से जुड़े बताए जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन सीमा पर मौजूद है और अमेरिका के साथ समझौतों का दबाव है, जिससे प्रधानमंत्री दो शक्तियों के बीच घिरे हुए हैं।

राहुल गांधी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की सार्वजनिक छवि वित्तीय समर्थन से संचालित है और उसका नियंत्रण देश के बाहर के लोगों के हाथ में है। उन्होंने कृषि, कपड़ा उद्योग और आयात-निर्यात नीतियों पर संभावित असर की बात करते हुए कहा कि भारत को अमेरिका से आयात बढ़ाने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के खिलाफ जारी किया 20 सूत्री आरोपपत्र

गुवाहाटी। असम की राजधानी गुवाहाटी में गुरुवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार के खिलाफ 20 सूत्री आरोपपत्र जारी किया, जिसमें राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और अल्पसंख्यकों को डरने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है।

कांग्रेस ने अमस में विधानसभा चुनावों से पहले यह आरोपपत्र जारी किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक दशक के शासनकाल के बावजूद भाजपा सरकार 6 आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 351 रुपये करने के अपने वादे को पूरे करने में विफल रही।

असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवार चयन समिति की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा की दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके करीबी मंत्रियों एवं उनके परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया।

कुछ ना कहना

नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या अब सिर्फ सात

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ताजा समीक्षा के बाद देश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की संख्या आठ से घटकर सात रह गई है। गृह मंत्रालय के अनुसार, इस महीने 9 फरवरी से लागू नई वर्गीकरण सूची सभी नक्सल प्रभावित राज्यों को भेज दी गई है। यह समीक्षा वामपंथी उग्रवाद से

निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना के तहत की गई, जिसमें झारखंड, बिहार, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के 38 जिलों का विश्लेषण किया गया। पिछली समीक्षा दिसंबर 2025 में हुई थी।उसमे मध्यप्रदेश का बालाघाट, मंडला और डिंडोरी को मुक्त कर दिया गया है. नई सूची के अनुसार देश भर में अब सात जिले एलडब्ल्यूई-प्रभावित श्रेणी में हैं। इनमें छत्तीसगढ़ के पांच जिलों बीजापुर, नारायणपुर, सुकमा, कांकेर और दंतेवाड़ा के अलावा झारखंड का पश्चिम सिंहभूम और ओडिशा का कंधमाल शामिल हैं। इनमें भी तीन उप-श्रेणियां बनाई गई हैं। सबसे अधिक प्रभावित जिलों में बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा शामिल हैं। जबकि चिंता वाले जिलों में कांकेर और पश्चिम सिंहभूम शामिल हैं।

विरासत और महत्वपूर्ण

जिलों की संख्या अब 31 हो गई है, जो दिसंबर 2025 में 30 थी। विरासत जिले वे हैं, जहां नक्सली असर कम हो चुका है, लेकिन सुरक्षा और विकास कार्यों के लिए सहयोग जरूरी है। महत्वपूर्ण जिले वे संभावित क्षेत्र हैं जहां नक्सल गतिविधि बढ़ सकती है।

अन्य प्रभावित जिलों में दंतेवाड़ा और कंधमाल को रखा गया है। गृह मंत्री अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने नक्सल हिंसा को लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती बताया है, जिसमें अब तक करीब 17,000 नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान जा चुकी है।

बंगाल सरकार और चुनाव आयोग के आरोप-प्रत्यारोप पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, कलकत्ता हाईकोर्ट को निर्देश

एसआईआर प्रक्रिया में नियुक्त करें न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच विवाद जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए न्यायिक अधिकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सरकार और आयोग के बीच विश्वास की कमी के कारण एसआईआर ड्राफ्ट रोल से जुड़े दावे और आपत्तियों का निपटारा और निगरानी सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे। साथ ही जरूरत पडने़ पर पूर्व जजों की सेवाएं भी ली सकती हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम

पंचोली की बेंच ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के आदेश अदालत के आदेश माने जाएंगे। कलेक्टर और एसपी को इन आदेशों का पालन कराना होगा। साथ ही चुनाव आयोग को 28 फरवरी को फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने की परमिशन दी गई है। हालांकि, जरूरत पडने़ पर बाद में सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की भी छूट दी गई है।

सरकार माइक्रो-ऑब्जर्वर तैनात करे

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार द्वारा पर्याप्त ग्रेड-ए अधिकारियों को स्ढ्डक्र प्रक्रिया के लिए उपलब्ध नहीं कराने पर गंभीर टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों की मदद के लिए माइक्रो-ऑब्जर्वर और राज्य सरकार के अधिकारी तैनात रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को मुख्य सचिव, डीजीपी और चुनाव आयोग के अधिकारियों समेत सभी संबंधित पक्षों की बैठक बुलाने का निर्देश। डीजीपी को एसआईआर अधिकारियों को दी गई धमकियों पर क्या कदम उठाए गए, इस पर सप्लीमेंट्री एफिडेविट दाखिल करने का आदेश दिया।

5वीं, 8वीं की परीक्षाओं का हुआ आगाज, पहले ही दिन 983 विद्यार्थियों ने नहीं दी परीक्षा

51330 में से 50,356 विद्यार्थियों ने हल किया पर्चा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार शुक्रवार 20 फरवरी से कक्षा 5वी, कक्षा 8वीं की बोर्ड परीक्षाओ का आगाज किया गया।दोपहर 2 बजे से 4:30 बजे तक जिले के सभी 10 विकाशखण्डो के 278 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में पहले ही दिन 983 विद्यार्थी इस परीक्षा से अनुपस्थित रहे।जबकि कक्षा 5वी, 8वी के कुल 51330 विद्यार्थियों में से 50,356 विद्यार्थियों ने हिंदी और अंग्रेजी विषय का पर्चा हल किया।वही किसी भी परीक्षा केंद्र में नकल प्रकरण नही बना।ज्ञात हो कि कक्षा 5वी की परीक्षा 1 मार्च तक, तो वही कक्षा 8 वीं की परीक्षा 5 मार्च तक चलेगी। इन परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए जिले में 278 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।जिनमे परीक्षाओ का आगाज शुक्रवार से कर दिया गया है।

5वी के 351 बच्चो ने नही दी परीक्षा

डीपीसी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में कक्षा 5वी की परीक्षा के लिए बनाए गए 278 परीक्षा केंद्रों में 2616 स्कूलों के पंजीकृत 26,271 बच्चों में से 25,920 बच्चो ने केंद्रों में उपस्थिति होकर प्रश्न पत्र हल किया, जबकि 315 बच्चे इस परीक्षा से अनुपस्थित रहे।

8वी के 632 बच्चे परीक्षा में रहे नदारत

उधर कक्षा 8वीं की परीक्षा में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां जिले के 278 परीक्षा केंद्रो में 26,16 स्कूलों के कक्षा आठवीं के पंजीकृत 25,068 बच्चों में से 24,436 बच्चों ने केंद्र पर उपस्थित होकर प्रश्न पत्र हल किया। जबकि इस परीक्षा से 632 बच्चे अनुपस्थित रहे।

5 वी की 26 को, तो 8वी की 28 फरवरी को सम्पन्न होंगी परीक्षा

राज्य शिक्षा केंद्र की ओर से जारी टाइम टेबल के अनुसार कक्षा 5वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेंगी, यानी कक्षा 5वी की परीक्षा महज 6 दिन में संपन्न हो जाएगी।तो वही कक्षा 8वीं की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगी, यानी महज 8 दिन में संपन्न हो जाएगी।दोनों ही परीक्षाओं का समय दोपहर 2 बजे से 4:30 बजे तक रखा गया है। पहले दिन 2616 स्कूलों के कक्षा पांचवी, आठवीं के पंजीकृत 51,339 बच्चों में से 50,356 बच्चों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रो पर उपस्थित होकर प्रश्न पत्र हल किया।तो वही इस परीक्षा से कक्षा पांचवी आठवीं के 983 बच्चे अनुपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज के छात्र छात्राओं ने मलाजखंड ताम्र परियोजना का किया औद्योगिक भ्रमण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट के वाणिज्य संकाय के 50 से अधिक छात्र-छात्राओं का औद्योगिक भ्रमण जिले में स्थित मलाजखंड ताम्र परियोजना में कराया गया। यह भ्रमण हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया।

भ्रमण का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के नेतृत्व तथा विभागाध्यक्ष डॉ. पी. एस. कातुलकर के निर्देशन में

हुआ। एचसीएल के मानव संसाधन प्रमुख प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को आधुनिक खनन तकनीकों और तांबा उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने खान की विशाल ओपन पिट संरचना का निरीक्षण किया। विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य प्रबंधक श्री विशाल मिश्रा ने ड्रिलिंग, ब्लास्टिंग, ऊपर यूनिट तथा फ्लोटेशन प्लांट की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने उत्पादन प्रबंधन, लागत नियंत्रण, श्रम कानूनों एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को उद्योग के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव तथा कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रदान की गई। विभागाध्यक्ष डॉ. कातुलकर ने बताया कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के कौशल विकास, इंटर्नशिप अवसरों, शोध कार्य तथा उद्योग-शैक्षणिक समन्वय को मजबूत करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।संपूर्ण भ्रमण के दौरान सहायक प्राध्यापक वाणिज्य भीवेंद्र धुर्वे एवं शोधार्थी इशिका, प्रकृति, हर्षिका तथा साक्षी शर्मा उपस्थित रहीं। यह औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

29 हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में 49.25 लाख रुपए की राशि से कराए गए सामान्य मरम्मत के कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के 29 हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में अनुरक्षण मद के अंतर्गत शाला भवन की सामान्य मरम्मत एवं रंगाई पुताई आदि कार्य के लिए 49 लाख 25 हजार रुपए की राशि आवंटित की गई थी। इस राशि से यह कार्य पूर्ण करा लिये गए है। यह कार्य शाला प्राचार्य की अध्यक्षता में गठित भवन प्रबंधन समिति द्वारा कराया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि अनुरक्षण मद में शासकीय हाईस्कूल ऑवलाझरी को 02 लाख 50 हजार रुपए, हाईस्कूल खुरसोडी को 01 लाख 25 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल गुडरू को 02 लाख 50 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल कटंगझरी को 01 लाख 50 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल टेकाडी-ला को 01 लाख 70 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल नेवरगांव को 01 लाख 20 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल कनकी को 02 लाख 50 हजार रुपए, हाई स्कूल मुरझड को 01 लाख 50 हजार रुपए, हाईस्कूल पाला को 01 लाख 25 हजार रुपए, लवेरी को 01 लाख 45 हजार रुपए, बेलगांव को 01 लाख 35 हजार रुपए, देवगांव को 01 लाख 50 हजार रुपए, गजपुर को 01 लाख 75 हजार रुपए, खरखडी को 01 लाख 50 हजार रुपए, लावनी को 01 लाख 25 हजार रुपए की राशि आवंटित की गई थी।

इसी प्रकार हायर सेकेण्डरी स्कूल कटोरी को 01 लाख 75 हजार रुपए, अमई को 01 लाख 75 हजार रुपए, पिपरियॉ-भांडी को 02 लाख 50 हजार रुपए, मेंढकी को 01 लाख 75 हजार रुपए, हाईस्कूल थानेगांव को 01 लाख 25 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल महकेपार को 02 लाख 25 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल वरूड को 01 लाख 50 हजार रुपए, हाईस्कूल दिग्धा को 01 लाख 35 हजार रुपए, हाईस्कूल सावंगी को 01 लाख 65 हजार रुपए, हाईस्कूल कुल्पा को 02 लाख 10 हजार रुपए, हायर सेकेण्डरी स्कूल बहेला को 02 लाख 25 हजार रुपए, हाईस्कूल घंसा को 01 लाख 35 हजार रुपए, हाईस्कूल बिसोनी को 01 लाख 25 हजार रुपए तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल पाथरगांव को 01 लाख 75 हजार रुपए की राशि अनुरक्षण मद में आवंटित की गई थी।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री उपाध्याय ने बताया कि संबंधित विद्यालयों के शाला भवन प्रबंधन समिति द्वारा इस राशि से शाला भवन की सामान्य मरम्मत व रंगाई पुताई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

मॉयल एकादश भरवेली ने जीता सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट, 9 विकेट से दर्ज की शानदार जीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में आयोजित स्व. सुदेश पौराणिक, स्व. सुनील बिसेन, ओम भारद्वाज, मुकेश बढ़ई, सुरेन्द्र शुक्ला एवं अनीश खान की स्मृति में आयोजित हीरो सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। फाइनल मैच श्रमजीवी पत्रकार एकादश और मॉयल एकादश भरवेली के बीच खेला गया, जिसमें मॉयल एकादश भरवेली ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में सांसद भारती पारधी उपस्थित रहीं। उनके साथ संजय सिंह कच्छवाहा जिला अध्यक्ष, राजपूत समाज, निशांत बिसेन, कामेश धूमकेती नगर निरीक्षक, कोतवाली, शक्ति सिंह कमांडो हॉक फोर्स एवं गजेंद्र भारद्वाज भी मौजूद रहे। टॉस जीतकर श्रमजीवी पत्रकार एकादश के कप्तान इंद्रजीत भोज ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 20 ओवरों में टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाए। टीम की ओर से आकाश श्रीवास्तव ने 32 रन, नितेश जलकेशर ने 16 रन तथा धनेश्वर कुशले ने 16 रन का योगदान दिया। मॉयल एकादश भरवेली की ओर से जोयल सुना, जॉन्सन और सोमू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट हासिल किए। 123 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मॉयल एकादश भरवेली की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने मात्र 13 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस प्रकार मॉयल एकादश ने 9 विकेट से जीत दर्ज की। फाइनल मैच में सोमू ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए नाबाद 71 रन बनाए और 2 विकेट भी हासिल किए, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट के अन्य पुरस्कार मैन ऑफ द सीरीज संदीप भीमते, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज धनपाल धुरयाम, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज गौरव शर्मा, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर धनेश्वर कुशले, सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक आदर्श शुलकिया, सर्वश्रेष्ठ कैच राजीव रंजन, सर्वश्रेष्ठ ड्रेस कोड डॉ. बी.आर. अम्बेडकर एजुकेशन सोसाइटी, सर्वश्रेष्ठ कप्तान इंद्रजीत भोज, अनुशासित टीम हॉक फोर्स, मैच के दौरान अंपायर की भूमिका अजय शुक्ला एवं वैभव गेडाम ने निभाई। स्कोरिंग का कार्य शुभम मेश्राम ने किया, जबकि कमेंट्री शंकर कनौजिया, हर्षविंदर भाटिया, अजय बिसेन एवं रजनीश राहंगडाले द्वारा की गई। टूर्नामेंट का समापन उत्साह और खेल भावना के माहौल में हुआ, जहां खिलाड़ियों और दर्शकों ने खेल भावना का परिचय दिया। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत भोज महासचिव ओमेंद्र बिसेन,उपाध्यक्ष श्रवण शर्मा,रजनीश राहंगडाले,राजेश नगपुरे रफी अहमद अंसारी,यमलेश बंजारी,महेंद्र अमूले, आकाश श्रीवास्तव,सुनील कोरे,नईम खान,अरविंद अग्निहोत्री,संजय बिसेन,अजय नारायण तिवारी योगेश देशमुख, बिसन नगपुरे ,विनोद चिपेश्वर,संदीप आश्ले,योगेश गौतम, हितेश ठाकरे,अशोक शुक्ला,अखिलेश ठाकुर,मनीष जैन,अनुराग झा, माही चौहान,गुणेश्वर सहारे,प्रदीप सरोटे,महेश दवने,गुड्डू गोंड,देवेंद्र रनगिरे गजोधर,कमल कोडले सहित समस्त साथियों ने खेलप्रेमी जनता का उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त किया है।

नाम सुधार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजू माहुले ग्राम वार्ड न. 4 खैरलांजी तहसील खैरलांजी जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम राजू माहुले पिता तांबा माहुले दर्ज है। किन्तु मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में ऋटिवश मेरा नाम राजेन्द्र कुमार माहुले वार्ड न. 3 खैरलांजी दर्ज हो गया है जो कि गलत है।

अत: मेरे ड्राईविंग लाइसेंस में मेरा नाम राजू माहुले ग्राम वार्ड न. 4 खैरलांजी दर्ज किया जावें। और मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावें।

आवेदक
राजू माहुले
वार्ड न. 4 खैरलांजी तह. वारासिवनी
जिला बालाघाट

कार्यालय ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा

जनपद पंचायत लालबर्रा, जिला बालाघाट (म.प्र.)

बाजार नीलामी सूचना २०२६-२७

पल क्रमांक - क्यू दिनांक १८.०२.२०२६

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत अंतर्गत बैठकी एवं मवेशी बाजार की नीलामी वर्ष २०२६-२७ (१ अप्रैल २०२६ से ३१ मार्च २०२७ तक) एक वर्ष के लिए पंचायत राज अधिनियम (फीस संग्रहण का पट्टा) १९९५ नियम एवं नीलामी शर्तों के अध्याधीन रहते हुए दिनांक १०.०३.२०२६ दिन मंगलवार को दोपहर १२ बजे से ग्राम पंचायत कार्यालय लालबर्रा के सभाकक्ष में की जावेगी। अपरिहार्य कारणों से उक्त तिथि पर नीलामी नही होने पर दिनांक ११.०३.२०२६ दिन बुधवार को एवं इस तिथि में भी नीलामी नही होने पर दिनांक १२.०३.२०२६ दिन गुरूवार को निर्धारित समय पर नीलामी की जावेगी।

भारतीय स्टाम्प अधिनियम १८९९ के तहत स्टाम्प ड्यूटी (मुद्रांक शुल्क) नीलामी की राशि पर नियमानुसार देय होगा।

टीप:- ०१. नीलामी कार्यवाही से संबंधित सभी नियम व शर्तें कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना बोर्ड में देखी जा सकती है।

०२. सफल बोलीदार की वसूली ठेका दिनांक के बाद से लागू होगी।

अनीस खान-सरपंच, कृष्णा पंचेश्वर-सहायक सचिव,
संदेश पारधी-एडीओ
जनपद पंचायत लालबर्रा
ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों की पद स्थापना में किया गया संशोधन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले में पदस्थ कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों की पूर्व आदेश अनुसार की गई पद स्थापना आंशिक रूप से संशोधन कर 03 कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को प्रस्तावित विकासखंड में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिये है।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमती निहारिका अवस्थी को पदस्थापना विकासखंड खैरलांजी एवं मुख्यालय वारासिवनी के लिए की गई है। इसी प्रकार कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अश्विनी देशमुख की पदस्थापना विकासखंड परसवाडा तथा सुरेश थोटे की पदस्थापना विकासखंड वारासिवनी के लिए की गई है। इन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को तत्काल अपनी पदस्थापना वाली विकासखंड में कार्यभार ग्रहण कर मुख्यालय में रहकर कार्य संपादित करने का आदेश दिया गया है।

प्रगतिशील कुनबी समाज ने मनाई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

नगर में रैली निकालकर हिन्दु हृदय सम्राट का किया जयघोष, संस्कृतिक भवन में आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिन्दु हृदय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती बालाघाट नगर में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। जिसमे शिवाजी पार्क डॉ. आम्बेडकर चौक से शोभा यात्रा प्रारंभ होकर इंतवारी बाजार स्थित शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन अर्चन किया गया।तत्पश्चात यह शोभा यात्रा पालिटेकनिक कालेज के बाजू में शिवाजी सांस्कृतिक कुनबी समाज भवन में पहुंची।जहा मंचीय कार्यक्रमो के आयोजन किए गए।जहा श्रीमती माधुरी बेदरे द्वारा आरंभ है प्रचंड है गोल मस्तको के झुंड, आन बान शान धनुष बाण उठा जंग की है घड़ी एवं शम्भु शिवराज है रघुकुल राज है गीतो पर एवं कु. लावण्या द्वारा गणपति गणेश वंदना एक दंताय विघ्नेश्वराय एवं जय देव जय देव जय मंगल मूर्ति गीत पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत किया गया।तलवार द्वारा माधुरी बेदरे ने प्रदर्शन किया। उद्घोषन के क्रम मे सर्वप्रथम मंडल अध्यक्ष घनश्याम फुण्डे लिंगा, सेवक कुथे रजेगांव एवं दिलीप बहेकार बालाघाट मुख्य वक्ता मामा मते ने अपने उद्बोधन मे कहा कि जीजा माता ने बाल शिवा को अपने पिता की तरह सुबेदार नहीं बल्कि राजा की तरह पाला एवं बड़ा किया।राष्ट्र भक्ति के संस्कार एवं मुगलो से लड़ने योग्य राजा बनाया।जिसने हिन्दवी स्वराज की स्थापना की।उधर अध्यक्ष सुनील खोटेले ने भी अपने विचार व्यक्त किये। शिवाजी पार्क में पूजन अर्चन के कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर, सभापति संगीता खगेश कावरे, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, पार्षद वकील वाघया, उज्जवल आमाडारे, संगीता थापा ,शिवशंकर शिवनकर, कार्यकारी अध्यक्ष, श्रीराम दानी, महासचिव, टी.सी.भागडकर ,नीलकंठ बहेकार उपस्थित रहे । कार्यक्रम की सफल बनाने में हर्षित फण्डे, कमलेश हेमने, खगेश कावरे, ए.आर. थेरकर, रवि दोनारकर, किशनप्रसाद भोयर,श्रीमती उमा सेवकराम नाकतोड़े, रंजना नखाते, सीमा सिंह, कल्पना बहेकार, अरविंद पारधी, लखनलाल बर्वे, लक्ष्मीचंद कुथेका विशेष योगदान रहा। सभा का आभार महासचिव श्रीराम दानी ने किया।जहां देर शाम कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रुपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट मंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
शनिवार 21 फरवरी 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जिला पंवार क्षत्रिय संगठन द्वारा तीन नए ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंवार क्षत्रिय संगठन, पंवार समाज ने संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिले के तीन ब्लॉकों में नए ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। यह पहली बार है जब बैहर, बिरसा और उकवा ब्लॉकों में पंवार समाज के ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। जिला पंवार समाज अध्यक्ष विशाल बिसेन ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज के वरिष्ठजनों, मार्गदर्शकों एवं संरक्षकों के निर्देश तथा प्रबंध कार्यकारिणी के प्रस्ताव के अनुसार इन नियुक्तियों को विधिवत स्वीकृति प्रदान की गई है। संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में समाजहित और संगठन विस्तार को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। नव नियुक्त पदाधिकारियों में तनू पटेल को बैहर ब्लॉक अध्यक्ष, संतोष पटले को बिरसा ब्लॉक अध्यक्ष तथा परमानंद पारधी को उकवा ब्लॉक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों से अपेक्षा की गई है कि वे समाज के समस्त संस्थानों एवं सदस्यों को साथ लेकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करेंगे और सामाजिक गतिविधियों को गति प्रदान करेंगे। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पंवार समाज निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों को समाजजनों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए आशा व्यक्त की गई है कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

बालाघाट नपा अध्यक्ष भारती ठाकुर को जांच पूरी होने तक अध्यक्ष पद से निलंबित रखें!!

भाजपा पार्षदों ने फिर घेराः सुधीर चिले, राज हरिनखेड़े के साथ केवल सोनेकर और सौरभ जैन की मांग, तर्कः पद पर रहते हुऐ वे दबाव बनाकर जांच को प्रभावित कर सकतीं हैं

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका में जारी विवाद के बीच कुछ पार्षदों ने एक बार फिर अपनी ही अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व में न्यायालय की शरण लेने वाले पार्षदों में से ही कुछ पार्षदों ने अब नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में पार्षदों ने मांग की है कि न्यायालय द्वारा निर्धारित 90 दिनों की जांच अवधि के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष को निलंबित किया जाए। उनका तर्क है कि पद पर बने रहने से जांच की निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है और अध्यक्ष अपने पद के प्रभाव का उपयोग कर जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकती हैं। पार्षदों का कहना है कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन है और जांच जारी है, तब तक प्रशासन को पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अध्यक्ष को पद से पृथक करना चाहिए। उन्होंने विभाग से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है, ताकि जांच निष्पक्ष और निर्भीक वातावरण में संपन्न हो सके।

नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर के विरुद्ध अनियमितताओं के आरोपों का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। उन्हीं की पार्टी भारतीय जनता पार्टी के दो वरिष्ठ भाजपाई और पार्षद सुधीर चिले , राज हरिनखेडे तथा पार्षद प्रतिनिधि केवल सोनेकर और सौरभ जैन द्वारा डीजल प्रकरण सहित अन्य मामलों को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले में न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इसके अनुपालन में राज्य सरकार ने एक अध्यक्ष और दो सदस्यों वाली जांच समिति गठित कर 15 दिनों के भीतर प्रारंभिक जांच की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। इसी बीच कुछ पार्षदों ने पुनः नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, भोपाल में शिकायत प्रस्तुत कर मांग की है कि जांच की 90 दिनों की अवधि तक नगर पालिका अध्यक्ष को पद से हटाकर निलंबित किया जाए। शिकायतकर्ताओं का तर्क है कि यदि अध्यक्ष जांच अवधि में पद पर बनी रहती हैं तो वे अपने प्रभाव का उपयोग कर साक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं, अधिकारियों-कर्मचारियों पर दबाव बना सकती हैं, जिससे जांच की निष्पक्षता प्रभावित होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में दिया गया आवेदन पत्र भी वायरल हो रहा है, जिससे नगर पालिका और शहर की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। शिकायतकर्ता पारदर्शी और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर लगातार विभाग को आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें नगरीय प्रशासन विभाग के निर्णय पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभाग अध्यक्ष को जांच अवधि में अधिकारों से मुक्त करता है या वे पद पर रहते हुए ही जांच प्रक्रिया आगे बढ़ती है। आने वाले दिनों में यह मामला किस दिशा में जाता है, इस पर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों की नजर बनी हुई है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाई जाए रोक, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत महाकौशल प्रांत ने सौंपा ज्ञापन

प्रमुख 6 सूत्रीय मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। निजी विद्यालयों द्वारा वसूली जाने वाली मनमानी फीस पर रोक लगाने, पुस्तकों एवं यूनिफॉर्म के लिए निर्धारित दुकानों से खरीद के अनैतिक दबाव पर नियंत्रण करने और नई शैक्षणिक सत्र से पूर्व प्रभावी प्रशासनिक तैयारीकिए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, महाकोशल प्रांत ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपा है सौपे गए इस ज्ञापन में पदाधिकारियो ने बताया कि निजी स्कूलों द्वारा बिना सक्षम प्राधिकरण की अनुमति के प्रतिवर्ष ट्यूशन फीस, वार्षिक शुल्क, गतिविधि शुल्क एवं अन्य मदों में अनुचित वृद्धि की जाती है।वही विद्यालय विशेष प्रकाशक अथवा दुकान से ही सामग्री लेने का दबाव बनाते हैं, जिससे मुक्त प्रतिस्पर्धा समाप्त होती है और उपभोक्ताओं को अधिक मूल्य चुकाना पड़ता है।इससे बच्चों की पढ़ाई एवं भविष्य प्रभावित होने के भय से अधिकांश अभिभावक विरोध दर्ज नहीं करा पाते, परिणामस्वरूप यह शोषण निरंतर जारी रहता है।उन्होंने बताया कि अनावश्यक आर्थिक बोझ के कारण अभिभावकों में तनाव, पारिवारिक असंतुलन तथा बच्चों पर मनोवैज्ञानिक दबाव उत्पन्न होता है, जो शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है।उन्होंने बताया कि शिक्षा सेवा प्राप्त करने वाले अभिभावक उपभोक्ता की श्रेणी में आते हैं, परंतु निजी विद्यालयों द्वारा उनकी पसंद और स्वतंत्रता को सीमित किया जा रहा है।इसलिए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, महाकोशल प्रांत द्वारा निजी स्कूलो के मनमानी पर रोक लगाने की मांग की जा रही है।इस दौरान अखिल

भारतीय ग्राहक पंचायत महाकौशल प्रांत अध्यक्ष कमल किशोर राउत, उपाध्यक्ष इंद्रा पवार, दीपक भट्ट, महिला आयाम प्रमुख सुषमा नाविक, सहसचिव अभिष बाजपेयी सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

संगठन द्वारा सौपे गए इस ज्ञापन में कोई भी निजी विद्यालय अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से पुस्तक, यूनिफॉर्म अथवा अन्य सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा।ऐसे निर्देश नई शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व प्रदेश के सभी जिलों में स्पष्ट रूप से जारी करने, किसी भी दुकान, प्रकाशक या विक्रेता का नाम अनिवार्य अथवा अप्रत्यक्ष रूप से न जोड़े जाने, फीस निर्धारण एवं वृद्धि पर जिला स्तर पर प्रभावी निगरानी समिति सक्रिय करने, वही नियमों के उल्लंघन पर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने, प्रत्येक जिले में कलेक्टर महोदय के अधीन एक शिकायत निवारण तंत्र स्थापित किया करने, ताकि अभिभावक बिना भय के अपनी शिकायत दर्ज करा सकें, परीक्षा परिणाम, प्रमोशन अथवा नई कक्षा में प्रवेश को फीस, पुस्तकों या यूनिफॉर्म की खरीद से जोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए जाने,आदेशों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित विद्यालय की मान्यता निलंबन अथवा निरस्तीकरण तक की कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की है।

नियमो का उल्लंघन होने पर रद्द की जाए स्कूलों की मान्यता

पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित अनेक निजी (प्राइवेट) विद्यालयों द्वारा अभिभावकों से मनमाने ढंग से शुल्क वसूला जा रहा है। साथ ही विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुस्तकों, कॉपियों, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे आदि केवल निर्धारित दुकानों से ही खरीदने का दबाव बनाया जाता है। यह स्थिति न केवल उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा को सेवा के स्थान पर व्यवसाय बना देने की प्रवृत्ति को भी दर्शाती है।पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय विशेष रूप से संवेदनशील है, क्योंकि शीघ्र ही बच्चों की वार्षिक परीक्षाएँ संपन्न होने वाली हैं तथा वे नई कक्षा में प्रवेश करेंगे। इसी अवधि में निजी विद्यालयों द्वारा एकमुश्त फीस वृद्धि, नई एवं महँगी पुस्तक सूची तथा बार-बार बदली जाने वाली यूनिफॉर्म लागू कर दी जाती है,जिससे अभिभावकों-विशेषकर मध्यमवर्गीय एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर अत्यधिक आर्थिक एवं मानसिक दबाव उत्पन्न होता है जिसपर रोक लगाना अतिआवश्यक है उन्होंने बताया कि यदि शासन एवं प्रशासन द्वारा समय रहते ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाते हैं, तो नई कक्षा में प्रवेश के समय उत्पन्न होने वाली इन गंभीर समस्याओं से प्रदेश के लाखों अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को राहत प्राप्त होगी। यह पहल शिक्षा को वास्तव में जनहितकारी, न्यायसंगत एवं उपभोक्ता अनुकूल बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

नगर पालिका ने अंबेडकर चौक पर ट्रैफिक सिग्नलों का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाने की दिशा में नगर पालिका ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्थानीय अंबेडकर चौक पर स्थापित किए गए ट्रैफिक सिग्नलों का विधिवत शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने फीता काटकर सिग्नलों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि अब अंबेडकर चौक पर यातायात पूरी तरह सिग्नल प्रणाली के माध्यम से नियंत्रित किया जाएगा। वाहन चालकों को सिग्नलों का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा, जिससे ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सके।

शहर के व्यस्ततम चौराहों में शामिल अंबेडकर चौक पर आखिरकार ट्रैफिक सिग्नलों को विधिवत रूप से शुरू कर दिया गया। 20 फरवरी को शाम 6 बजे नगर पालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने फीता काटकर सिग्नलों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोग सदस्य मौसम बिसेन , नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर, उपाध्यक्ष योगेश बिसेन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी बी.डी कतरोलिया , सीएसपी मयंक तिवारी, कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार, यातायात थाना प्रभारी यीना राहांगडाले सहित नगर पालिका और पुलिस विभाग के बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान आयोग सदस्य मौसम बिसेन एवं नपा. अध्यक्ष भारती ठाकुर ने बताया कि लंबे समय से अंबेडकर चौक पर ट्रैफिक सिग्नल शुरू करने की मांग की जा रही थी। यातायात व्यवस्था को सुचारू और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से अब सिग्नलों को चालू कर दिया गया है। उन्होंने आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनकर वाहन चलाने और सिग्नल का सम्मान करने की अपील की। नपा. अध्यक्ष ने आगे बताया कि अंबेडकर चौक के बाद अब शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी ट्रैफिक सिग्नल लगाये जायेंगें। फिलहाल अंबेडकर चौक पर सिग्नल व्यवस्था शुरू कर दी गई है और एक-दो दिनों में इसकी पूर्ण जिम्मेदारी पुलिस विभाग को सौंप दी जाएगी।

मूलना स्टेडियम में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

विजेताओं को सांसद ने किया सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माय भारत बालाघाट (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य समापन मुलना स्टेडियम, बालाघाट में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बालाघाट-सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी उपस्थित रहीं कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। अपने उद्बोधन में सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि बालाघाट में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है। जिले के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए विजेताओं को आकर्षक स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व बालाघाट, वारासिवनी, लालबर्रा एवं खैरलांजी विकासखंडों में ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थीं। ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर सांसद द्वारा जिले के युवा मंडलों को खेल सामग्री भी वितरित की गई। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी श्री प्रांजल अग्रवाल एवं लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक श्री सी. आर. जंघेला ने माय भारत बालाघाट की गतिविधियों की जानकारी देते हुए युवाओं से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का सफल संचालन अजय बेस, जिलाधिकारी क्षेत्रीय प्रचार-प्रसार ब्यूरो द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में लव कुमार पटेल, दिव्या सुलाखे, तूफान सिंह, विजेंद्र सिंह, शिवम कुशवाहे सहित अन्य युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खसरा 89 की शासकीय भूमि से रास्ता बंद होने के दावे पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

चांगोटोला के गुडरु गांव में अतिक्रमण हटाने के बाद उपजा नया विवाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत गुडरू की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 89 से अतिक्रमण हटाए जाने के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जहां एक ओर ग्राम पंचायत उक्त भूमि को जनहित में उपयोग करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर एक पक्ष द्वारा रास्ता अवरुद्ध होने का आरोप लगाकर प्रशासन को शिकायतें की जा रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच शुक्रवार 20 फरवरी को ग्राम गुडरू के ग्रामीण बड़ी संख्या में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

क्या है पूरा मामला

ज्ञात हो कि ग्राम गुडरु स्थित खसरा नंबर 89 पर लंबे समय से अतिक्रमण को लेकर विवाद चल रहा था। न्यायालय लामता द्वारा पारित आदेश के पालन में 4 फरवरी 2026 को राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई के पश्चात ग्राम पंचायत ने संबंधित भूमि को अपने नियंत्रण में लेकर तार फेंसिंग के माध्यम से सुरक्षित कर दिया है। पंचायत स्तर पर यहां जनहित में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है, जिससे गांव के लोगों को स्थानीय स्तर पर व्यापारिक सुविधा मिल सके।ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति विशेष द्वारा यह प्रचारित किया जा रहा है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद उनके प्रतिष्ठान का मार्ग बंद हो गया है। जबकि ग्रामीणों के अनुसार वास्तविकता इससे भिन्न है। उनका कहना है कि संबंधित दुकान के लिए दो दिशाओं से आवागमन की सुविधा उपलब्ध है। पूर्व दिशा में पहले से प्रवेश द्वार मौजूद है, वहीं दूसरी ओर स्वयं के निजी प्लॉट के माध्यम से मुख्य मार्ग तक सीधा संपर्क बना हुआ है। इसके अतिरिक्त दक्षिण दिशा की ओर रेलवे स्टेशन रोड से जुड़ा मार्ग भी पूर्व में उपयोग में रहा है।

पहले मौका स्थल का करे निरीक्षण, फिर ले कोई निर्णय

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि किसी भी शिकायत पर निर्णय लेने से पहले स्थल निरीक्षण कर वास्तविक तथ्यों की पुष्टि की जाए। उनका कहना है कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर जनहित में उपयोग करने की प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे रोका जाना आवश्यक है।एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में यह भी आग्रह किया गया कि यदि कोई व्यक्ति भ्रामक जानकारी देकर प्रशासन को गुमराह कर रहा है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति उत्पन्न न हो।

लालबर्रा की बेटी वसुंधरा ने दूसरी बार जीता हॉर्स राइडिंग में गोल्ड मेडल

दिल्ली में सफलता का गाड़ा झंडा, नगरागमन पर गोल्डन गर्ल वसुंधरा दुबे का किया गया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी स्कूल (उत्कृष्ट विद्यालय) लालबर्रा के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे एवं शिक्षिका श्रीमती योगिता दुबे की सुपुत्री सुश्री वसुंधरा दुबे ने आरडीसी (गणतंत्र दिवस शिविर) दिल्ली में हॉर्स राइडिंग प्रतियोगिता में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर गत दिवस लालबर्रा लौटी है। लालबर्रा नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्रामगृह में जैसे ही वसुंधरा दुबे का आगमन हुआ लोगों ने फूल-मालाओं और तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी, स्थानीयजन, परिजनों के द्वारा सुश्री वसुंधरा दुबे का भव्य स्वागत एवं सम्मान कर उसे शुभकामनाएं प्रेषित कर उसके उ'जवल भविष्य की कामना की है। जिसके बाद देशभक्ति के गीतों और भारत माता की जय के नारों के साथ जुलूस निकाला गया। यह जुलूस हाई स्कूल मार्ग होते हुए उनके निवास स्थान तक पहुंचा जहां परिजनों ने आरती उतारकर उनकी उपलब्धि पर खुशी जाहिर की और सभी ने उन्हे शुभकामनाएं देते हुए उनके उ'जवल भविष्य की कामना की है। इस तरह से सुश्री वसुंधरा दुबे ने लगातार दूसरी बार हॉर्स राइडिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र एवं अपने माता-पिता का नाम गौरवांवित किया है। जिससे क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त है।

राष्ट्रपति से मिली और मुख्यमंत्री से पाया सम्मान

सुश्री वसुंधरा दुबे जो सांदीपनी स्कूल (शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा) के प्रभारी प्राचार्य सनत दुबे एवं शिक्षिका योगिता दुबे की सुपुत्री हैं, वर्तमान में नाना जी देशमुख वेटनरी विश्वविद्यालय जबलपुर कैंपस एनसीसी के माध्यम से घुड़सवारी का कड़ा अभ्यास किया। उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि उन्होंने वर्ष 2025 और 2026 में लगातार दो वर्ष डेराज प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निर्देशालय का प्रतिनिधित्व करते हुए दोनों वर्षों में गोल्ड मेडल प्राप्त कर रिकार्ड बनाया है। इस तरह से दोनों राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए दिल्ली में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वहीं वसुंधरा दुबे को गत 28 जनवरी को दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री रैली में शामिल होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उन्हे राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु से भेंट करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हॉर्स राइडिंग में लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल प्राप्त सुश्री वसुंधरा दुबे को उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश सरकार ने भी सराहना की है। गत 2 फरवरी को राजभवन में महामहिम राज्यपाल द्वारा और 6 फरवरी को मुख्यमंत्री निवास पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री जी ने उन्हें 75 हजार रूपये का चेक प्रदान किया है। जबकि पिछले वर्ष भी उन्हे 1 लाख रूपये की राशि से पुरस्कृत किया गया था। वहीं स्वागत समारोह के दौरान भावुक होते हुए सुश्री वसुंधरा दुबे के पिता सनत दुबे ने कहा कि यह केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जीत है। नगरवासियों ने कहा कि वसुंधरा ने साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य ऊंचा हो और मेहनत सच्ची, तो छोटे शहरों की बेटियां भी आसमान छू सकती हैं। इस अवसर स्थानीयजन, परिजन एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

कनकी उपस्वास्थ्य केन्द्र का बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया भ्रमण

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कनकी स्थित उपस्वास्थ्य केन्द्र का

शुक्रवार को बीएसडब्ल्यू और एमएसडब्ल्यू के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भ्रमण किया। इस दौरान उपस्वास्थ्य केन्द्र में पदस्थ एएनएम निशा बिसेन, एमपीडब्ल्यू राजेश कातुरे ने सभी को उपस्वास्थ्य केन्द्र से प्राप्त होने वाली सुविधाएं, सभी वेक्सिनेशन सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी से अवगत करवाये और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति कैसे जागरूक करना है उसके बारे में भी समझाया। वहीं कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रश्न का जवाब भी स्वास्थ्यकर्मियों के द्वारा दिया गया। म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन, विकासखंड समन्वयक श्रीमती बेजन्ती कटरे के मार्गदर्शन और सेक्टर परामर्शदाता दामेंद्रप्रसाद हरिनखेडे की उपस्थिति में भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एएनएम निशा बिसेन, एमपीडब्ल्यू राजेश कातुरे, दामेंद्रप्रसाद हरिनखेड़े, पुष्पा नागेश्वर, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती प्रियंका तिवारी, मनोरमा पटले, मीता भौतेकर, अनीता नागेंद्र, आंचल पटले, सचिन ठाकरे, निखिल शुक्ला, अनिलकुमार डोंगरे, संध्या टेकाम, सीमा सिरसाम, राहुल सिरसाम, विवेक चंदेल, कमलेश चौरागड़े, माया तिजारे, शिखा बघेल, जयप्रकाश बुरले, अंकित लिल्हारे, दीपक चौरागड़े, नेहा पटले, दुर्गावती सिंगनजुडे, सविता उके, अभिनंदन सिरसाम, स्वाति पंद्रे, प्राची चंदेल सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

पंढरापानी (रानीकुठार) में दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत रानीकुठार के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंढरापानी पट मैदान में नवयुवक पट समिति के तत्वाधान में गत 18 फरवरी से जारी दो दिवसीय विशाल बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का 19 फरवरी को समारोहपूर्वक समापन किया गया। इस दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता में बालाघाट, सिवनी एवं महाराष्ट्र राज्य की आधा सैकड़ा से अधिक बैलजोड़ियों को दौड़ाया गया। प्रतियोगिता का समापन क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसके बाद फाइनल दौड़ा प्रारंभ हुआ। फाइनल दौड़ प्रतियोगिता में 2 नंबर से लेकर 26 नंबर तक की बैलजोड़ी को दौड़ाया गया एवं 1 नंबर की बैलजोड़ी को फाइनल में शाम हो जाने के कारण नही दौड़ाया गया। ऐसी स्थिति में प्रथम पुरस्कार 25,000 रूपये की राशि डोंगरगांव एवं दंदिया साल्हे की बैलजोड़ी मालिक को बार-बार बांट दिया गया। वहीं द्वितीय पुरस्कार कुम्हारी खैरी के बैलजोड़ी मालिक को 20,000 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार नदीटोला के बैलजोड़ी मालिक को 15,000 रूपये अतिथियों के हस्ते प्रदान किया गया। इसी तरह चौथा पुरस्कार 12,000 रूपये, पांचवा पुरस्कार 10,000 रूपये, छटवां पुरस्कार 9,000 रूपये, सातवां पुरस्कार 8000 रूपये, सातवां पुरस्कार 7000 रूपये, नौवां पुरस्कार 6500 रूपये, दसवां पुरस्कार 6000 रूपये, 11 से 15 नंबर तक की बैलजोड़ी मालिक को 5500 रूपये, 16 से 20 नंबर के बैलजोड़ी मालिक को 5000 रूपये, 21 से 25 नंबर तक के बैलजोड़ी मालिक को 4500 रूपये एवं 26 नंबर के बैलजोड़ी मालिक को 5000 रूपये देकर सम्मानित किया गया। वहीं अतिथियों ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए सभी को पशुपालन के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर आयोजक समिति अध्यक्ष मकसूद पटेल, उपाध्यक्ष प्रकाशसिंह भलावी, सचिव

आनंद भारद्वाज, कोषाध्यक्ष शेख तबरेज/बशीर पटेल, संरक्षक होलूराम बाहेश्वर, संपतसिंह नेताम, अहमद अली, चरणसिंह उइके, प्रेमलाल बावने, कृष्णकुमार कावरे, आयोजक समिति रवि नेताम, नरेश बावने, संतोष भलावी, हरदास सलामें, राहुल भारद्वाज, प्रकाश कुमरे, कुमनसिंह उइके, योगेश मड़ावी, शैलेष मर्सकोले, रोहित भलावी, सुमित मेश्राम सहित ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

कक्षा 5 वीं और 8 वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू

22 परीक्षा केन्द्रों में कक्षा 5 वीं के 2533 एवं 8 वीं के 2396 विद्यार्थियों ने किया प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल, 66 रहे अनुपस्थित

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा जारी समय सारणी के अनुसार 20 फरवरी से लालबर्रा विकासखण्ड अंतर्गत बनाये गये 22 परीक्षा केन्द्रों में कक्षा पांचवी एवं आठवीं की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ हो गई है। जिसमें प्रथम दिन कक्षा 5 वीं के हिन्दी मीडियम के 1947 विद्यार्थी हिन्दी विषय, अंग्रेजी मीडियम के 586 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का एवं कक्षा आठवीं के हिन्दी मीडियम के 1973 विद्यार्थी हिन्दी एवं अंग्रेजी मीडियम के 426 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी भाषा का प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल किये। यह परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई एवं किसी भी केन्द्र में नकल प्रकरण नही बना है। लालबर्रा विकासखण्ड में बनाये गये 22 परीक्षा केन्द्रों में कक्षा 5 वीं में दर्ज 2568 विद्यार्थियों में 2533 विद्यार्थी उपस्थित, 21 अनुपस्थित रहे। वहीं कक्षा 8 वीं में दर्ज 2441 विद्यार्थियों में 2396 विद्यार्थी उपस्थित, 50 अनुपस्थित रहे एवं कुल 66 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह से विकासखण्ड में बनाये गये सभी 22 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा प्रारंभ होने के पुर्व विद्यार्थी दोपहर 1 बजे परीक्षा केन्द्र पहुंचे और यह परीक्षा दोपहर 2 से प्रारंभ होकर शाम 4.30 बजे संपन्न हुई। आपकों बता दे कि पूर्व में कक्षा 5 वीं, कक्षा 8 वीं की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर नही होती थी बल्कि स्थानीय कक्षाओं की तरह ही आयोजित की जाती थी परन्तु पिछले तीन से चार वर्ष से कक्षा 5 वीं, 8 वीं को बोर्ड कर दिया गया है। जिसके बाद से बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा प्रारंभ होने के एक सप्ताह पूर्व ही छात्र-छात्राओं को प्रवेश पत्र दे दिया गया था एवं प्रवेश पत्र में दिये गये दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए विद्यार्थी तय समय सीमा में परीक्षा केन्द्र में उपस्थित हुए और दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक शांतिपूर्वक पर्चा हल कर रहे है एवं यह परीक्षा 28 फरवरी को संपन्न होगी।

इनका कहना है-

20 फरवरी से कक्षा 5 वीं, 8 वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू हो चुकी है और लालबर्रा विकासखण्ड में 22 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसमें प्रथम दिन कक्षा 5 वीं के 2533 एवं कक्षा 8 वीं के 2396 छात्र-छात्राओं ने प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल किये एवं 66 छात्र-छात्राएं अनुपस्थित रहे। साथ ही यह भी बताया कि किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण नही बना है, शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न हुई एवं जिले की टीम के द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किये जा रहे है और यह परीक्षा आगामी 28 फरवरी तक जारी रहेगी।

श्रीराम तुरकर
बीआरसी
लालबर्रा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम रक्षक (कोटवारों) को सिखाए जान बचाने के गुर

तहसील में बाढ़ राहत, खोज एवं बचाव तकनीक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीईआरएफ) बालाघाट के तत्वाधान में शुक्रवार को तहसील कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय बाढ़ राहत, खोज एवं बचाव तकनीक पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में तैनात जमीनी अमले को प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के समय त्वरित राहत पहुंचाने के लिए सक्षम बनाना है। यह प्रशिक्षण एसडीईआरएफ के सहायक उपनिरीक्षक महेशकुमार उइके एवं राजस्व निरीक्षक अशोककुमार उइके की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित बाढ़ राहत, खोज एवं बचाव तकनीक प्रशिक्षण शिविर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम रक्षकों (कोटवारों) और पटवारियों को बाढ़ एवं जलभराव में डूबते हुए व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने की तकनीक, आग पर काबू पाने के तरीके और बचाव के उपाय, सांप के काटने पर झाड़-फूंक के अंधविश्वास से दूर रहकर तत्काल अस्पताल पहुंचने की सलाह देने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दी गई। साथ ही भूकंप, वज्रपात (बिजली गिरना), लू और अन्य आपातकालीन स्थितियों में प्राथमिक उपचार कैसे करें एवं राहत पहुंचाने के बारे में विस्तार से बताया गया। वहीं उपस्थित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम रक्षक व पटवारियों को लाइव डेमो के माध्यम से यह दिखाया गया कि आपदा के समय उपलब्ध सीमित संसाधनों का उपयोग कर कैसे लोगों की जान बचाई जा सकती है। प्रशिक्षण में इस बात पर भी जोर दिया गया कि घटना होने पर घबराने के बजाय धैर्य से काम लें ताकि कम से कम जन-धन की हानि हो सके। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने विशेष रूप से सर्पदंश की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अक्सर लोग समय पर इलाज न मिलने और झाड़-फूंक के चक्कर में जान गंवा देते हैं। ऐसे में कोटवारों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे ग्रामीणों को जागरूक करें और पीड़ित को जल्द से जल्द स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं ताकि समय पर उपचार मिल सके एवं उनकी जान बचाई जा सके। चर्चा में राजस्व निरीक्षक अशोककुमार उइके ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बालाघाट के द्वारा तहसील में जिला स्तरीय बाढ़ राहत, खोज एवं बचाव तकनीक पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम रक्षक कोटवार एवं पटवारियों को प्रशिक्षण दिया गया है और आपदा प्रबंधन के समय लोगों को किस तरह से राहत प्रदान करना है उसके बारे में बताया गया है। सभी से अपील है कि जो जानकारी इस प्रशिक्षण में दिया गया है उसका समय पर उपयोग कर लोगों की मदद करे और जागरूक भी करें। एसडीईआरएफ बालाघाट के सहायक उपनिरीक्षक मनोजकुमार उइके ने बताया कि जिला कलेक्टर के निर्देश पर शुक्रवार को तहसील कार्यालय में आपदा प्रबंधन अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं अन्य कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है और इस प्रशिक्षण के विभिन्न बाढ़ आपदा के समय राहत पहुंचाने संबंधित जानकारियां दी गई है। जिसमें बताया गया है कि अगर कोई बाढ़ एवं अधिक पानी में फंस गये है तो उक्त व्यक्ति को कैसे सुरक्षित बाहर निकालना है, सर्पदंश के अगर कोई शिकार हो गया तो झाड़-फूंक में ध्यान न देते हुए अस्पताल पहुंचाने सहित आगजनी व अन्य आपदा के समय किस तरह से लोगों की मदद कर सकते है उसके बारे में बताया गया है। साथ ही यह भी बताया कि समय-समय पर हमारे द्वारा लोगों को जागरूक किया जाता है। इस अवसर पर एसडीईआरएफ से करणसिंह वल्के, विशाल रजक, कमलेश मेरावी, विणेश कुतुराहे, चालक मुलेन्द्र आड़े, लालबर्रा पुलिसकर्मी ओरीलाल एड़े, योगेश बनवाले, कैलाश डहारे सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम रक्षक (कोटवार) एवं पटवारी उपस्थित रहे।

अतिक्रमणकर्ता पुर्ननिवास व्यवस्था करने की याचिका लेकर पहुंचे एसडीएम दफ्तर

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

सिकंद्रा में अतिक्रमण हटाने की शुरू हुई कार्यवाही

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सिकंद्रा के वार्ड नंबर १० मुक्ति धाम मार्ग किनारे राजस्व एवं ग्राम पंचायत अमले के द्वारा संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। यह अतिक्रमण हटाने के लिए राजस्व एवं पंचायत अधिकारी दलबल के साथ जेसीबी लेकर पहुंचे। जहां करीब आठ लोगों के द्वारा कच्चे मकान और पाल पर्दे लगाए गए थे जिसे तोड़ने और हटाने का कार्य किया गया। यह कार्यवाही तहसीलदार के आदेश पर की गई जिसमें मुक्तिधाम के मार्ग किनारे को अतिक्रमण मुक्त किया गया। इस दौरान अतिक्रमणकर्ताओं के द्वारा कार्यवाही का विरोध किया गया। वहीं उनकी अनुपस्थिति में अतिक्रमण तोड़ने की कार्यवाही करने का आरोप भी पंचायत एवं अधिकारियों पर लगाया गया। इस अवसर पर राजस्व एवं ग्राम पंचायत के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

अतिक्रमणकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ग्राम सिकंद्रा के वार्ड नंबर १० मुक्तिधाम मार्ग पर किनारे के अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही के बाद आक्रोशित अतिक्रमणकर्ताओं के द्वारा २० फ रवरी को एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल को ज्ञापन देकर पुर्ननिवास के लिए तत्काल व्यवस्था किये जाने मांग की गई है। ज्ञापन में अतिक्रमणकर्ताओं ने बताया कि हमारा कोई भी आवासीय मकान नही होने के कारण ग्राम पंचायत सिकन्द्रा की आबादी भूमि पर कच्चा मकान झोपड़ा बनाकर अपने परिवार सहित विगत १० वर्षों से निवास कर रहे हैं। हम भूमिहिन मजदुर व्यक्ति है मजदुरी कर अपना व अपने परिवार का बमुश्किल भरण पोषण करते चले आ रहा है। अपने निवासरत आबादी भूमि का शासन की योजना अनुसार पट्टा प्रदान किये जाने हेतु पूर्व में आवेदन भी प्रस्तुत किया गया है। किन्तु आज दिनांक तक ग्राम पंचायत सिकन्द्रा स्थित शासकीय आबादी भूमि का पट्टा आवंटित नही किया गया है। ग्राम के प्रभावशाली एवं राजनैतिक द्वेष के करण कच्चे मकान झोपडा बनाने के संबंध में शिकायत की गयी। जिसका पर न्यायायलय तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा मध्यप्रदेश भू.राजस्व संहिता १९५९ की धारा २४८ के अंतर्गत आवेदक के निवास स्थान को तोड़कर तहस नहस कर दिया है तथा परिवार का संपूर्ण ग्रहस्थी का सामान खुले आसमान के निचे पड़ा हुआ है। परिवार के निवास का उक्त तोड़े गये मकान झोपड़ा के अलावा अन्य कोई दूसरा मकान नही है। यदि परिवार के रहने के लिए वर्तमान में निवास हेतु तत्काल व्यवस्था नही की गयी तो परिवार को खुले आसमान के निचे जीवन यापन करना पडेगा। हमारा परिवार अस्त व्यस्त हो जायेगा। हमारी मांग है कि निवास हेतु तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कि जाये। इस अवसर पर अतिक्रमणकर्ता परिवार मौजूद रहे।

मकान तोड़ दिया रहने की जगह नहीं है कहां जाएं समझ नहीं आ रहा है-दीपक मेश्राम

दीपक मेश्राम ने बताया कि सिकंद्रा में रहता हूं मेरा मकान तोड़ दिया गया रहने की जगह नहीं है कहां जाएं समझ नहीं आ रहा है। कल ४.३० बजे यह कहते हुए तोड़ा गया कि अवैध कब्जा है हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास में वार्ड नंबर १० सिकंद्रा में मकान था। मुक्तिधाम और सड़क हमने छोड़ दिए थे हम करीब १० परिवार हैं वहां रहते हैं तबीयत भी हम लोगों की ठीक नहीं है। नोटिस पहले दिये पर हमने ध्यान नहीं दिया क्योंकि कुछ हुआ नहीं था। सरपंच तहसीलदार आए देखें और चलेगा हमने मकान बनाया तो उस समय हमें रोका नहीं। जब मकान बना लिया हम काम पर गए हुए थे तो अचानक बुलडोजर लाकर तोड़ना शुरू करें। हम सूचना पर पहुंचे तो कार्यवाही चल रही थी हमने आवेदन एसडीएम को दिया है तो उन्होंने आश्वासन दिया है। हम यही चाहते हैं कि अब हम कहां जाएंगे हमें जगह दिया जाए।

खुले आसमान के नीच अब बितानी पड़ेगी जिंदगी-निलेश्वरी मरठे

श्रीमती निलेश्वरी मरठे ने बताया कि मेरा पूरा घर तोड़ दिए हैं रोड़ पर सामान फेंक दिए थे रात भर खुले आसमान के नीचे हम सोये हैं। हमें कार्यवाही की जानकारी नहीं थी और घर पर भी हम नहीं थे पूरा घर तोड़ दिये। दूसरों ने बताया तो हम जाकर देखें पूरा सामान सरपंच के मजदूरों ने बाहर निकाले फेका था। पूर्व में हमें सूचना थी कल की सूचना नहीं थी हम शादी में जाने वाले थे १० वर्षों से हम वहां पर रह रहे हैं। जब बना रहे थे तभी हटा देना था तोड़ देना था सरपंच के पास भी हम गए हुए थे जगह मांगने पर दिए नहीं। हमें अपना घर बनाने जगह तो चाहिए।

मजदूरी कर घर बनाया और सरपंच ने घर तोड़ दिया गरीबों के साथ अच्छा नही किया-निलेश बौद्ध

निलेश बौद्ध ने बताया कि रात्रि में सूचना लगी कि ग्राम सरपंच के द्वारा अतिक्रमण तोड़ा गया है। जहां पर इन लोगों का परिवार गुजर बसर कर रहा था यह निंदनीय है। तोड़ना था तो पहले ही हटा देना था जब यह मकान बनाकर रह रहे थे क्योंकि यह सभी मेहनत मजदूरी करते हैं एक एक रुपए जोड़कर घर बनाए थे। अब वह भी नहीं बचा पहले हटाते तो ठीक था ६ वर्षों से अधिक का समय हो गया यह वहां पर रहते हैं। मजदूर के लिए १ रूपये भी बहुत बड़ी बात होती है और इसमें बताया जा रहा है कि यह लोग घर पर नहीं थे तब कार्यवाही की तो जब परिवार के पूरे लोग उपस्थित होते तब शासन प्रशासन ने यह कार्यवाही करना था। किन्तु इन्होंने शाम ५ बजे बुलडोजर लेकर आए और तोड़ना शुरू कर दिए यह ठीक नहीं है।

अतिक्रमण राजस्व विभाग के द्वारा हटाया गया है -कन्हैया खैरवार

सरपंच कन्हैया खैरवार ने बताया कि अतिक्रमण राजस्व विभाग के द्वारा हटाया गया है पंचायत में गांव का आवेदन था कि शमशान घाट में जो रोड़ जाती है उस पर अतिक्रमण कर लिए है तो उसे हटाया जायें। गांव के लोग वहां से शव लेकर जाते हैं अंत्येष्टि के लिए तो इसी संबंध में पंचायत से तहसीलदार और एसडीएम को आवेदन दिया गया था। तो उन्होंने उस आवेदन पर कार्यवाही कर अतिक्रमण तोड़ने का कार्य किया है वह कल हुआ है। इसमें सामान निकाल कर मकान तोड़ा गया है दो मकान थे बाकी बांस बल्ली थी वीडियो भी इसका बना हुआ है। सभी लोगों की उपस्थिति में कार्यवाही की गई है और उन्हीं लोगों के द्वारा अपने घरों का सामान मजदूरों के सहयोग से निकाला गया है कीमती सामान उन्होंने निकाला सभी आरोप निराधार हैं।

कक्षा पांचवीं और आठवीं की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ

५०९४ परीक्षार्थियों ने हल किया प्रथम भाषा का प्रश्नपत्र

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राज्य शिक्षा केंद्र मध्य प्रदेश के निर्देशानुसार कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की बोर्ड परीक्षा २० फरवरी से प्रारंभ हो गई है। इसी कड़ी में जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी अंतर्गत नगर में ७ और ग्रामीण क्षेत्र में १८ परीक्षा केन्द्र कुल २५ परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। इन केन्द्रो में कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं बोर्ड परीक्षा का आयोजन दोपहर २ से ४.३० बजे तक किया गया। जहां शांतिपूर्वक परीक्षा संपन्न की गई इस दौरान निर्धारित समय सीमा में छात्र छात्राओं के द्वारा परीक्षा केन्द्रो में उपस्थित होकर पेपर दिया गया। जिसमें प्रथम भाषा का पेपर ५१८७ परीक्षार्थियों में से ५०९४ परीक्षार्थियों के द्वारा हल किया गया इसमें ९३ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जहां पर परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण उडनदस्ता टीम के द्वारा किया गया।

यह रही उपस्थिति

जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी अंतर्गत विकासखंड के २५ शासकीय एवं अशासकीय स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया। जहां पर समस्त व्यवस्थाओं के साथ दोपहर २ बजे से ४.३० बजे तक प्रश्न पत्र हल किया गया। जिसमें कक्षा पांचवी के हिंदी माध्यम के कुल दर्ज १५४३ में से १५१४ परीक्षार्थी उपस्थित ,२९ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अंग्रेजी माध्यम के कुल दर्ज १०९० में से १०८३ परीक्षार्थी उपस्थित, ७ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कक्षा पांचवी में कुल दर्ज २६३३ परीक्षार्थियों में से २५९७ परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर पेपर हल किया तो वही ३६ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कक्षा आठवीं में हिंदी माध्यम के कुल दर्ज १८५३ परीक्षार्थियों में से १८०४ परीक्षार्थी उपस्थित, ४९ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे । अंग्रेजी माध्यम में कुल दर्ज ७०१ परीक्षार्थियों में से ६९३ परीक्षार्थी उपस्थित ,८ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कक्षा आठवीं में २५५४ कुल दर्ज परीक्षार्थियों में से २४९७ परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर पेपर हल किया ५७ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

पहले दिन नहीं बना कोई नकल प्रकरण

सरकार के द्वारा लंबे अंतराल के बाद कक्षा पांचवी आठवीं को कुछ वर्ष पहले बोर्ड की पुन: स्वीकृति दी गई है। जहां बोर्ड परीक्षा के नियम अनुसार परीक्षार्थी उपस्थित होकर अपना पेपर हल कर रहे हैं। जिसमें पहले दिन प्रथम भाषा का पेपर था जिसमें हिंदी मध्यम वालों ने हिंदी और अंग्रेजी माध्यम वालों ने अंग्रेजी विषय का पेपर हल किया। इस दौरान समस्त २५ परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण जनपद शिक्षा केंद्र स्तर के उड़न दस्ता टीम में शामिल जन शिक्षा केंद्र प्रभारी बीएसी ,सीएसी ने किया। जिसके द्वारा समस्त परीक्षा केन्द्रो का भ्रमण किया गया। जहां पर संतोष जनक व्यवस्था बनी रही इस दौरान उड़न दस्ता टीम या विद्यालय में परीक्षा ड्यूटी कर रहे स्टाफ के द्वारा प्रथम भाषा का पेपर होने से किसी प्रकार का नकल प्रकरण नहीं बनाया गया।

शांति पूर्वक परीक्षा केन्द्रो में हुई परीक्षा- सतेन्द्र शरणागत

बीआरसी सत्येंद्र शरणागत ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार कक्षा पांचवी और कक्षा आठवीं की वार्षिक परीक्षा प्रारंभ किया गया है। जिसमें प्रथम दिन विद्यार्थियों के द्वारा प्रथम भाषा का पेपर हल किया गया। इस दौरान कक्षा पांचवी और आठवीं के ५१८७ विद्यार्थियों में से ५०९४ परीक्षार्थियों के द्वारा परीक्षा में भाग लेकर पेपर हल किया गया है। यहां परीक्षा समस्त केन्द्रो में शांतिपूर्वक संपन्न की गई इस दौरान इसमें समस्त परीक्षा केन्द्रो का निरीक्षण किया जाता रहा।

एक एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं मोहगांव खूर्द के ग्रामीण

पेयजल की समस्या का समाधान नही होने पर आंदोलन की ग्रामीणों ने दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। ग्रीष्मकाल मौसम की दस्तक होते ही अनेक ग्रामों में पेयजल समस्या का विकराल रूप बनता चला जाता है। इसके निदान के लिए शासन प्रशासन की ओर से सार्थक प्रयास का सदैव अभाव देखा जाता है। प्रतिवर्ष देखने में आता है कि अनेक ग्रामों में आज भी शुद्ध पेयजल जन जन तक नहीं पहुंच पाया है, जबकि शासन ने अनेक हर घर नल हर घर जल के लिए योजनाएं लागू कर रखी है। लेकिन उन योजनाओं के क्रियान्वयन को फलीभूत नहीं होते देखना भी अब हास्यास्पद जान पड़ता है। ग्रामीण अंचलों में नल जल प्रदाय योजना के तहत लाखों करोड़ों रुपए के टंकी निर्माण होते हैं किंतु टंकी के निर्माण में ही समय अवधि पार होने के उपरांत भी पूर्णता की रफ्तार नहीं आ पाती। जिसके कारण जल की मारा.मारी ग्रीष्मकल में अधिकांश गांव में देखने सुनने मिल जाती है। ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द जहां २००० से अधिक लोग निवास करते हैं १३ वार्डों की इस ग्राम पंचायत में आज भी पेयजल व्यवस्था समुचित तौर पर मुहैया नहीं हो पाई है। जिसके कारण आम जन पेयजल के लिए जहां.तहां भटकते देखे जा सकते है,चंदन नदी के तट पर बसा मोहगांव खुर्द ग्राम पानी से प्यासा बना हुआ है। ग्रामीण झामसिंह बिसेन ने बताया कि ग्राम में नल जल योजना के अंतर्गत टंकी निर्माण की स्वीकृति मिली जिसकी लागत १ करोड़ १० लाख ७६००० बताई जाती है। इसे २०२४-२५ में पूर्ण कि जाने की अवधि समाप्त होने के बाद भी टंकी का निर्माण पूर्ण रुपेण नहीं हो पाया है। कुछ वार्डों में ग्रामीणों ने स्वयं के पैसों से पाइपलाइन पेयजल के लिए ले गए थे जिसे ग्राम पंचायत ने तोड़कर नई पाइपलाइन से वार्ड नंबर ३,४,५,६ में पानी पूर्ति पाइपलाइन के माध्यम से प्रारंभ की गई। लेकिन वार्ड नंबर १,२,७,८,९,१०,११,१२,१३ में सुलभ पेयजल की सुलभ व्यवस्था की वार्ड निवासी बाट जो रहे हैं। जिन वार्डों को पेयजल पूर्ति करने का दावा ग्राम पंचायत कर रही है उन वार्डों में भी पर्याप्त पेयजल पूर्ति नहीं होने से आए दिन शोर सराबा देखने सुनने मिल जाता है। श्री बिसेन ने बताया कि पानी टंकी का निर्माण आज भी अधूरा है इस निर्माण के पूर्णता की ओर शासकीय स्वीकृति के बावजूद प्रशासन की अनदेखी के कारण अपूर्ण होने से इस वर्ष फिर लोगों को शुद्ध पेयजल के लिए पेयजल पूर्ति नही हो पाएगी। ग्रामीण राजेश भगत ने बताया कि घर घर नल घर घर जल पहुंचाने की शासन की योजनाओं को पलीता लगाने में प्रशासन के अधिकारी कोई कसर बाकी नहीं रख रहे हैं। योजना को आने को ही दो.तीन वर्ष हो गए लेकिन पेयजल की पर्याप्त पूर्ति आज भी मोहगांव खुर्द ग्राम में अपूर्ण है। योजनाओं का किनारे लगाने में संबंधित विभाग के अधिकारियों ने कोई कसर बाकी नहीं रखी है, मिली भगत से हो रहे टंकी निर्माण में गति ना आना भी जांच का विषय है। ग्राम में समस्त वार्डों को पर्याप्त पेयजल सुलभ हो सके अन्यथा ग्रामीणों को उग्र आंदोलन करने की विवशता कभी भी आन पड़ सकती है जिसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। पेयजल व्यवस्था पूर्ण करने की मांग ग्रामीण झाम सिंह बिसेन ,दिगपाल बिसेन, देशराज राहंगडाले, रवि बिसेन, राजेश भगत, सोनू उरकुडे,प्रवीण नांनवटकर,मन्नू लाल मरठे ,कार्तिक बिसेन, सुखदेव मुड़े ,अजय पटले ,मिनेश्वर देवाहे ,जतिन बिसेन, दीपक मरठे ,महेश मरठे,अजय उरकुडे,ओम प्रकाश राऊत ने की है।

खेल में खिलाडी होना ही अपने आप में एक बडा गुण है- प्रदीप जायसवाल

न्यू शार्ट क्लब सरंडी के तत्वाधान में दो दिवसीय व्हालीवाल प्रतियोगिता सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम सरंडी के न्यू शार्ट क्लब के तत्वाधान में दो दिवसीय व्हालीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके समापन समारोह में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। खेल मैदान में विभिन्न संभागो की लगभग १२ बडी टीमो के रोंमाचकारी मैचो को देखने के लिये खेलप्रेमीयो का भीडनुमा जमघट भी देखा गया। जिससे प्रतिद्वंदी टीमो के खिलाडीयों में एक नया जोश भी पैदा हुआ। वीर शहीद शुभम राहंगडाले एवं स्व. हेमप्रसाद पटले की स्मृति में आयोजित प्रतियोगित के मेगा फाइनल में तिरगांव बैहर ने डिंडोरी की मजबूत टीम को पराजित कर विजेता का खिताब हासिल किया। विजेता टीम को १११११ रुपये व उपविजेता को ७७७७ रुपये का इनाम ट्राफी के साथ प्रदान किया गया। मैदान में टीमो के प्रदर्शन के दौरान दर्शको का सीधे जुडाव इस आशय से भी देखा गया की दर्शक खिलाडीयों को उनकी जर्सी नंबर का नाम लेकर दूर से ही मैच जीतने की टीप्स भी देते नजर आये। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल ने सालेटका,कायदी,मेहँदीवाड़ा, बालाघाट पुलिस टीम के खेल की सराहना करते हुए कहा की सरण्डी कंचनपुर की पंचायत ने खेल को आगे बढ़ाने में सदैव तत्परता दिखायी है। और यही सक्रियता ग्राम की चमक व जीवंतता का परिचय कराती है। आज इसी तरह के खेल आयोजन से ही युवा वर्ग अपना भविष्य भी संवार रहे है। जिसके कारण सेना, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रो मे सफलता हासिल कर ग्राम के युवा अपने ही ग्राम का नाम रोशन कर रहे है। श्री जायसवाल ने कहा की हार जीत के बाद भी सदैव आगे बढ़ने की ललक ही हमारे जीवन में हर क्षेत्र में सफलता का मन्त्र लेकर आती है। खिलाडी होना ही अपने आप में एक बडा गुण है। स्वंय वे खिलाडी रह चुके है जिसके कारण जीवन के प्रत्येक उतार चढाव में खेल का अनुभव काम आने के कारण उनकी सफलता में खेल का अहम योगदान रहा है। इस दौरान वेदप्रकाश पटेल,ईश्वरी गौतम, दीपचंद पटले, डोरीलाल गौतम, सुरजलाल मेश्राम,अरुण गौतम, योगेंद्र गौतम, बंटी गौतम,गोपाल सहारे,रामा सेन्द्रे,संतोष ठाकरे,मुलेन्द्र गौतम उपस्थित रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं तस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे तस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

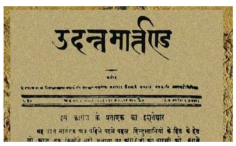

न्याय की संवेदना

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़ित के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता। मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे। मगर अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था। खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को बलात्कार का प्रयास करार दिया। अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़ित की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता ! जब भी अदालतों की ओर से ऐसे मामलों में जरूरी संवेदनशीलता के तकाजों की अनदेखी की जाती है, तब यौन अपराधों के विरुद्ध महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रयास कमजोर होते हैं। शायद इन्हीं वजहों से सुप्रीम कोर्ट ने अब यौन अपराधों और अन्य संवेदनशील मामलों के संदर्भमें न्यायाधीशों के दृष्टिकोण और न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता तथा करुणा पैदा करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को एक समिति गठित करने को कहा है। यह इसलिए भी जरूरी पहल है कि न्याय की उम्मीद तभी पूरी हो सकती है, जब न्यायाधीशों के भीतर पीड़ित की वास्तविक स्थितियों के प्रति जरूरी संवेदनशीलता, करुणा और समझ की भावना हो।

कैसा बांग्लादेश बनाना चाहते हैं रहमान

-तसलीमा नसरीन (चर्चित लेखिका)

तारिक रहमान किधर जाएंगे, यह फैसला उन्हें करना है। यह देखने वाली बात होगी कि वह पुराने ढर्रे के राजनेताओं के रास्ते पर चलेंगे या एक नया बांग्लादेश बनाएंगे। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि भारत के साथ पिछले कुछ समय से जारी तनावपूर्ण संबंधों का अंत हो और पहले जैसे रिश्ते बनें। यह बांग्लादेश के लिए बेहतर होगा।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ऐसा बांग्लादेश बनाना चाहती है, जहां मुस्लिम, हिंदू, बौद्ध, ईसाई, आस्तिक, नास्तिक या संशयवादी- सभी सुरक्षित रहेंगे। यह बात तारिक रहमान ने प्रधानमंत्री बनने से पहले कही थी। ऐसी बात आज तक बांग्लादेश के किसी मंत्री, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने नहीं कही। सत्रह साल तक एक विकसित देश में रहने के कारण ही तारिक रहमान अपने शिक्षित और सभ्य होने का ऐसा उदाहरण दे पाए हैं। अन्यथा वह ऐसी बात नहीं कह पाते।

आज तक बांग्लादेश में नास्तिकों और संशयवादियों को सुरक्षा देने का वादा किसी भी सरकार ने नहीं किया था। इसके उलट संशयवादियों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले किए गए, उन्हें सलाखों के पीछे धकेल दिया गया, यहां तक कि निर्वासन तक में भेज दिया गया। ऐसे लोगों की या तो सिर की कीमत लगाई गई या फिर ऐसे लोगों के हत्यारों के खिलाफ सरकारों ने कोई कार्रवाई नहीं की। बांग्लादेश में नास्तिकों एवं संशयवादियों के नागरिक अधिकारों का वर्षों से उल्लंघन होता आया है। सिर्फ इस्लाम ही ऐसा एक धर्म है, जिसमें नास्तिकों और संशयवादियों को परेशानी होती है। दूसरे किसी भी धर्म में ऐसे लोगों को परेशानी नहीं होती। पर इस्लाम में ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिए हत्यारे अपने छूके की धार तेज किए रखते हैं। अगर ऐसे जिहादियों से लोगों को सुरक्षा दी जाए, तो हम लोग बांग्लादेश में रह सकती हैं और वहां के लोगों को सभ्य, शिक्षित एवं वैज्ञानिक सोच का बनाने में मदद कर सकती हैं। बहुत-से लोग कह रहे हैं कि कट्टरवादियों के दबाव में तारिक रहमान शायद नास्तिकों व उदार चिंतकों को सुरक्षा न दे पाएं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि संविधान में अल्लाह पर पूरी आस्था और भरोसा रखेंगे। इसका मतलब तो यही निकलता है कि बांग्लादेश पहले की तरह गर्त में रहेगा। ऐसे में, जमात-ए-इस्लामी और बीएनपी में कोई फर्क भी नहीं रहेगा। तारिक रहमान के पिता जिया उर रहमान ने धर्मनिरपेक्ष संविधान की हत्या की थी। उम्मीद करनी चाहिए कि तारिक अपने पिता की गलती सुधारेंगे। तारिक रहमान की मां खालिदा जिया ने 31 साल पहले मुझे बांग्लादेश से बाहर किया था। उसका कारण यह था कि जिहादी मेरी हत्या करने की साजिशें बुन रहे थे। खालिदा जिया ने जिहादियों पर कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन इस निरीह लेखिका के खिलाफ उन्होंने कार्रवाई की थी। मानवता के पक्ष में लिखी मेरी चार किताबों को भी उन्होंने प्रतिबंधित कर दिया था। उम्मीद करनी चाहिए कि तारिक रहमान मेरी किताबों पर से प्रतिबंध हटाएंगे और बांग्लादेश में मेरी सुरक्षित वापसी की व्यवस्था करेंगे। अगर वह ऐसा नहीं कर पाए, तो यह माना जाएगा कि उनका वादा दिखावटी है। अगर ऐसा हुआ, तो उनमें और दूसरे सुविधावादियों में कोई फर्क नहीं रह जाएगा। ऐसे मैं, बांग्लादेश के प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष और उदारचिंतक, वैज्ञानिक सोच वाले लोगों की हताशा बढ़ेगी ही। तब मूर्ख, अशिक्षित और धर्मांध जिहादी खुश होंगे। तारिक रहमान किधर जाएंगे, यह फैसला उन्हें करना है। यह देखना है कि वह पुराने ढर्रे के राजनेताओं के रास्ते पर चलेंगे या एक नया बांग्लादेश बनाएंगे। हमारे जैसे असंख्य लोगों की उम्मीद है कि वह धर्मांधता, घृणा, हिंसा और विद्वेष से बांग्लादेश को बचाएंगे। बांग्लादेश का चुनावी नतीजा देखकर मैं खुश हूं। बीएनपी को जीत हासिल हुई है और रजाकार-जिहादी तथा आतंकी तत्वों से भरपूर जमात-ए-इस्लामी को हार का सामना करना पड़ा है। इन जिहादी तत्वों ने पिछले करीब डेढ़ साल तक बांग्लादेश में विकट तांडव फैलाया, अपने लाखों समर्थकों के साथ सभा की, इच्छानुसार संत्रास फैलाया, जिसे चाहा, उसे मारा, उन पर अत्याचार किया। इन विघटनकारी तत्वों ने हिंदुओं के घरों में आग लगाई, पीट-पीटकर उनकी हत्या की। इन लोगों ने एक भी महिला को चुनाव में उम्मीदवार नहीं बनने दिया। चरम नारी विद्वेषी इन नकारात्मक तत्वों ने कामकाजी महिलाओं को वेश्या कहा, महिला नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाई तथा औरतों को बुर्का और नकाब के अंधेरे में ले जाकर पटक दिया। स्त्रियों को जरखरीद गुलाम और यौनदासी समझने वाले जमात के लोग सत्ता में आने पर शरिया कानून लागू करने का सपना देख रहे थे। इसी कारण मतदाताओं ने उन्हें सत्ता में नहीं आने दिया। फिलहाल यही अच्छी खबर है। मेरा मानना है कि बांग्लादेश की सत्ता में आई बीएनपी को तत्काल निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, उसे जुलाई चार्टर को रद्द करना चाहिए। उसे संविधान में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों को लाना होगा और इस्लामी राष्ट्रवाद को विदा करना होगा। नई सरकार को इसी तरह मजबूत आधारित पारिवारिक कानून रद्द कर स्त्रियों के बराबरी के अधिकार की रक्षा के लिए समान अधिकार पर आधारित अभिन्न दीवानी विधि लागू करना होगा। उन्हें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानवाधिकार, अल्पसंख्यकों (हिंदू, बौद्ध, ईसाई, आदिवासी) की सुरक्षा और स्त्री सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। नई सरकार को मदरसे की शिक्षा बंद कर वैज्ञानिक सोच पर आधारित धर्मनिरपेक्ष शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना होगा। उसे देश के हर नागरिक को शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा देनी होगी। लोकतंत्र के प्रति आस्था रखते हुए नई सरकार को अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध न केवल हटाना चाहिए, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि देश से बाहर भाग गए अवामी लीग के तमाम नेता निर्वासन से लौटकर देश की राजनीति में फिर से सक्रिय हो सकें। जमात-ए-इस्लामी जैसी एक पार्टी को विरोधी पार्टी का दर्जा मिलना बांग्लादेश के लिए सुखद नहीं है।

आर्थिक उन्नति के साथ-साथ बांग्लादेश में धनी और गरीबों का फर्क मिटाना होगा। राजनीतिक दलों को परिवार व धर्म केंद्रित राजनीति से बाहर निकलना होगा। शेख हसीना के दौर में ब्लॉगर्स की लगातार हत्याओं के कारण अनेक उदारवादी चिंतकों को बांग्लादेश छोड़ना पड़ा था। ऐसे लोग वापस बांग्लादेश लौट सकें और सुरक्षित ढंग से अपना कामकाज कर सकें, इस बारे में नई सरकार को आश्वस्त करना होगा। अभिव्यक्ति और प्रेस की स्वतंत्रता पर नई सरकार को जोर देना होगा। सरकार को कोशिश करनी होगी कि अब तक जिन किताबों और फिल्मों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उन पर से प्रतिबंध हटाए जाएं। मुक्तियुद्ध से जुड़े जिन स्थापत्यों को यूनुस के दौर में नष्ट किया गया था, उनके पुनर्निर्माण की दिशा में भी कदम उठाने जरूरी हैं। इसका भी ध्यान रखना होगा कि देश में कहीं भी महिलाओं के लिए हिजाब व बुर्के की अनिवार्यता न हो। यूनुस के दौर में जिन जिहादियों को जेल से रिहा किया गया था, उन्हें फिर से जेल भेजने का काम होना चाहिए। चिन्मयकृष्ण दास को रिहा किया जाना चाहिए। साथ ही, अवामी लीग के जिन सदस्यों, समर्थकों, कलाकारों, लेखकों व पत्रकारों को गैरकानूनी तरीके से कैद किया गया है, उन्हें भी रिहा किया जाना जरूरी है।

और अंत में, भारत के साथ पिछले कुछ समय से जारी तनावपूर्ण संबंधों का अंत हो और पहले जैसे रिश्ते बनें। यह बांग्लादेश के लिए बेहतर होगा।

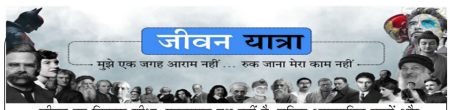

जीवन का विकास सीधा, एकसमान पथ नहीं है, बल्कि अप्रत्याशित तत्वों और रचनात्मक चुनौतियों वाला पथ है। जीवन के प्रत्येक काल का अपना उद्देश्य और कार्य होता है।

-कार्ल हिल्टी

जीवन का अर्थ खाना-पीना और मर जाना नहीं है

हर जीवन में कई चरण होते हैं, और कोई भी जीवन शुरुआत से अंत तक एकसमान सीधा नहीं चलता, जैसे कोई साफ-सुथरी नदी या कृत्रिम रूप से बनाई गई सीधी नहर। कोई दो जीवन बिल्कुल एक-दूसरे जैसे नहीं चलते, और यहां तक कि सबसे प्राकृतिक लगने वाले चरण भी कभी-कभी एक-दूसरे की उल्टी दिशा में होते हैं। इसलिए कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपनी युवावस्था में असाधारण रूप से बुद्धिमान होते हैं, और उनमें युवावस्था के गुण वृद्धावस्था में ही आते हैं। हर जीवन में ऐसी गलतियां होती हैं, जिन्हें टाला जा सकता है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है कि कोई स्वस्थ जीवन पूरी तरह से स्थिर नहीं होता, न ही कोई पूरी तरह से सामान्य होता है, बल्कि सभी के जीवन में अपरिहार्य गलतियां और छूटे हुए अवसर होते हैं, लेकिन वे किसी की गलत सोच या मूर्खता के कारण नहीं होते, बल्कि किसी बाहरी या आंतरिक वजह से होते हैं, जिसे रोका नहीं जा सकता और यही जीवन को आकार देते हैं। यह बताता है कि जीवन का विकास सीधा, एकसमान नहीं होता है, बल्कि यह अप्रत्याशित तत्वों और रचनात्मक चुनौतियों वाला पथ है। जीवन के प्रत्येक काल का अपना उद्देश्य और कार्य होता है। बसंत ऋतु में पेड़ बढ़ते और फूल खिलते हैं, इसके अलावा आप उसमें फल नहीं देख सकते और उस समय का एक अनोखा आनंद है। पौधों की प्राकृतिक वृद्धि में जानबूझकर बाधा डालकर आधुनिक बौने वृक्षों को केवल शीघ्र फल उत्पादन के लिए तैयार किया जाता है, लेकिन उन वृक्षों पर उत्पन्न होने वाले फल न तो अच्छी गुणवत्ता के होते हैं और न ही प्राकृतिक वृक्षों पर पके फलों की तरह स्वस्थ होते हैं। एक व्यक्ति, जिसने जीवन की कई परिस्थितियों का अनुभव किया है और उनसे सीखा है, उसके पास जीवन की गहरी समझ और अपनी उपलब्धियों से निर्मित एक मजबूत, अडिग व्यक्तित्व, दोनों होते हैं। इसी प्रकार वृद्धावस्था भी अपने योग्य कार्य कर सकती है, जब व्यक्ति पतन और निराशा के बजाय ज्ञान और दूरदर्शिता पर ध्यान केंद्रित करे, तभी यह संभव है। जो कोई भी जीवन के ऐसे किसी भी चरण को छोड़ देता है, और उसे जल्दी से पार कर जाता है, उसके विशिष्ट लाभों का कोई उपयोग नहीं करता, वह कभी भी बाद में उसे फिर से पाने की स्थिति में नहीं होगा, बल्कि उसके स्थान में हमेशा एक स्पष्ट कमी रहेगी। इस कमी को युवावस्था में रोकना शिक्षा का विषय है। जीवन के वास्तविक लाभ और उपलब्धियां इस आंतरिक, स्व-प्रेरित प्रयास से आती हैं, बाहरी मदद से नहीं। यह आंतरिक ज्ञान, निश्चित रूप से, उन लोगों के लिए नहीं है, जिनके लिए जीवन का अर्थ खाने-पीने और मर जाने के अलावा और कुछ नहीं है। आंतरिक जीवन के चरण उन लोगों के लिए हैं, जो जीवन के सभी चरणों में संघर्ष करते हुए एक वास्तविक आध्यात्मिक जीवन की ओर दृढ़ता से अग्रसर होते हैं।

सूत्र - पहले चलना सीखें

जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए हमें चरणबद्ध तरीके से काम करना होगा, चाहे कॅरिअर हो या व्यक्तिगत जीवन। यदि आप चाहेंगे कि छलांग लगाकर सफलता हासिल कर लें, तो जीवन भर निराशा हाथ लगेगी। जीवन के प्रत्येक काल का अपना उद्देश्य और कार्य होता है। पहले चलना सीखें, फिर आगे बढ़ें, तभी जीवन सुंदर होगा।

दूसरा पहलू

आज, लगभग हर चीज इंटरनेट से जुड़ी है। आखिर इंटरनेट हमारे जीवन का हिस्सा कैसे बना?

इंटरनेट के हमारे जीवन का हिस्सा बनने की कहानी

इंटरनेट एक ऐसी व्यवस्था है, जिससे दुनिया भर के कंप्यूटर एक-दूसरे को संदेश भेज सकते हैं। व्यावहारिक रूप से इंटरनेट से जुड़ी हर चीज में एक कंप्यूटर होता है। 1960 के दशक में, कंप्यूटर केवल खास कामों (जैसे वैज्ञानिक शोध) के लिए इस्तेमाल होते थे। उस समय, अगर दो कंप्यूटरों को डाटा शेयर करना होता, तो लोग पहले से समय तय करते और फिर टेलीफोन कॉल के जरिये एक कंप्यूटर को दूसरे से जोड़ते। अमेरिक एक ऐसा नेटवर्क चाहता था, जिससे टेलीफोन लाइन खराब होने के बावजूद कंप्यूटर अपने आप संदेश भेज सकें। 1962 में, अमेरिकी इंजीनियर पॉल बरन रैंड कॉर्प ने हॉट पोटैटो नेटवर्किंग% नामक एक नया विचार दिया। इसमें संदेश को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया जाता था। इन टुकड़ों में एक क्रम संख्या होती, ताकि दूसरा कंप्यूटर पूरा संदेश समझ सके। इस विचार को आज के अरपानेट के रूप में लागू किया गया। इन छोटे टुकड़ों को पैकेट और इस प्रणाली को पैकेट स्विच्ड नेटवर्किंग नाम मिला। इंटरनेट के जनक विन्ट सर्फ ने ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें कोई पैकेट गायब हो जाए, तो उसे प्राप्त करने वाला कंप्यूटर भेजने वाले से उसे दोबारा मांग सके। इसे ट्रांसमिशन कंट्रोल प्रोटोकॉल कहते हैं। 1990 के आसपास टिम बर्नर्स-ली ने सीईआरएन (यूरोपियन ऑर्गनाइजेशन फॉर न्यूक्लियर रिसर्च) में काम करते हुए वर्ल्ड वाइड वेब की शुरुआत की, ताकि उनके सहयोगी आसानी से अपने शोध को एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। उन्होंने एक ऐसी प्रणाली बनाई, जिसमें एक कंप्यूटर पर कई पेज हो सकते थे। इसके लिए उन्होंने यूआरएल (यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर) का विचार दिया, जो किसी भी कंप्यूटर को इंगित कर सकता था। बर्नर्स-ली ने पहला वेब ब्राउजर और वेब सर्वर बनाया। आज किसी यूआरएल में हम जो डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू देखते हैं, यह उसी वर्ल्ड वाइड वेब से आया है। उन्होंने इसे मुख्य रूप से टेक्स्ट, तस्वीरें और फाइलें साझा करने के लिए बनाया था, लेकिन इंटरनेट ने इसे वीडियो और ऑडियो के लिए भी उपयुक्त बना दिया। यूट्यूब व इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म उसी का पालन करते हैं। कंप्यूटर अब सस्ते हो गए हैं, जिसके चलते लाखों-करोड़ों डिवाइस इंटरनेट से जुड़े हैं। इनमें सेंसर शामिल हैं, जैसे सिक्योरिटी कैमरा। इसके अलावा, स्मार्ट थर्मोस्टेट है, जो आपके घर की हीटिंग या कूलिंग को चालू-बंद करता है। इन सभी स्मार्ट डिवाइस को %इंटरनेट ऑफ थिंग्स% कहा जाता है। आज, लगभग हर चीज इंटरनेट से जुड़ी है। यह एक ऐसा जाल है, जो न सिर्फ कंप्यूटरों को, बल्कि हमारी जिंदगी को भी जोड़ता है।

1960 के दशक में, यदि दो कंप्यूटरों को डाटा शेयर करना होता, तो लोग पहले से समय तय करते थे।

टिम बर्नर्स-ली ने एक ऐसी प्रणाली बनाई, जिसमें एक कंप्यूटर पर कई पेज हो सकते थे। इसके लिए उन्होंने यूआरएल (यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर) का विचार दिया, जो किसी भी कंप्यूटर को इंगित कर सक ता था।

-फेड मार्टिन

पर्यावरण

विकास व विनाश की लक्ष्मण रेखा

आर्थिक विकास का विरोध नहीं है, न ही आपत्ति। पर यदि हम अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी को साथ लेकर चलें, तो एक बेहतर, सुरक्षित और संतुलित समाज का निर्माण संभव है।

जलवायु परिवर्तन कोई कल्पना नहीं है और न इसे अब प्रमाण जुटाने की जरूरत रह गई है। जिस तरह से पिछले एक दशक में घटनाएं घटी हैं, और इस वर्ष में भी जो कुछ हमने देखा तथा झेला है, वे वे सभी स्पष्ट संकेत करती हैं कि कुछ तो बदल रहा है और वह बदलाव गहरा तथा खतरनाक है। प्रकृति के इस बदलते व्यवहार के सबसे बड़े दोषी हम स्वयं हैं। यह एक बड़ी वैश्विक घटना बन चुकी है। आज कोई भी देश यह दावा नहीं कर सकता कि वह सुरक्षित है-यहां तक कि वे देश भी नहीं, जो अपने पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रयासरत रहे हैं। भारत में ही नहीं, पूरे विश्व में वर्ष 2024 में भीषण गर्मी ने तबाही मचाई। 50 डिग्री सेल्सियस तक की जानलेवा गर्मी हमने झेली, और 2025 में वह स्थिति इतनी सामान्य हो गई कि किसी को आश्चर्य भी नहीं हुआ। इसके बाद दुनिया भर में आई बाढ़ों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया। यही नहीं, सऊदी अरब जैसे देश (जहां बर्फ की कल्पना भी नहीं की जा सकती) के कुछ क्षेत्रों में भारी हिमपात हुआ। यह किसी के लिए भी आश्चर्यजनक था, किंतु कथित रोमांटिक एन्वॉयरनमेंटलिज्म ने इसे विंटर वंडरलैंड कहकर प्रस्तुत किया। इसे कुदरत का करिश्मा कहा जा रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि यह कुदरत की मार है। इन दोनों के बीच का अंतर समझना आज अत्यंत आवश्यक है। यदि हम पिछले दस वर्षों के आंकड़े देखें, तो चाहे पर्वतीय क्षेत्र हों या मैदानी इलाके (हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड या केरल) हर जगह कुछ न कुछ ऐसा अवश्य हुआ है, जो बताता है कि मौसम अब हमारे नियंत्रण में नहीं रहा।

यह प्रकृति का अंतिम संदेश है कि अब भी समझने व संभलने का वक्त है। प्रकृति किसी देश के अच्छे या बुरे व्यवहार में भेद नहीं करती। चाहे विकसित देश हों या अविकसित, प्रकृति के साथ खिलवाड़ का परिणाम सबको झेलना पड़ेगा। अब सवाल प्रकृति सबसे बड़ी दौड़ आर्थिक विकास की होड़ है। यह सब बेहतर जीवन की कल्पना के लिए किया जा रहा है, सुख-सुविधाओं से भरे संसार के लिए। लेकिन क्या यह वास्तव में संभव है? जिस तरह से हमने प्रकृति के साथ व्यवहार किया है, ये ही सुख आगे चलकर बड़े दुख में बदलने वाले हैं और शायद हम उन्हें झेल भी न सकें। इतिहास गवाह है कि लगभग 25 करोड़ वर्ष पहले और फिर 6.5 करोड़ वर्ष पहले प्रकृति में ऐसे बड़े परिवर्तन आए, जिनसे समूचा जीवन समाप्त हो गया। मानव सभ्यता के इतिहास में भी, चाहे सिंधु घाटी सभ्यता हो, प्राचीन मिस्त्र का पुराना साम्राज्य हो या माया सभ्यता, सभी के पतन में प्रकृति की भूमिका निर्णायक रही है। पिछले 40 वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि सबसे अधिक प्राकृतिक आपदाएं अमेरिका में, फिर चीन में और तीसरे स्थान पर भारत में हुई हैं, जबकि ये तीनों देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं के लिए जाने जाते हैं। स्वयं को बचाने का है।

आज दुनिया की आर्थिक विकास का विरोध नहीं है, न ही आपत्ति। पर यदि हम अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी को साथ लेकर चलें, तो एक बेहतर, सुरक्षित व संतुलित समाज का निर्माण संभव है। अपने देश में भी कई तरह के विरोध-बहस जारी हैं। इसके बजाय, एक राष्ट्रीय बहस क्यों संभव नहीं है, जो यह तय करे कि प्रकृति व पर्यावरण की कीमत पर विकास नहीं चाहिए और अगर चाहिए, तो उसकी सीमा क्या हो। एक तरफ प्रकृति संवेदनाएं जता रही है, तो दूसरी तरफ सरकारों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में, मिलकर विकास रेखा तय कर ली जाए, जिसे सब मान्यता दें। विकास और विनाश के बीच यह लक्ष्मण रेखा ही होगी, जिसे पार करना किसी के हित में नहीं होगा।

-अनिल प्रकाश जोशी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। छुटपुट माँग के बीच शुक्रवार को खाद्य तेलों में बाजार मजबूती के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में शक्कर में टिकाव रहा। हरि इलायची बाजार सुर्ख रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में छुटपुट माँग के बीच भावों में तेजी रही। तिलहनों में टिकाव देखा गया। दलहनों में चना पूर्वस्तर पर बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार मजबूती के नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4020-4150, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, मीडियम 280-295, बेस्ट 300-310, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 760-770, गरबल 725-730, मटरदाना 790-810, खसखस अनक्लीन 1200-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 2000-2100, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरी इलायची शंकर बोल्ड 1675-1775, मीडियम 1825-1875, बेस्ट 1925-2050, एक्ट्रा बोल्ड 2250-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1575-1850, बेस्ट1900-2100, तरबूज मगज 490-550, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 860-900, कैलिफोर्निया 780-795, अखरोट 500-850, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2700-2750, (160) 3000-3100, (200) 3000-3100, (250) 3500-3600

तेल- सींगदाना 1750-1770, मुम्बई 1770, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1280-1285, सोया रिफाइंड 1348-1350, कपास्या 1300-1310, धूलिया 1310, कड़ी 1310,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1780, मुम्बई पाम 1300, मुम्बई सोया 1390,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2325, देवास-उज्जैन 2325, खंडवा-बुरहानपुर 2300, अकोला 3600 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6700, रायडा 5300-5700, सोयाबीन 5300-5350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5000-5100, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5600-5650, एवरेज 5500-5550, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, हल्की 7000-7100, तुअर महाराष्ट्र 7800-8000, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 8400-8500, शंकर 8200-8300, हल्की 8000-8100,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7500-7800, तुअर दाल सवा नं. 8400-8800, तुअर दाल फूल 10500-10800, तुअर दाल बोल्ड 11500-11700, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शुक्रवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार कमजोर रहा। दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 245000, चाँदी (99) 244500, टंच 244000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 156000,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 28 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.96 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में 27 पैसे टूटकर 90.95 प्रति डॉलर पर आ गया। मजबूत अमेरिकी मुद्रा और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने रुपये पर दबाव डाला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयरों में बिकवाली की होड़ ने भारतीय मुद्रा पर और दबाव बनाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.94 प्रति डॉलर पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 27 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.68 पर बंद हुआ था। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर गुरुवार को मुद्रा बाजार बंद रहे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार उछाल के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ये बढ़त पीएसयू बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी से आई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक उछलकर 25,571.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी के अलावा निफ्टी के सभी इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण एशियाई बाजारों से कमजोर संकेत मिले जिससे आज बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा। व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे ज्यादा निफ्टी

पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.68 फीसदी वहीं निफ्टी मेटल में 1.25 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो में 0.41 फीसदी का उछाल आया, निफ्टी एफएमसीजी में 0.56 फीसदी की तेजी, निफ्टी बैंक में 0.71 फीसदी की बढ़त देखी गयी जबकि निफ्टी आईटी में 0.98 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी जबकि 8 शेयरों में गिरावट रही। एनटीपीसी, एलएंडटी, यूएल, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और बीईएल के शेयरों में 2.7 फीसदी तक की बढ़त रही और ये सबसे अधिक नुकसान में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 82,272 अंक पर गिरावट के साथ खुला। इसी तरह निफ्टी 50 25,406 अंक पर कमजोर शुरुआत के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से निवेशक सतर्क नजर आये। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में कहा कि ईरान के पास अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए 10 से 15 दिन का समय है। इस बयान से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है।

सोना और चांदी फिर निवेशकों की नजर में

नई दिल्ली। एजेंसी। सोने की कीमत ने हाल ही में लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर बनाया था, लेकिन इसके बाद लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई। अब कीमतें 5,000 डॉलर के करीब स्थिर हैं। सिल्वर भी निवेशकों के फोकस में है और 133 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बुल मार्केट के दौरान इस तरह के तेज करेक्शन सामान्य होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सोना इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है। सिल्वर की मांग सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल मेटल भी है। सप्लाई लंबे समय से डिमांड से कम बनी हुई है, जिससे कीमतों में तेज उछाल संभव है। वैश्विक कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 350 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। केंद्रीय बैंक भविष्य में ब्याज दरों में कटौती और क्वांटिटेटिव ईजिंग कर सकते हैं। इससे डॉलर पर दबाव बढ़ेगा और करेंसी सप्लाई बढ़ेगी, जो सोने के लिए सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, माइनिंग कंपनियों के शेयर अभी तक उच्च धातु कीमतों को पूरी तरह वैल्यूएशन में शामिल नहीं कर पाए हैं। यदि कीमतों में तेजी बनी रहती है, तो माइनिंग स्टॉक्स में तेज रैली देखने को मिल सकती है।

एआई समाधान अपनाने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करें- अधिकारी

नई दिल्ली। एजेंसी। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन प्रभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी संस्थानों को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधानों के प्रति अत्यधिक उत्साहित नहीं होना चाहिए जब तक उनका पूर्ण परीक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित न हो। उन्होंने कनाडा के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि समान 'प्रॉम्प्ट' दिए जाने पर भी एआई विभिन्न तरीकों से डेटा का विश्लेषण कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि सरकारी विभागों को अपने आंकड़ों को मशीन-रीडेबल प्रारूप में तैयार करना चाहिए। इसके लिए डेटा में कॉन्टेक्स्ट फाइल, सिमैंटिक्स और मेटाडेटा होना जरूरी है। कॉन्टेक्स्ट फाइल जानकारी को सही संदर्भ में समझने में मदद करती है, सिमैंटिक्स डेटा के अर्थ और संदर्भ को स्पष्ट करता है, और मेटाडेटा अतिरिक्त जानकारी जैसे स्रोत, तारीख और संरचना प्रदान करता है। अधिकारी ने सुझाव दिया कि मंत्रालयों और सरकारी विभागों के पास डेटा का कैटलॉग होना चाहिए। सभी फाइलें केवल पीडीएफ में नहीं बल्कि मशीन-रीडेबल फॉर्मेट में होनी चाहिए ताकि एआई उनका सही उपयोग कर सके। गूगल के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी वैश्विक डेटा सेट को साझा 'नॉलेज ग्राफ' में लाकर डेटा सर्च इंजन बनाने का प्रयास करती है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसके बजाय, डेटा को प्रत्येक संगठन के पास सुरक्षित और स्थानीय स्तर पर संचालित किया जाना चाहिए।

मेष- आज आपको अपने स्वभाव पर थोड़ा संयम रखने की जरूरत है, खासकर गुस्से पर नियंत्रण बेहद जरूरी रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने से रिश्तों में अनावश्यक दूरी आ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने बॉस से प्रशंसा मिलेगी, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी के योग हैं, लेकिन आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

वृषभ- आज आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है, खासकर यदि आप राजनीति या सार्वजनिक कार्यों से जुड़े हैं। बिना वजह थकान महसूस हो सकती है, लेकिन फिर भी आप अपने काम समय पर पूरा कर लेंगे। सेहत को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर रहेगा, क्योंकि छोटी समस्या बढ़ सकती है। निवेश से जुड़े मामलों में दूसरों की बातों में आकर निर्णय लेने से बचें।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और कहीं अटका हुआ धन वापस मिल सकता है। पैतृक संपत्ति से जुड़ा मामला भी आपके पक्ष में सुलझ सकता है, जिससे मन हल्का होगा। आप किसी परिजन की आर्थिक मदद भी कर सकते हैं। माता-पिता का आशीर्वाद आपके रुके हुए काम पूरे करवाएगा। अगर कहीं घूमने जाएं तो अपने कीमती सामान की सुरक्षा जरूर रखें।

कर्क- आज का दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा, जिससे आपके काम तेजी से पूरे होंगे। धन से जुड़े मामलों में सावधानी रखें और बिना सोचे कोई बड़ा कदम न उठाएं। परिवार के साथ बिताया गया समय रिश्तों में गर्माहट लाएगा, हालांकि किसी बात को लेकर पिताजी थोड़े नाराज़ हो सकते हैं — धैर्य से बात करें। बिजनेस में बदलाव की सोच रहे हैं तो अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना लाभकारी रहेगा।

सिंह- आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन समय का सही उपयोग करना आपके लिए जरूरी है। खाली बैठने से बेहतर है कि आप अपने रुके हुए काम निपटाएं। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर या स्कॉलरशिप मिल सकती है। जीवनसाथी के लिए कोई छोटा सा सरप्राइज आपके रिश्ते में मिठास बढ़ाएगा। रुका हुआ धन वापस पाने के प्रयास सफल हो सकते हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। घर में मेहमान आने से माहौल खुशनुमा रहेगा और आप खुद को काफी सकारात्मक महसूस करेंगे। व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद आपका आत्मविश्वास बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलने से कई काम आसानी से पूरे होंगे। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा दूर होने से खुशी का माहौल बनेगा।

तुला- आज का दिन थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है, खासकर काम का दबाव आपको मानसिक रूप से थका सकता है। आप अपने स्वभाव में बदलाव लाने की कोशिश करेंगे, जो आगे चलकर आपके लिए अच्छा रहेगा। अच्छे भोजन और छोटी-छोटी खुशियों में आपको सुकून मिलेगा। संतान के व्यवहार को लेकर चिंता हो सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें। गोपनीय बातें किसी से साझा करने से बचें।

वृश्चिक- आज का दिन संतुलित रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं और आप किसी यात्रा की योजना भी बना सकते हैं। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति मिलेगी। परिवार के किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। धन और समय का सही उपयोग करें, क्योंकि लापरवाही भविष्य में परेशानी दे सकती है। प्रॉपर्टी से जुड़ा फैसला जल्दी लेना पड़ सकता है।

धनु- वैवाहिक जीवन के लिए आज का दिन खास रहेगा। जीवनसाथी की तरक्की आपको गर्व और खुशी दोनों देगी। आपके निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और पिताजी आपके कामों से संतुष्ट नजर आएंगे। नई उपलब्धि या सफलता आपका उत्साह बढ़ाएगी। विद्यार्थियों का किसी नए कोर्स में रुचि बढ़ सकती है। ध्यान रखें, सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा न करें।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा और पारिवारिक एकता महसूस होगी। आर्थिक मामलों में थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है। आलस्य से बचें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान दें। नौकरी में बदलाव की योजना बन सकती है, हालांकि आपके किसी निर्णय से परिवार नाराज़ हो सकता है। राजनीति या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वालों को नई दिशा मिलेगी।

कुंभ- आज आय के नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। दोस्तों का साथ आपको प्रेरित करेगा। आपकी वाणी का प्रभाव लोगों पर सकारात्मक पड़ेगा। नया काम शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएं। पढ़ाई को लेकर परेशान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन से राहत मिलेगी। संतान से दिल की बात करने का मौका मिलेगा, जिससे रिश्ते और मजबूत होंगे।

मीन- आज सेहत थोड़ी कमजोर रह सकती है, इसलिए लापरवाही बिल्कुल न करें। कोई जरूरी काम पूरा होते-होते रुक सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा, लेकिन धैर्य रखें, समाधान जल्द मिलेगा। खोई हुई कोई प्रिय वस्तु वापस मिल सकती है।

शब्दजाल - 8177

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वान' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	ट
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	सा	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

कोचवान, भगवान, मूल्यवान, पकवान, यशवान, ज्ञानवान, भाग्यवान, दयावान, सागवान, पहलवान

शब्दजाल - 8176 का हल

अ	का	र्या	ल	य	द	मं	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	त्रा	द	इ	ता	ली
गि	सू	शे	ल	बा	छ	ल	ता	रा	क	क
री	ज	च	दो	दे	ज	य	ह	न	त	चि
मे	खु	दो	ना	वा	लं	का	म	ग	व	कि
घा	द	ल	प	ल	ख	पू	ना	हि	र	त्सा
ल	लो	म	ड़ी	य	य	र	शौ	र	र	ल
य	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	चा	लो	श	य
ने	बा	म	ब्न	ब्रा	न्या	या	ल	य	प	क
तें	भो	ज	ना	ल	य	र्त	य	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	वि	द्या	ल	य	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7121

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरुख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7120

बं	ध	न	■	क्ष	त्रि	य	■	ज	ख्मी
दि	■	सी	मा	■	दे	श	प्रे	मी	■
श	बा	ब	■	दे	व	■	म	न	■
■	बु	■	जो	श	■	बा	गी	■	खु
दौ	ल	त	■	द्रो	ही	■	त	ला	शी
ड़	■	ला	■	ही	■	पा	■	ट	■
■	रो	श	नी	■	आ	प	के	सा	थ
जं	ग	■	य	की	न	■	■	ब	■
ग	■	■	त	■	बा	द	ल	■	जी
ल	की	र	■	डॉ	न	■	की	म	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.39 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	09.09 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	10.49 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	15.01 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	17.17 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.40 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.54 ब.से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		धनु	02.10 बजे से
		मकर	04.15 बजे से
		कुंभ	06.02 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 52 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 13.01 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 19.07 बजे को समाप्त।
योग शुभ 15.51 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 13.01 बजे तदनन्तर बव 00.07 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 3.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 38'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872627
जूलियन दिन 2461092.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 03
विशेष विनायक चतुर्थि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: योग्य मार्गदर्शक

महात्मा गांधी साइंस लेबोरेट्री, अहमदाबाद में कुछ छात्र प्रयोग कर रहे थे। इस दौरान दो विद्यार्थियों से भारी गलती हो गई। उन्हें लगा कि अब उन्हें कड़ी सजा मिलेगी। प्रयोगशाला उन दिनों प्रख्यात वैज्ञानिक विक्रम साराभाई ने कुछ ही दिनों पहले शुरू की थी। दोनों छात्र डरते-डरते उनके पास पहुंचे। साराभाई उनको घबराया देखकर बोले, 'क्या बात है? आप दोनों इतना घबरा क्यों रहे हो ?' इस पर एक छात्र डरते-डरते बोला, 'सर ? इलेक्ट्रिक मीटर बिगड़ गया है। इसलिए उसमें से बहुत ज्यादा करंट पास हो गया है।' यह सुनकर साराभाई सन्न रह गए। फिर उन्होंने स्वयं को संभाला और बोले, 'अरे! बस इतनी सी बात के लिए तुम दोनों इतना परेशान हो। कोई बात नहीं। विद्यार्थी जब अध्ययन और प्रयोग करते हैं तो ऐसी घटनाएं हो ही जाती हैं। यदि विद्यार्थी गलतियां नहीं करेंगे तो सीखेंगे कैसे? हां, भविष्य में प्रयोग करते समय अवश्य सावधानी बरतना जिससे ऐसे नुकसान से बचा जा सके।' विद्यार्थी विक्रम साराभाई की बातें सुनकर उनके प्रति श्रद्धा से अभिभूत हो उठे। दरअसल जो गलती इन दोनों छात्रों से हुई थी उसके कारण एक बहुत महंगा व महत्वपूर्ण यंत्र पूरी तरह जल गया था। वह यंत्र उन दिनों बाजार में भी मौजूद नहीं था। यहां तक कि उस यंत्र के जल जाने के कारण अनेक महत्वपूर्ण प्रयोग रुक गए थे। लेकिन साराभाई इस नुकसान पर न ही झल्लाए, न ही उन्होंने तनिक भी गुस्सा प्रकट किया बल्कि दोनों विद्यार्थियों के भय को शांत कर उन्हें सामान्य किया। बाद में जिसने भी यह प्रसंग सुना, उसने साराभाई की प्रशंसा की।

सूडोकु नवताल- 7430

★★★✯☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7429 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8645

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8644 का हल

■	स	ला	म	त	■	ल	ल	क
दा	दा	■	न	म	न	■	■	ल
म	चा	न	■	स	र	फ	रो	श
■	र	का	बी	■	क	■	■	या
आ	■	रा	ज	■	म	न	■	त्रा
ल	■	■	डा	■	य	म	ज	■
म	नो	मि	ल	न	■	न	ल	का
गी	■	■	ना	र	द	■	च	र
र	वा	ना	■	क	र	ता	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

निस्तारी रास्ते के विवाद में सिविल न्यायालय लांजी की सख्त कार्रवाई

कोर्ट ने दोषियों की संपत्ति कुर्क, 1 माह कारावास की सजा सुनाई

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी तहसील अंतर्गत बागड़ीटोला (कुल्पा) में दो परिवारों के बीच निस्तारी रास्ते को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद में न्यायालय ने सख्त कार्रवाई की है। व्यवहार न्यायाधीश (कनिष्ठ खंड), लांजी के पीठासीन अधिकारी प्रीतम शाह ने प्रकरण क्रमांक MCJ-1/2024 (CNR No. MP5008-000001-2024) में दिनांक 19 जनवरी 2026 को महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। विवाद के मुख्य पक्षकार में आवेदक- राजेन्द्र दोनोड़े (32), रविन्द्र दोनोड़े (35), सुरेन्द्र दोनोड़े (45), भागवत दोनोड़े (38) — सभी पिता पांडुरंग दोनोड़े, निवासी बागड़ीटोला (कुल्पा)। वहीं अनावेदक- राधेश्याम (38), राजेश (48), अशोक (35), संतोष (45) — सभी निवासी बागड़ीटोला (कुल्पा) शामिल थे।

यह था मामला

आवेदक परिवार के पास तहसीलदार लांजी द्वारा वर्ष 2021 में जारी भू-खंड धारक प्रमाण पत्र (900 वर्ग फुट) पर बने मकान के सामने से उत्तर दिशा में 20 फीट चौड़ा पक्का पंचायत सी.सी. रोड है, जो उनका मुख्य निस्तारी मार्ग है। यह रास्ता पश्चिम से पूर्व की ओर गांव की मुख्य पंचायत सड़क पर जाता है।

आवेदकों का आरोप है कि अनावेदक परिवार ने इस रास्ते पर कूड़ा-कचरा, गोबर, खाद, लकड़ी, मुरम डालकर अवैध कब्जा कर लिया, जिससे बैलगाड़ी और दैनिक आवागमन में गंभीर बाधा उत्पन्न हो गई। अनावेदकों द्वारा धमकियां भी दी जा रही थीं कि इस रास्ते से आने-जाने का कोई अधिकार नहीं।

पिछला आदेश और उल्लंघन

संबंधित मुख्य वाद (आर.सी.एस.-ए/20/2023) में ही 4 अक्टूबर 2023 को आदेश 39 नियम 1 व 2 सीपीसी के तहत अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की गई थी, जिसमें अनावेदकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि-रास्ते से सभी अवरोध (खाद, कूड़ा, लकड़ी, मुरम आदि) हटाएं। आवेदकों को आने-जाने से रोका न जाए। यह आदेश वाद के अंतिम फैसले या आगे के आदेश तक प्रभावी रहेगा। आवेदकों ने साक्ष्य (साक्षी बयान, पुलिस/कलेक्टर को शिकायतें) प्रस्तुत कर साबित किया कि अनावेदकों ने इस आदेश की जानबूझकर अवज्ञा की और अवरोध जारी रखा। अनावेदकों ने अपील में कोई स्टे ऑर्डर नहीं दिखाया।

न्यायालय का फैसला

न्यायालय ने आवेदकों के पक्ष में पाया कि अनावेदकों ने आदेश 39 नियम 2-क सीपीसी के तहत अंतरिम निषेधाज्ञा का उल्लंघन किया है। परिणामस्वरूप अनावेदक दोषी घोषित।

उनकी चल-अचल संपत्ति की कुर्की (फेहरिस्त प्रस्तुत होने पर), जो 1 वर्ष तक जारी रहेगी। यदि अवज्ञा बनी रही तो संपत्ति बेचकर आवेदकों को प्रतिकर दिया जाएगा।

प्रत्येक दोषी अनावेदक को 1 माह का सिविल कारावास की सजा।

कारावास खर्च आवेदकों द्वारा जमा करने पर अमल।

दोषी पक्ष आवेदकों के आवेदन व्यय वहन करेंगे।

यह आदेश ग्रामीण क्षेत्रों में रास्ता विवादों और न्यायालयीन आदेशों की अवज्ञा पर सख्त रुख का उदाहरण है, जहां प्रभावी निषेधाज्ञा का उल्लंघन होने पर संपत्ति कुर्की और कारावास दोनों का प्रावधान लागू किया गया।

व्यावसायिक शिक्षा के तहत छात्रों को तकनीकी क्षेत्र में कुशल बनाने दिया जा प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी (लांजी) में व्यावसायिक शिक्षा के तहत छात्रों को तकनीकी क्षेत्र में कुशल बनाने के लिए नियमित रूप से विभिन्न प्रायोगिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। विद्यालय में सोलर पैनल की जाँच, वायरिंग अभ्यास, फैन स्थापना एवं मरम्मत, विद्युतीय उपकरणों की जांच तथा समूह चर्चा और प्रदर्शन जैसी गतिविधियाँ निरंतर चलाई जा रही हैं। इन गतिविधियों का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। विद्यालय के प्रशिक्षक रेवा माने के मार्गदर्शन में छात्र सोलर पैनल की संरचना, उसकी कार्यप्रणाली तथा जांच प्रक्रिया को विस्तार से समझ रहे हैं। छात्र स्वयं सोलर पैनल को जोड़कर उसके वोल्टेज एवं आउटपुट की जांच करना सीख रहे हैं। इससे उन्हें नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है। वायरिंग अभ्यास के दौरान छात्रों को घरेलू एवं औद्योगिक वायरिंग की जानकारी दी जा रही है। वे स्विच, बोर्ड, मीटर तथा अन्य उपकरणों को सुरक्षित ढंग से जोड़ना सीख रहे हैं। फैन स्थापना और मरम्मत की गतिविधि में छात्र पंखे को सही तरीके से लगाना, उसकी खराबी पहचानना तथा ठीक करना सीख रहे हैं। इससे उनकी तकनीकी समझ और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हो रही है। विद्युतीय उपकरणों की जांच के अंतर्गत छात्र विभिन्न उपकरणों की कार्यक्षमता का परीक्षण करते हैं तथा उनमें उत्पन्न समस्याओं को पहचानने का अभ्यास करते हैं। साथ ही, समूह चर्चा और प्रदर्शन के माध्यम से छात्र आपस में विचार-विमर्श करते हैं, अपने अनुभव साझा करते हैं तथा एक-दूसरे से सीखते हैं। विद्यालय के प्राचार्य जैनेंद्र कुमार बेदरे के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा मिले। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है ताकि छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। इस प्रकार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टेमनी (लांजी) में संचालित ये सभी गतिविधियाँ छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं तथा उन्हें तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बना रही हैं। यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कदम है।

अंग्रेजी प्रश्न पत्र के साथ पांचवीं व आठवीं की परीक्षा हुई प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार 20 फरवरी से कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षाऐं प्रारंभ हो चुकी है। जिसके तहत हिन्दी मिडीयम के छात्र छात्राओं ने भाषा

हिन्दी का प्रश्न पत्र हल किया तथा इंग्लिश मिडीयम के छात्र छात्राओं ने इंग्लिश का पर्चा हल किया। विकासखण्ड स्रोत समन्वयक के द्वारा जानकारी में बताया गया कि कक्षा 5वीं में दर्ज संख्या 3180 जिसमें उपस्थिती 3142, अनुपस्थिति 38 इसी प्रकार कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या 3071, उपस्थिति 2974, अनुपस्थिति 97 इस प्रकार कुल 6116 कक्षा 5वीं एवं कक्षा 8वीं के छात्र छात्राओं ने संबधित केन्द्रो में बोर्ड परीक्षाऐं दी गई। वहीं परीक्षा को लेकर पूर्व से ही सभी तैयारिया पूर्ण कर ली गई थी। सभी केन्द्रो में केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किये जा चुके है। विद्यार्थीयो को परीक्षा देने मे किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पडे इसका ख्याल रखा गया है। विद्यार्थी शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षाऐं दे इस संबध में भी व्यवस्थाऐ की जा चुकी है। राज्य शिक्षा केन्द्र के द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है सभी केन्द्रो में पूर्ण शांति एवं निष्पक्ष रूप परीक्षाऐं संपादित किये जाने हेतु व्यवस्थाऐं की गई है।

बजरंग दल व पुलिस प्रशासन की सतर्कता

4 नग गौवंशों को कत्लखाने ले जाने से बचाया

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार गौवंश तस्करी के मामले उजागर हो रहे है। क्षेत्र से बडी संख्या में गौ वंशो को कत्लखाने ले जाये जाने की खबरे सामने आती रही है वहीं बजरंग दल एवं पुलिस प्रशासन की सतर्कता के चलते अनेको बार इन गौवंश तस्करो पर कार्यवाही भी की गई है बावजूद इसके गौवंश तस्कर बाज नही आ रहे है। गौवंश तस्करी का एक और मामला 20 फरवरी को उजागर हुआ है, जहां बजरंग दल की सतर्कता के चलते 4 नग गौवंशों को कत्लखाने ले जाने से बचाया गया है। घटना के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार लांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत देवरबेली पुलिस चौकी के ग्राम लोढ़ामा से नेवरवाही मार्ग में गौ-तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। बजरंग दल-प्रखंड संयोजक राजू रामटेकर एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका से गौ-तस्करी करते हुए एक पिकअप वाहन को पकड़ गया, जहां पिकअप वाहन में चार नग बैल ले जाये जा रहे थे,ख्वाहन क्रमांक एमएच-49 डी 2180 बताया जा रहा है। पिकअप वाहन के चालक के द्वारा अपने विषय एवं वाहन तथा गौवंश किस के लिये कहा ले जाया जा रहा था यह भी जानकारी प्रदान की गई है जिसके आधार पर लांजी पुलिस थाना में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जायेगा।

संदिग्ध गतिविधि से खुला मामला

बजरंग दल-प्रखंड संयोजक राजू रामटेकर के अनुसार, लांजी क्षेत्र के लोढ़ामा देवरबेली मार्ग में लगभग 1 बजकर 10 मिनट पर एक पिकअप वाहन को संदिग्ध अवस्था में जाते देखा गया। वाहन में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ले जाया जा रहा था। इस पर गौ-तस्करी की आशंका हुई। जिस पर बजरंग दल के प्रखंड संयोजक राजू रामटेकर ने पिकअप वाहन को देवरबेली पुलिस चौकी के पास खड़ा करवाया गया तथा वाहन की जानकारी देवरबेली पुलिस को दी गई जिसके उपरांत पुलिस के द्वारा वाहन को अभिरक्षा में लिया गया है गौवंश को कारंजा गौशाला भेजा गया तथा साक्ष्य एवं तथ्यो के आधार पर आरोपियों के विरूद्ध गौवंश तस्करी को लेकर कायमी की जा रही है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। विश्व सामाजिक न्याय दिवस'' के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश राज्य

विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री प्राणेष कुमार प्राण के मार्गदर्शन एवं गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर न्यायाधीष श्री प्राण ने कहा कि विश्वभर के समाजों में व्याप्त असमानताओं और अन्याय के कारण सामाजिक न्याय की आवश्यकता उत्पन्न होती है। न्याय की अवधारणा मानव सभ्यता में गहराई से समाई हुई है, किंतु वास्तविकता यह है कि समाज के सभी वर्गों को अधिकारों, संसाधनों और अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि यह असंतुलन अनेक चुनौतियां उत्पन्न करता है, जिससे व्यक्तियों और समुदायों की गरिमा प्रभावित होती है। अतः एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज की स्थापना के लिए सामाजिक न्याय अनिवार्य है। श्री प्राण ने उपस्थित जनों को मौलिक अधिकारों एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए हाशिए पर पड़े लोगों की आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा प्रकाशित कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 संबंधी हैंडबुक का विमोचन किया गया। साथ ही राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए तथा दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर प्रदान की गई। इस अवसर पर लाभार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दीपनारायण सिंह, मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी मनीष कुमार सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती तारा मार्को, श्रीमती शिखा शर्मा एवं शुभम जैन उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बैहर आदर्श कांत शुक्ला, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी, जिला पुनर्वास केन्द्र से राकेश चौरे, अन्य विभागों के अधिकारीगण, अधिवक्तागण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं एवं हितग्राही बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

तीन दिनों से प्यासा बैहर नगर- पेयजल संकट ने बढ़ाई चिंता

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर परिषद बैहर की लापरवाह प्रशासनिक व्यवस्था के चलते नगर पिछले तीन दिनों से पेयजल संकट से जूझ रहा है। स्थिति यह है कि नलों से पानी की एक बूंद भी नहीं टपकी, जबकि अभी भीषण गर्मी का दौर शुरू भी नहीं हुआ है। ऐसे में आने वाले दिनों को लेकर नागरिकों में भारी चिंता व्याप्त है।

नल सूखे, दिनचर्या ठप

नगर के अधिकांश परिवार पूरी तरह नगर परिषद की जलापूर्ति व्यवस्था पर निर्भर हैं। पिछले तीन दिनों से जल आपूर्ति ठप होने के कारण लोगों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो गई है। पीने का पानी, स्नान, साफ-सफाई, भोजन के बाद आवश्यक उपयोग, सब कुछ बाधित हो गया है।जिन घरों में निजी कुएं या अन्य जल स्रोत हैं। वे किसी तरह स्थिति संभाल रहे हैं। लेकिन जो परिवार केवल नल कनेक्शन पर निर्भर हैं। उनके सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पानी की कमी के चलते कई लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की खबरें सामने आ रही हैं।

तीनों पंप जले, मरम्मत में लापरवाही

सूत्रों के अनुसार नगर परिषद के पास तीन जल पंप हैं और दुर्भाग्यवश तीनों ही खराब या जल चुके हैं। समय रहते उनकी मरम्मत न कराना परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। इतने बड़े कर्मचारी अमले के बावजूद मूलभूत सुविधा सुनिश्चित न कर पाना प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है।

गर्मी से पहले ही हाल बेहाल

जब अभी गर्मी अपने चरम पर नहीं पहुंची है और यह हाल है।तो आने वाले महीनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए। तो हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं।

नागरिकों की मांग

नगरवासियों ने उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि जलापूर्ति व्यवस्था को शीघ्र दुरुस्त कर राहत पहुंचाई जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए स्थायी समाधान किया जाए।

कक्षा 12वीं व्यावसायिक परीक्षा का प्रश्नपत्र शांतिपूर्ण संपन्न

डीईओ ने 4 केंद्रों का किया निरीक्षण

जिले में नकल का कोई प्रकरण दर्ज नही हुआ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा जिले में व्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही है। कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में उडनदस्ता दल द्वारा परीक्षा केंद्रो का सतत आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है। परीक्षा के दौरान कोई भी परीक्षार्थी नकल न कर सके इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशो का जिले में कडाई से पालन किया जा रहा है।

20 फरवरी को कक्षा 12वीं व्यावसायिक (Vocational) विषय की परीक्षा 81 परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 4546 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4525 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 21 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्वनी उपाध्याय के नेतृत्व में निरीक्षण दल द्वारा सतत मॉनिटरिंग की गई। निरीक्षण के दौरान शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय कारंजा, भानेगांव, कुम्हारीकला एवं मोहझरी परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। सभी केंद्रों पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया गया तथा परीक्षाएं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं। जिला शिक्षा अधिकारी ने केंद्राध्यक्षों एवं परीक्षा स्टाफ को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित परीक्षा संचालन हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए।

भागीरथपुरा दूषित जल कांड पर हंगामा, सदन में चर्चा नहीं होने पर कांग्रेस का वॉकआउट, स्पीकर बोले

भागीरथपुरा मामले पर विधानसभा में नहीं होगी चर्चा

भोपाल। बजट सत्र के पांचवें दिन शुक्रवार को विधानसभा में इंदौर में दूषित पानी से मौतों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि घटना के बाद सरकार ने तुरंत कार्रवाई की। पीड़ितों के इलाज, पानी की जांच और नई पाइपलाइन का काम शुरू किया गया। जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई भी की गई है। उन्होंने कहा कि यह 90 साल पुरानी बस्ती है। यहां अशिक्षित लोग रहते हैं, जहां काम करना नगर निगम कर्मचारियों के लिए मुश्किल होता है। इसी कारण कर्मचारी ठीक तरीके से काम नहीं कर पा रहे थे। महापौर ने टेंडर जारी किए थे, लेकिन काम समय पर शुरू नहीं हो पाया। इस पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि लोगों को साफ पानी देना सरकार की जिम्मेदारी है। काला पानी की सजा तो सुनी है, लेकिन यहां तो लोगों को काला पानी पिलाया जा रहा है। इस पर सरकार जवाब नहीं दे रही है। विपक्ष ने इस मामले पर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराने की मांग की तो स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा- विधानसभा की नियमावली के नियम 55 के उपखंड 5 के अनुसार स्थगन प्रस्ताव में उस विषय पर चर्चा नहीं होगी, जिस पर सदन में पहले ही चर्चा हो चुकी है।

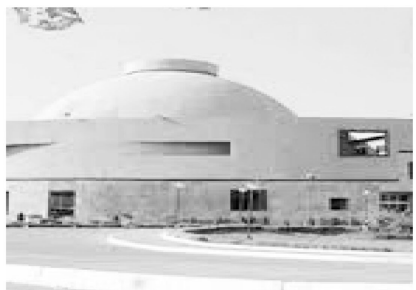

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि यह घटना बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि नागरिकों ने पहले शिकायत की थी और पार्षद भी मौके पर पहुंचे थे। टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी की गई। मंत्री ने कहा कि यह घटना इंदौर के लिए कलंक है। कर्मचारियों और अधिकारियों ने मिलकर काम किया, लेकिन 22 लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या जांच का विषय है। इस घटना का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार और प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट रहे हैं। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा कि सत्ता पक्ष स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा से बचना चाहता है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके सवालों का जवाब सदन में दिया जाना चाहिए। यह केवल हादसा नहीं, बल्कि जनता के भरोसे की मौत है। उन्होंने कहा कि 10 साल की मन्नत के बाद जन्मी बच्ची की भी इस घटना में मौत हो गई। उमंग सिंगार ने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों को बचाया गया, जबकि दलित और आदिवासी अधिकारियों को हटाया गया। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री गलती स्वीकार कर रहे हैं तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि इंदौर में पानी की स्थिति बेहद खराब है। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट आने के बाद भी कड़ी कार्रवाई नहीं की गई।

कांग्रेस विधायकों ने उठाए सवाल

कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि इंदौर को आठ बार देश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया, जो गर्व की बात है, लेकिन भागीरथपुरा की घटना ने शहर का नाम खराब कर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पुरस्कार लेने मंत्री और महापौर आगे रहते हैं तो हादसे के बाद जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते। उन्होंने यह भी कहा कि मृतकों की संख्या को लेकर अलग-अलग आंकड़े दिए गए, जिससे भ्रम की स्थिति बनी। कांग्रेस विधायक लखन गंगोरिया ने कहा कि यह केवल इंदौर का मामला नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का मुद्दा है। उन्होंने सरकार पर गोलमोल जवाब देकर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। सचिन यादव ने कहा कि अक्सर छोटे अधिकारियों पर कार्रवाई होती है, लेकिन बड़े अधिकारियों को बचा लिया जाता है। उन्होंने महापौर के बयान पर भी सवाल उठाया और कहा कि यदि अधिकारी फोन नहीं उठाते तो यह गंभीर प्रशासनिक विफलता है। उन्होंने स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा को जरूरी बताया।

घटिया बिजली लाइन और दुर्घटनाओं का मुद्दा विधानसभा में उठा, मंत्री बोले जांच कराएंगे

भोपाल। विधायक भैरू सिंह बापू ने विधानसभा में सुसनेर क्षेत्र में बिजली लाइन और केबल की गुणवत्ता पर विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ठेकेदार द्वारा मानकों के अनुसार काम नहीं किया गया है। कई जगह खंभों में सीमेंट का उपयोग नहीं हुआ और छोटे खंभे लगाकर अस्थायी तरीके से काम किया गया है। उन्होंने बताया कि कमजोर लाइन और खुले तारों के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जवाब में कहा कि बड़ा गांव में पहले लगभग 500 उपभोक्ता थे, जो अब बढ़कर करीब 1000 हो गए हैं। वर्ष 2013-14 में डाली गई केबल वर्तमान में बढ़े हुए लोड के कारण प्रभावित हो रही है। मंत्री ने कहा कि विधायक द्वारा चिन्हित किए गए स्थानों की जानकारी मिलने पर वहां केबल और तारों को ऊंचा करने और सुधार कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता संबंधी शिकायतों की जांच के लिए अधिकारियों की टीम बनाकर मौके पर निरीक्षण कराया जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने आमला क्षेत्र में हाल ही में जनहानि की घटना हुई है और कई स्थानों पर जानवरों को करंट लगने की घटनाएं सामने आई हैं। विधायक ने कहा कि कई गांवों में बिजली की लाइनें घरों के बेहद पास से गुजर रही हैं, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है। विधायक ने बड़ा गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां घटिया गुणवत्ता की केबल डाली गई है, जो थोड़े समय में ही खराब हो गई। उन्होंने कहा कि लोगों ने सीएम हेल्पलाइन और विभाग में शिकायत की, लेकिन शिकायतों का प्रभावी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर ग्रामीण स्वयं तार खरीदकर डीपी से कनेक्शन लेने को मजबूर हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका की खारिज

बाबर के नाम पर मस्जिद पर बैन की मांग ठुकराई

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें 'बाबर' या 'बाबरी मस्जिद' के नाम पर मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने की मांग की गई थी। इस याचिका में कहा गया था कि देशभर में किसी भी मस्जिद का निर्माण या नाम 'बाबर' 'बाबरी मस्जिद' के नाम पर नहीं होना चाहिए। याचिका में तर्क दिया गया था कि मुगल शासक बाबर 'हिंदू विरोधी आक्रमणकारी' था। इसलिए उसके नाम पर किसी भी धार्मिक ढांचे की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ता देवकीनंदन पांडे की कुछ दलीलें सुनने के बाद ही पीठ ने इस मामले को खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि मुशिर्दाबाद में 'बाबरी मस्जिद' नाम से एक मस्जिद का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने तर्क किया कि बाबर एक क्रूर और हिंदू-विरोधी आक्रमणकारी था। इसलिए उसके नाम पर किसी भी मस्जिद का निर्माण या नामकरण नहीं होना चाहिए। इस याचिका में यह भी कहा गया कि बाबर ने हिंदुओं को गुलाम कहा था। और इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। याचिका में केंद्र, राज्यों और अन्य सरकारों को याचिकाकर्ता के मामले पर विचार करने और समूचे भारत में बाबर या बाबरी मस्जिद या उनसे मिलते-जुलते/व्युत्पन्न नामों पर किसी भी मस्जिद या धार्मिक संरचना के निर्माण, स्थापना या नामकरण पर रोक लगाने या प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। हालांकि अदालत ने इस दलील पर कोई राहत देने से इनकार करते हुए याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने इस विषय पर किसी व्यापक देशव्यापी रोक लगाने से इनकार किया।

मंत्री विजयवर्गीय ने दिलाया भरोसा, लीज होल्ड भूमि को फ्री-होल्ड के लिए जल्द निकालेंगे समाधान

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आज 5वां दिन है। आज सदन में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वर्षों पुरानी लंबित समस्या का जल्द समाधान कराने की घोषणा की है। कई सदस्यों ने लीज होल्ड भूमि को फ्री-होल्ड कराने का आग्रह मंत्रीजी से किया था। उन्होंने सदन को अवगत कराया था कि इससे जमीन की लीज न तो रिन्यू हो रही है और न उसका अपेक्षानुसार उसका उपयोग हो पा रहा है। राज्य के हजारों लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। मप्र विधानसभा में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि मनावर, कुक्षी और झाबुआ सहित कई पुराने शहरों में पूर्व में व्यापार बढ़ाने के लिए एक रुपये की लीज पर जमीन दी गई थी। यह लीज 30 वर्षों के लिए थी, लेकिन कई मामलों में नवीनीकरण नहीं हुआ और अब तीसरी पीढ़ी तक वहां व्यवसाय कर रही है।

मंत्री ने कहा कि कई स्थानों पर लीज की शर्तों के दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, जबकि भूमि पर दुकानें बन चुकी हैं और व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। ऐसे मामलों में व्यावहारिक कठिनाई है।उन्होंने कहा कि सरकार ऐसी नीति बनाएगी जिससे नगर पालिका की आय भी बढ़े और वहां रह रहे लोगों को भी परेशानी न हो। यदि कोई अन्य व्यक्ति अवैध रूप से कब्जा किए हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।मंत्री ने कहा कि पुराने लीज मामलों में सीधे नवीनीकरण करने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज होने जैसी स्थिति बन जाती है, इसलिए संतुलित समाधान निकालने के लिए व्यापक नीति तैयार की जाएगी। ये समस्या केवल धार जिले की नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश की है। इस मामले पर जबलपुर विधायक अभिलाष पांडे ने सुभद्रा कुमारी चौहान, भवानी प्रसाद और राम मनोहर लोहिया वार्ड सहित लगभग चार वार्डों में लीज होल्ड भूमि को फ्री-होल्ड करने के आश्वासन का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि मंत्री के पूर्व आदेश के बावजूद जो जवाब मिला है उसमें एक भी लीज को फ्री-होल्ड नहीं किया गया है। उन्होंने उत्तर पर असंतोष जताते हुए कहा कि वे इस स्थिति से व्यथित हैं और तत्काल फ्री-होल्ड की कार्रवाई शुरू की जाए। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जवाब में कहा कि अचल संपत्ति अधिनियम 2000 के तहत फ्री-होल्ड का अधिकार कमिश्नर को दिया गया है। वर्ष 2021 में नियमों में संशोधन कर कलेक्टर गाइडलाइन के अनुसार 2 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रावधान किया गया है। इंदौर नगर निगम ने इसे 5 प्रतिशत तक किया है, लेकिन अन्य नगर निगमों में अमल नहीं हो पा रहा है। मंत्री ने कहा कि यह समस्या केवल जबलपुर की नहीं, बल्कि इंदौर, भोपाल और ग्वालियर जैसे नगर निगम क्षेत्रों में भी है, जहां तीन पीढ़ियों से लोग रह रहे हैं, लेकिन लीज नवीनीकरण नहीं हो पा रहा।

उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे का इस्तीफा

भोपाल । भिंड जिले की अटेर सीट से कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे के मध्य प्रदेश विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। कटारे ने इस्तीफा पत्र में लिखा कि परिवार और क्षेत्र की जनता को पर्याप्त समय नहीं दे पाने के कारण वे यह जिम्मेदारी छोड़ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े को भेजे पत्र में लिखा कि संगठन जिसे चाहे इस पद की जिम्मेदारी दे, वे पूर्ण सहयोग करेंगे। पार्टी ने उन्हें इस योग्य समझा, इसके लिए वे हमेशा आभारी रहेंगे।

हेमंत कटारे की शुक्रवार को मैरिज एनिवर्सरी थी। वे शाम करीब 4 बजे तक विधानसभा की कार्यवाही में मौजूद रहे थे, फिर अचानक बाहर आ गए। इसके बाद से ही उनका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। वे अटेर निकल गए या भोपाल में ही हैं, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। मुरैना जिले की जौरा सीट से कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने कटारे के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कोई गंभीर समस्या नहीं है। जो भी बात है, परिवार के भीतर है और जल्द ही सुलझा ली जाएगी।

सरकार के सहयोग से राजगढ़ में 4 एकड़ जमीन पर बनेगा नया बस स्टैंड

भोपाल। मप्र विधानसभा में आज शुक्रवार को राजगढ़ के बस स्टैंड पर यात्रियों की सुविधाओं को लेकर विधायक अमर सिंह यादव ने सवाल उठाया। प्रश्नकाल में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जवाब देते हुए कहा कि यह सही है कि राजगढ़ जिला मुख्यालय बनने के बाद वहां आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं और वर्तमान बस स्टैंड की जगह कम पड़ रही है। उन्होंने बताया कि दशहरा मैदान के पास लगभग चार एकड़ जमीन पर नया बस स्टैंड बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका कलेक्टर के माध्यम से जमीन का प्रस्ताव भेजे। सरकार इस संबंध में मुख्यमंत्री से भी चर्चा करेगी। पुराने बस स्टैंड की जमीन पर मार्केट विकसित कर उससे होने वाली आय से नया बस स्टैंड बनाया जा सकता है।मंत्री ने कहा कि आवश्यकता होने पर राज्य शासन भी आर्थिक सहायता देगा और पीपीपी मॉडल के माध्यम से भी बस स्टैंड का निर्माण किया जा सकता है।

इससे पहले राजगढ़ विधायक अमर सिंह यादव ने विधानसभा में राजगढ़ बस स्टैंड के निर्माण और वहां की व्यवस्थाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि यह बस स्टैंड करीब 28 वर्ष पहले बनाया गया था और वर्तमान में नेशनल हाईवे-12 पर स्थित है। जिले के मुख्यालय बनने के बाद यहां यातायात काफी बढ़ गया है, जिससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड पर पर्याप्त जगह नहीं होने के कारण बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है और अतिक्रमण की स्थिति भी है। यात्री प्रतीक्षालय में महिलाओं के लिए बनाए गए कक्ष में नगर पालिका द्वारा तीन दुकानों का निर्माण कर दिया गया और उनका आवंटन किया गया। विधायक ने इन दुकानों के आवंटन को निरस्त करने की मांग की।विधायक ने कहा कि वर्तमान बस स्टैंड जिला मुख्यालय की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त नहीं है। उन्होंने दशहरा मैदान के पास नई जमीन आवंटित कर नया बस स्टैंड बनाने का प्रस्ताव दिया है और इसके लिए पत्र भी लिखा गया है।

मप्र में जल संकट गहराया : भागीरथपुरा के बाद भोपाल के कोलार में ई-कोलाई से दहशत

भोपाल। मध्य प्रदेश में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में कथित रूप से दूषित जल से लगभग 35 लोगों की मौत की खबर ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। वहीं राजधानी भोपाल के कोलार क्षेत्र में भूजल में ई-कोलाई बैक्टीरिया मिलने से स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं और गहरा गई हैं। दोनों घटनाओं ने राज्य में जल प्रबंधन और निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

कोलार के गेहूंखेड़ा और साईं नाथ नगर में जांच के दौरान भूजल में ई-कोलाई संक्रमण की पुष्टि होने पर नगर निगम ने दो नलकूप बंद करा दिए। इसके बावजूद बड़ी आबादी अब भी ट्यूबवेल और टैंकर के पानी पर निर्भर है। कोलार जोन 18 और 19 के छह वार्डों में 88 हजार से अधिक संपत्तिकर दाता हैं, जबकि केवल लगभग 35 हजार घरों तक ही नियमित नगर निगम जल आपूर्ति पहुंचती है। शेष परिवार निजी बोरिंग या टैंकर से पानी लेने को मजबूर हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्र में सीवेज नेटवर्क का अभाव और घरों के नीचे बने सेप्टिक टैंकों से अपशिष्ट का रिसाव भूजल प्रदूषण की प्रमुख वजह है। दूषित पानी के सेवन से डायरिया, उल्टी, बुखार और अन्य जठरांत्र संबंधी संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

अभी कुछ समय पूर्व इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल से हुई मौतो ने प्रशासनिक तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि प्रारंभिक रिपोर्टें सही हैं, तो यह केवल स्थानीय लापरवाही नहीं बल्कि जल गुणवत्ता निगरानी व्यवस्था की व्यापक कमी को दर्शाता है।

इतिहास भी चेतावनी देता है 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के दीर्घकालिक प्रभावों में भूजल प्रदूषण की आशंकाएँ शामिल रही हैं। चार दशक बाद भी यदि सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित नहीं हो पा रहा, तो इसे गंभीर नीतिगत चुनौती माना जा रहा है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर निगम की जल आपूर्ति सीमित समय के लिए होती है और कई बार पानी दूषित या बदबूदार आता है। मजबूरी में लोग ट्यूबवेल का पानी पीने को विवश हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि संदिग्ध भूजल का उपयोग केवल धुलाई या बागवानी तक सीमित रखा जाए तथा पीने के लिए उबला या फिल्टर किया हुआ पानी ही प्रयोग किया जाए।

नगर निगम प्रशासन का कहना है कि शिकायत मिलने पर पानी की जांच कराई जाती है और आवश्यकतानुसार स्रोत बंद किए जाते हैं। नागरिकों को भी समय-समय पर पानी की जांच कराने की सलाह दी गई है।

विदेशी मदिरा की बॉटलिंग फीस बढी

विदेशी शराब के रेट बढ़ाने की ऑनलाइन अनुमति

पिछले वर्ष की तुलना में 20 फ़ीसदी आरक्षित मूल्य में वृद्धि

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए नई आबकारी नीति घोषित कर दी है। सरकार ने साफ किया है, इस वित्तीय वर्ष में कोई नई शराब की दुकान नहीं खोली जाएगी। मध्य प्रदेश में शराब दुकानों का आवंटन ई टेंडर और ई ऑक्शन के माध्यम से होगा। सरकार ने शराब दुकान के आरक्षित मूल्य में पिछले वर्ष की तुलना में 20 फ़ीसदी की वृद्धि की है।

सरकार ने विदेशी मुद्रा की बॉटलिंग की फीस बढ़ा दी है। स्प्रिट पर ?6 से बढ़कर ?12 प्रति प्रूफ लीटर तय किया गया है। वहीं बियर पर ?3 से बढाकर ?6 की दर निर्धारित की गई है। नई दरें वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित की गई है।

शराब ब्रांड की कीमत बढ़ाने के लिए डिस्टलरी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के साथ ही निर्माता को शराब की कीमत बढ़ाने की अनुमति दी जाएगी. आबकारी विभाग अन्य राज्यों की कीमतों के साथ मिलान करेगा. उसके बाद ऑनलाइन ब्रांड की कीमत तय करने की अनुमति सरकार द्वारा दी जाएगी।

एस जे/20 फरवरी2026

56 पूर्व सैनिक बनेंगे पॉइंट्समैन, 15 दिन में शुरू होगी तैनाती

- भोपाल मंडल और आर्मी वेलफयर प्लेसमेंट ऑर्गेनाइजेशन के बीच एमओयू

भोपाल (ईएमएस)। पश्चिम मध्य रेलवे का भोपाल मंडल अब पूर्व सैनिकों को रेलवे सेवा से जोडने् की दिशा में बड़ी पहल करने वाला पहला मंडल बन गया है। मंडल ने स्टेशनों पर पॉइंट्समैन के पदों पर एक्स-सर्विसमैन की तैनाती के लिए आर्मी वेलफयर प्लेसमेंट ऑर्गेनाइजेशन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भोपाल मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर 56 पूर्व सैनिकों को पॉइंट्समैन के रूप में नियुक्त किया जाएगा। रेलवे प्रशासन के मुताबिक चयनित जवानों की भौतिक तैनाती आगामी 15 दिनों के भीतर शुरू कर दी जाएगी।

इस समझौते के साथ भोपाल मंडल, वेस्ट सेंट्रल रेलवे का पहला ऐसा मंडल बन गया है, जिसने पूर्व सैनिकों की नियुक्ति के लिए इस तरह का एमओयू किया है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह कदम न सिर्फ पूर्व सैनिकों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि रेल परिचालन और संरक्षा को भी मजबूती देगा। समझौता ज्ञापन पर मंडल की ओर से वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय और वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी विजय सिंह ने हस्ताक्षर किए। वहीं आर्मी वेलफयर प्लेसमेंट ऑर्गेनाइजेशन की ओर से सेवानिवृत्त कर्नल मुकेश कुमार तिवारी ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि सेना से सेवानिवृत्त जवान अनुशासन, जिम्मेदारी और कार्यकुशलता के लिए पहचाने जाते हैं। ऐसे में उनकी नियुक्ति से स्टेशनों पर पॉइंट्स संचालन में दक्षता बढ़ेगी और सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ किया जा सकेगा।

दीर्घकालिक सहयोग की ओर कदम

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के मुताबिक यह समझौता दोनों संगठनों के बीच दीर्घकालिक और परिणामदायी सहयोग की दिशा में अहम कदम है। इससे रेलवे और पूर्व सैनिक दोनों को लाभ मिलेगा।

जेपी की आग ने खोली 50 लाख के फायर सिस्टम की पोल

कंपनी की टैस्टिंग में भी अलार्म नही बजा

भोपाल। राजधानी के जयप्रकाश चिकित्सालय में बुधवार को लगी आग ने उस दावे की पोल खेल दी जिसमें कहा गया था कि नया फायर आलर्म सिस्टम सिगरेट के धुएं से भी एक्टिव होगा। लेकिन जब आग लगी तो यह सिस्टम काम नही किया। जिसके चलते न अलार्म बजा और न स्प्रिंकलर से पानी गिरा।

इसके बाद इस सिस्टम की जांच करने गुरूवार को कपंनी आई लेकिन अलार्म नही बजा अलबत्ता स्प्रिंकलर के एक पाईप से कुछ पानी जरूर गिर गया। प्रबंधन और फायर सिस्टम एजेंसी के बीच अनबन के कारण सिस्टम अभी तक हैंडओवर नहीं हुआ और बंद पड़ा है। आग वाले दिन यह अच्छी बात रही कि एक सुरक्षा कर्मचारी ने फायर इंस्टूग्विशर से आग बुझा दी। आग बुझाने में आठ इंस्टूग्विशर का इस्तेमाल हुआ था। इस आग में सैकड़ों मरीजों की जान खतरे में थी।

फुहारें के जगह आई धार

दूसरे दिन जब कर्मचारियों ने इस सिस्टम की टेस्टिंग के लिए थोड़ा सुधार कार्य किया और सिस्टम चालू किया तो पानी के फुहारें आने की बजाए धार आने लगी। नोजल पर जाले लगे हुए हैं, देखने से ही पता चलता है कि इस सिस्टम की देखरेख नहीं होती।

इनका कहना है

सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा है कि इस पूरे मामले की जांच की जाएगी। हेंडओवर क्यों नहीं हुआ आग कैसे लगी और फायर सिस्टम क्यों नहीं चले इन बिंदुओं पर जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

पुलिस टीम पर हमला करने वाले आरोपियो को तीन साल का कठोर कारावास

भोपाल। अपर सत्र न्यायाधीश प्रीति साल्वे की कोर्ट ने जीआरपी भोपाल की टीम पर हमला करने के मामले के आरोपी शकील खान पुत्र शरीफ खान (38) निवासी सेमरा रेलवे स्टेशन दीवानगंज सलामतपुर रायसेन को दोषी ठहराते हुए तीन साल के कठोर कारावास और पांच हजार रुपये के जुर्माने की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। जानकारी के मुताबिक 14 फरवरी 2018 को जीआरपी भोपाल के सब इंस्पेक्टर बालकृष्ण भारती मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर भदभदा दीवानगंज और सलामतपुर रेलवे स्टेशनों पर रुकने वाली ट्रेनों के जनरल कोच में स्ट्राइकर के माध्यम से हार-जीत का दांव लगवाकर यात्रियों से मारपीट कर पैसे लूटने वाले गिरोह को पकड़ने के लिए भोपाल-बिलासपुर ट्रेन से पुलिस टीम लेकर दीवानगंज स्टेशन पर उतरे थे। आरोपी शकील ने पुलिस बल के साथ झूमाझटकी कर जान से मारने की धमकी देते हुए सब इंस्पेक्टर बालकृष्ण भारती सहित अन्य आरक्षकों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आरोपी के हमले से पुलिसकर्मियों की वर्दियां फट गई थीं। आरोपी के परिजन मौके पर पहुंचकर उसे पुलिस टीम से छुड़ा ले गए थे। जीआरपी भोपाल ने सब इंस्पेक्टर बालकृष्ण भारती की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिंता की धारा-294, 332 और 392 के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच के बाद जिला अदालत में चालान पेश किया था।

छह लाख से ज्यादा इनकम वालों पर सरकार की सख्ती

- भोपाल में 10 हजार परिवारों के नाम सरकारी राशन की लिस्ट से बाहर

भोपाल। भोपाल शहर में राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाने और पात्र हितग्राहियों को ही खाद्यान्न मिले, इसके लिए सूची का शुद्धिकरण किया जा रहा है। इसके पहले चरण में शासन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने करीब छह लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले करीब 10 हजार परिवारों के नाम पात्रता सूची से हटाए हैं। इस कार्रवाई से लगभग 50 हजार लोग प्रभावित हुए हैं, यह काम करीब एक महीने से जारी था।

इससे पहले इन परिवारों को खाद्य विभाग द्वारा नोटिस जारी किए गए थे, जिससे वह अपना पक्ष रख सकें। हालांकि पक्ष नहीं आने के बाद उनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं। बता दें कि जिले में करीब 502 राशन दुकानें संचालित हो रही हैं। इन दुकानों में करीब 3.47 लाख परिवारों को खाद्यान्न दिया जाता है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ केवल पात्र और जरूरतमंद परिवारों को ही मिलना चाहिए। जांच में पाया गया कि कई परिवार आय सीमा से अधिक होने के बावजूद गरीबी रेखा के तहत मिलने वाले राशन का लाभ ले रहे थे। ऐसे मामलों को चिह्नित कर पहले संबंधित परिवारों को नोटिस जारी किए गए थे और आय संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनके नाम सूची से हटा दिए गए। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही की नीति के तहत की गई है। जिन परिवारों की आय निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई, उन्हें अपात्र घोषित किया गया।

आज होगा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में शनिवार को यहां पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पाक टीम बड़ी मुश्किल से सुपर-8 में पहुंची है और उसका लक्ष्य किसी प्रकार जीत दर्ज कर आगे की संभावनएं बनाये रखना रहेगा। वहीं कीवी टीम का प्रदर्शन उससे कहीं अच्छा रहा है और ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। आंकड़ों पर नजर डालें तो

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 49 मैच खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 24 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने 23 मैचों में जीत दर्ज की है।

पाक और न्यूजीलैंड ग्रुप स्तर में खेले 4 मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ सुपर-8 में पहुंची हैं। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान की अब तक अच्छी बल्लेबाजी कर पाये हैं। नामीबिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में फरहान ने शतकीय पारी खेली थी, ऐसे में पाक उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद करेगा। पाक के लिए समस्या यह रही है कि फरहान के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ टीम को सैम अयूब, बाबर आजम और कप्तान सलमान आगा से बड़ी पारी खेलनी होगी। उसके बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला करना होगा जो आसान नहीं है। शादाब खान ने पहले दौर में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छी भूमिका निभाई । वहीं, उस्मान तारिक विकेट लेने के साथ-साथ काफी कसी गेंदबाजी करते रहे हैं। पाक टीम अधिक स्पिनरों के साथ उतरेगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन ग्रुप स्तर पर अच्छा रहा है। टिम साइफर्ट सहित उसके बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। सीफर्ट ने 4 मैचों में 173 रन बनाये हैं। कनाडा के खिलाफ 36 गेंदों में 76 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ग्लेन फिलिप्स भी फॉर्म में लौट चुके हैं।

मैट हेनरी और जैकब डफी की जोड़ी ने शुरुआती ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की है।

कोलंबो की पिच आमतौर पर धीमी रहती है। यहां पर स्पिनर्स को काफी सहायता मिलती है और गेंद थोड़ा फंसकर बल्ले पर आती है। यही कारण है कि कोलंबो के इस मैदान पर ज्यादा बड़े स्कोर नहीं लगते हैं। इस मैदान पर पहली पारी में औसतन स्कोर 144 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 129 रन है। इस मैच में बारिश की भी संभावना है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तान- सलमान अली आगा (कप्तान), साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, बाबर आजम, ख्वाजा नफे, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) मोहम्मद नवाज/फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, अबरार अहमद

न्यूजीलैंड- मिशेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिशेल, जिमी नीशम, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी

सिकंदर रजा सबसे अधिक उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने वाले कप्तान बने

कोलंबो। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में 45 रनों की अपनी पारी के साथ ही टीम में जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक रिकार्ड भी अपने नाम किया है। रजा को उनकी इस शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इस अवॉर्ड को जीतते ही रजा ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का सबसे अधिक उम्र में ये अवार्ड जीतने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रजा अब आईसीसी टूर्नामेंट में कप्तान के तौर पर प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने वाले सबसे अधिक उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड रोहित के नाम था। रोहित ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट में 37 साल 331 दिन की उम्र में कप्तानी करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता था। वहीं मगर अब जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने 39 साल 301 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीतकर रोहित का ये रिकार्ड तोड़ दिया है।

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं। शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे। वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये।

वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था। जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे। शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा। शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली । पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं। उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है। उन्होंने कहा, नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान- डोएशे

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी। कोच के अनुसार

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना ??है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद उसे जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है।

टी20 विश्वकप सुपर-8 के एक ही ग्रुप में शामिल भारत सहित चार टीमें नहीं हारी हैं एक भी मैच

मुम्बई । आईसीसी टी-20 विश्वकप में अब सुपर-8 के मुकाबले शुरु हो रहे हैं। इसमें टीम इंडिया सहित चार टीमें ऐसी भी हैं जो अब तक एक भी लीग स्तर का मैच नहीं हारी हैं। ये टीमें अब सुपर-8 में एक ही ग्रुप में है, जिसे ग्रुप ऑफ डेथ भी कहा जा रहा है। इनमें भारत के अलावा दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। अब इन चार टीम में से सिर्फ दो ही सेमीफाइनल में पहुंचेगी इसलिए इनमें कांटे की टक्कर होगी। ऐसे में हारने वाली दो टीमें बाहर हो जाएंगी।

सुपर-8 में भारत ने अमेरिका, नामीबिया, पाकिस्तान और अंत में नीदरलैंड्स को हराया है। भारतीय बल्लेबाजों ने इस दौरान आक्रामक खेल जबकि स्पिनर्स ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। भारत के बाद दक्षिण अफ्रीका की टीम भी काफी अच्छी है। वहीं जिम्बाब्वे ने हाल में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर दिखाया है कि वह बड़े उलटफेर करने मे सक्षम है।

ग्रुप डी में अपने चारों मैच जीतकर आई पिछले बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका इस बार भी फाइनल के लिए पूरी ताकत लगा देगी। उसकी गेंदबाजी और बल्लेबाज काफी अच्छी है। वहीं की टीम भी इस प्रारुप में काफी अच्छा खेलती है। उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं इस बार जिम्बाब्वे का प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है। उसने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया और उसके बाद श्रीलंका को हराया है उससे तय है कि वह काफी अच्छे फार्म में है और उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह भी पहली बार खिताब जीतने के लिए पूरी ताकता लगा देगी।

जिम्बाब्वे के बेनेट ने टी20 विश्वकप में एक भी मैच में आउट नहीं होने का रिकार्ड बनाया

कोलंबो। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने इस इस टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बेनेट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस विश्वकप में एक बार भी आउट नहीं हुए हैं। जिम्बाब्वे के सुपर-8 में पहुंचने में बेनेट की अहम भूमिका रही है। अब तक इस विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम का कोई भी गेंदबाज उन्हें एक बार भी आउट नहीं कर पाया है।जिम्बाब्वे की अंतित ग्रुप मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत में बेनेट की 63 रनों की नाबाद पारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेनेट ने इस विश्व कप में तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाये हैं। तीनों ही मैच में वह नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। उस मैच में भी उन्होंने 64 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ओमान के खिलाफ मैच में भी वह 48 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

बेनेट अब तक विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी हैं। बेनेट ने इस विश्व कप में अब तक 3 मैच में 2 अर्धशतकों के साथ 175 रन बनाए हैं। तीनों ही मैच में वह नॉट आउट रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट 125 का है हालांकि वह इस विश्व कप में वह एक भी छक्का नहीं लगा पाये हैं। उनके नाम केवल 22 चौके जड़े हैं। उनसे ज्यादा चौके सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम के नाम हैं जिन्होंने इस विश्व कप में अब तक 24 चौके लगाए हैं।बेनेट के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 1771 रन हैं। इसमें 11 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 111 रन है और स्ट्राइक रेट 143.16 का है।

आईसीसी हमें बड़ी टीमों के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज खेलने के अधिक अवसर दे – राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान राशिद खान ने आईसीसी टी20 विश्वकप से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अपील की है कि उनकी टीम को भी बड़ी टीम के खिलाफ खेलने के अधिक अवसर मिलें जिससे की उनका स्तर और बेहतर हो सके। राशिद के अनुसार उनकी टीम ने विश्वकप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास किया है। टीम ने अपने ग्रुप के अंतिम मुकाबले में कनाडा को हराया था। राशिद के अनुसार उनकी टीम को बड़ी टीमों के खिलाफ और अधिक द्विपक्षीय सीरीज खेलने का अवसर मिलना चाहिये। अफगानिस्तान ने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो सुपर ओवर खेले थे हालांकि अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान को नियमित रूप से क्रिकेट खेलने वाली बड़ी टीमों देशों के खिलाफ खेलने के अधिक अवसर मिलते हैं तो उसका स्तर और बेहतर हो सकता है। राशिद ने कनाडा के खिलाफ जीत के बाद कहा कहा, कुछ विभाग में सुधार की जरूरत है। बड़ी टीमों के खिलाफ मध्यक्रम बल्लेबाजी बिखर गई और डेथ ओवर में गेंदबाजी में भी सुधार चाहिए। पर यह सुधार तब होता है जब आप द्विपक्षीय सीरीज में बड़ी टीमों के साथ खेलते हैं।

साथ ही कहा कि टीम टूर्नामेंट के लिए अच्छी तैयारी के साथ आई थी और उसने काफी अच्छा खेला पर दक्षिण अफ्रीका से मिली करीबी हार के कारण वह ज्यादा आगे नहीं जा पायी।

राशिद ने कहा, हम (टूर्नामेंट के लिए) अच्छी तरह तैयार थे। हमने जबरदस्त क्रिकेट खेला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में हार से सभी निराश हैं। हमें पहले दो मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी थी और देखना था कि टूर्नामेंट कैसा होता है। हम इस विश्व कप से सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेंगे। मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल समाप्त होने पर वह भावुक हो गये और कहा कि उनका कार्यकाल काफी अच्छा रहा जिससे टीम आगे बढ़ी है।

पीसीबी ने शादाब को दी चेतावनी, पूर्व क्रिकेटरों पर टिप्पणी न करें

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शादाब खान पूर्व क्रिकेटरों की आलोचना के कारण विवादों में आ गये हैं। इस मामले में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी उन्हें फटकार लगाते हुए कहा है कि वह गैरजरूरी बयानबाजी न करें। ये मामला भारत-पाक मैच से जुड़ा है। इसमें पाक टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की आलोचना की थी। इसपर शादाब ने भड़कते हुए कहा था कि वो महान अवश्य थे पर उन्होंनें वह सब हासिल नहीं किया है जो हमने किया है। हमने एक बार आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को हराया है। शादाब के इस बयान से पीसीबी सख्त नाराज है और उनपर कार्रवाई की तैयारी में लगा हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने शादाब से कहा है कि वह अपनी सीमा में रहें और अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनपर कार्रवाई की जाएगी।

कोलंबो में नामीबिया पर पाकिस्तान की 102 रन की जीत के दौरान शादाब खान ने 36 रन बनाने के साथ 19 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। जिससे पाक सुपर-8 में पहुंचने में सफल रही। शादाब ने मैच के बाद कहा था, 'पूर्व क्रिकेटरों की अपनी राय होती है। . वे दिग्गज रहे थे पर वे वह उपलब्धिक हासिल नहीं कर सके जो हमने की है।'

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स के फाइनल में पहुंची भारत-ए टीम

बैंकॉक। कप्तान राधा यादव के अच्छे प्रदर्शन से भारत ए महिला क्रिकेट टीम एसीसी एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। है। यहां हुए पहले सेमीफाइनल में भारत-ए टीम ने श्रीलंका-ए को 5 विकेट से हराया। भारतीय टीम की जीत में राधा की अहम भूमिका रही। राधा ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका-ए अधिक स्कोर नहीं बना पायी। उसकी सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी ने सबसे अधिक 35 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान संजना ने 5 चौके लगाए। वहीं, शशिनी गिम्हानी ने 17 गेंदों में 22 रन बनाए। इन दोनों के अलावा अन्य बल्लेबाज असफल रहींऔर पूरी टीम 19.4 ओवर में ही 118 रन बनाकर आउट हो गयीं। भारत-ए की तरफ से कप्तान राधा ने 3.4 ओवर में केवल 19 रन देकर चार बड़े विकेट लिए। वहीं प्रेमा रावत ने 4 ओवर में केवल 9 रन देकर 2 विकेट लिए।

इसके बाद जीत के लिए मिले 119 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज नंदिनी कश्यप 13 रन ही बना पायी। हालांकि, इसके बाद दूसरे विकेट के लिए अनुष्का शर्मा और वृंदा दिनेश ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 48 रन बनाये। अनुष्का 18 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुईं जबकि वृंदा ने केवल 20 गेंदों में 42 रन बना दिये। गेंदबाजी में 4 विकेट लेने के बाद राधा ने बल्लेबाजी के दौरान 18 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 31 रन बनाये। । राधा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 22 फरवरी को खेला जाएगा।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/निविदा/2025–26/917 बालाघाट दिनांक 12/02/2026

–:: निविदा आमंत्रण सूचना ::–

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट के अन्तर्गत उपस्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति किये जाने हेतु ऑनलाइन ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदाओं से संबंधित समस्त विवरण, जिसमें उपकरणों एवं शर्तों का उल्लेख है, को https://gem.gov.in/ पोर्टल में देखकर निविदा में भाग लिया जा सकता है। उक्त निविदाओं को निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन भरना होगा। निविदा के दस्तावेजों को अंतिम तिथी दिनांक 12 मार्च 2026 सायं 05:00 बजें तक ऑनलाइन जमा किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। तकनीकी प्रस्ताव को दिनांक 13 मार्च 2026 दोप 04:00 बजें जिला निविदा सह् क्रय समिति के समक्ष कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कक्ष में खोला जावेगा, निविदाकार स्वयं उपस्थित रह सकते है। निविदाओं को निरस्त करने का पूर्ण अधिकारी जिला क्रय समिति का होगा।

जी- 26117/25

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला–बालाघाट म.प्र.

स्वच्छता ही सेवा

एआई इम्पैक्ट समिट में यूथ कांग्रेस का टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन...

अमेरिका से ट्रेड डील का विरोध, मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए : भारत मंडपम में मचा बवाल, कांग्रेस-भाजपा आमने सामने

नई दिल्ली। इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में प्रदर्शन किया। एक प्रदर्शनी हॉल में पहुंचकर इन कार्यकर्ताओं ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध किया और पीएम मोदी के खिलाफ नारे लगाए। इन कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया। हंगामे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। भाजपा ने कांग्रेस को निशाने पर लिया और कहा कि ऐसे मंच पर देश को शर्मसार किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों को भारत मंडपम से पकड़कर पुलिस तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन ले गई है। इन लोगों से पूछताछ की जा रही है। युवा कांग्रेस से जुड़े प्रदर्शनकारी हॉल नंबर-5 के अंदर मार्च करते हुए पहुंचे। वे सफेद टी-शर्ट पहने या पकड़े हुए थे, जिन पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं। इन टी-शर्ट पर 'इंडिया यूएस ट्रेड डील', 'एपस्टीन फाइल्स' और 'पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड' जैसे नारे लिखे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने टी-शर्ट भी उतार दी। उनके विरोध प्रदर्शन के चलते वहां अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद कुछ प्रतिभागियों और कुछ प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन किया है। पुलिस के मुताबिक ये करीब 10 लोग थे। इन सभी लोगों ने क्यूआर कोड के जरिए एंट्री ली थी हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं में कृष्णा हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार, नरसिम्हा यादव शामिल हैं। कृष्णा हरि, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हैं, कुंदन यादव युवा कांग्रेस के बिहार प्रदेश सचिव हैं, अजय कुमार उत्तर प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष और नरसिम्हा यादव राष्ट्रीय समन्वयक हैं।

देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि एआई समिट में भारतीय युवा कांग्रेस के साथियों ने स्पष्ट कर दिया कि देश का युवा अब चुप नहीं बैठेगा। मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड ये सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि करोड़ों बेरोजगार युवाओं का आक्रोश है। अमेरिका के साथ यह ट्रेड डील हमारे किसानों और जनता के हितों के साथ खिलवाड़ है, जिससे सिर्फ अमेरिका को फायदा होगा। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध हमारा अधिकार है और हम युवाओं की आवाज बुलंद करते रहेंगे। बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने संसद में भी ये मुद्दा उठाया था।

इंडिया की अचीवमेंट्स के खिलाफ प्रोटेस्ट

दिल्ली के भारत मंडपम में इंडियन यूथ कांग्रेस के वर्कर्स के प्रोटेस्ट पर भाजपा के नेशनल स्पोक्सपर्सन शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए एआई एम्बिशियस इंडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एस्पिरेशनल इंडिया नहीं है। उनके लिए एआई एंटी-इंडिया है। यह आईएनसी नहीं है, यह एएनसी है, एंटी-नेशनल कांग्रेस है। एआई समिट की दुनिया भर में तारीफ हो रही है। प्रेसिडेंट मैक्रों से लेकर यूनाइटेड नेशंस सेक्रेटरी जनरल तक, टॉप टेक कंपनी के बड़े लोगों तक, सैम ऑल्टमैन से लेकर सुंदर पिचाई तक, हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। यहां तक कि शशि थरूर ने भी कहा कि एआई समिट बहुत बढ़िया था। लेकिन, राहुल गांधी के कहने पर कांग्रेस पार्टी प्रोटेस्ट कर रही है। उन्होंने कहा कि ये एक कैरेक्टरलेस, ब्रेनलेस, इमोशनलेस प्रोटेस्ट है। यह भाजपा के खिलाफ प्रोटेस्ट नहीं है, यह पीएम के खिलाफ प्रोटेस्ट नहीं है, यह इंडिया की अचीवमेंट्स के खिलाफ प्रोटेस्ट है।

यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ता गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने एआई समिट में हुए विरोध प्रदर्शनों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। एडिशनल सीपी (नई दिल्ली) देवेश कुमार महला ने कहा कि एआई समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडियन यूथ कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है, और ऐसे प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस मुख्यालय पर आज प्रदर्शन करेगी भाजपा

दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में चल रहे 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान इंडियन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन को लेकर सियासत तेज हो गई है। सुरक्षा घेरा तोड़कर परिसर में घुसे प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार सुबह 10 बजे कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि यह प्रदर्शन सड़क स्तर का नहीं बल्कि राहुल गांधी के आवास पर योजना बनाकर किया गया। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने इसे देश की छवि खराब करने की साजिश बताया। तो मनोज झा ने कहा कि देश में गुस्सा जरूर है, लेकिन ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करना उचित विकल्प नहीं था।

यूनिवर्सिटी के बंद घोषित होने से पहले मिली डिग्रियां मान्य रहेंगी- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया ने बिहार के उन लाइब्रेरियनों को बड़ी राहत दी है, जिनकी सेवाएं सिर्फ इसलिए समाप्त हुई थीं क्योंकि उन्होंने जिस विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की थी, उस कॉलेज को बाद में अवैध घोषित कर बंद किया गया था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि जब कोई विश्वविद्यालय वैध कानून के तहत संचालित हो रहा हो और उस समय दी गई डिग्रियां मान्य हों, तब बाद के कानूनी घटनाक्रम के आधार पर उस विश्वविद्यालय के दवारा जारी की गई डिग्री को अमान्य नहीं ठहराया जा सकता।

जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें राज्य सरकार द्वारा लाइब्रेरियनों की सेवा समाप्ति को सही ठहराया गया था।

यह विवाद छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र यूनिवर्सिटी एक्ट, 2002 (2002 एक्ट) से जुड़ा है। इस अधिनियम के तहत यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, रायपुर सहित कई निजी विश्वविद्यालय स्थापित किए गए थे। अपीलकर्ताओं ने वर्ष 2004 में बी.लिब की डिग्री प्राप्त की थी, जब विश्वविद्यालय राज्य कानून के तहत वैध रूप से कार्यरत था और पाठ्यक्रम को केंद्रीय मान्यता भी प्राप्त थी।

हालांकि, वर्ष 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. यशपाल बनाम छत्तीसगढ़ राज्य, (2005) 5 एससीसी 420 में मामले में 2002 के अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित कर दिया और ऐसी सभी निजी विश्वविद्यालयों को बंद करने का आदेश दिया। साथ ही, उस समय अध्ययनरत या पहले ही डिग्री प्राप्त कर चुके छात्रों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें मान्यता प्राप्त संस्थानों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी गई। इसके बावजूद बिहार सरकार ने 2010 में इन लाइब्रेरियनों की सेवाएं यह कहते हुए समाप्त कर दीं कि उनकी डिग्री इसतरह के संस्थान से है, जिसका मूल अधिनियम अमान्य घोषित हो चुका था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ताओं को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि उन्होंने उस समय वैध रूप से स्थापित विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की थी। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अपीलकर्ताओं को सेवा में पुन: बहाल किया जाए। हालांकि, जिस अवधि में उन्होंने कार्य नहीं किया, उस अवधि का वेतन उन्हें नहीं मिलेगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमिङ्कशाही ईदगाह विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई आज

प्रयागराज,। श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े मामलों में शुक्रवार दोपहर 2 बजे से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सुनवाई होनी है। इस दौरान एएसआई को अपना जवाब दाखिल करना है। जवाब दाखिल होने के बाद अदालत में रिपोर्ट पर दोनों पक्षों के बीच बहस की संभावना है। हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की कुल 18 याचिकाओं पर वर्तमान में सुनवाई चल रही है। इन याचिकाओं में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने और संबंधित भूमि पर अधिकार की मांग की गई है। वहीं, मस्जिद पक्ष ने 22 अगस्त को सिविल प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) की धारा 151 के तहत आवेदन दायर कर समेकित मुकदमों की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की है। इससे पहले 30 जनवरी को मामले में करीब तीन घंटे तक सुनवाई हुई थी। जस्टिस अविनाश सक्सेना की अदालत में हुई उस सुनवाई के दौरान एएसआई ने अपनी रिपोर्ट दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा था। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने अदालत को बताया था कि मुकदमा संख्या तीन में अब तक एएसआई की रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है।

एटीएम धोखाधड़ी के दोषियों की सजा पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा हर पापी का भविष्य होता है

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट की धारवाड़ बेंच ने फर्जी एटीएम कार्ड बनाकर बैंक खातों से पैसे उड़ाने वाले दो दोषियों की सजा में मानवीय आधार पर महत्वपूर्ण संशोधन किया है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने एक दार्शनिक और सुधारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि हर पापी का एक भविष्य होता है और समाज को अपराधियों से नफरत करने के बजाय उनके सुधार पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि, न्यायमूर्ति वी. श्रीशानंद ने दोषियों के खिलाफ आरोपों और उनकी दोषसिद्धि को पूरी तरह बरकरार रखा, लेकिन उनकी व्यक्तिगत परिस्थितियों को देखते हुए कारावास की अवधि को कम कर दिया है।

यह मामला तकनीकी धोखाधड़ी से जुड़ा है, जिसमें दोनों दोषी मूल कार्ड धारकों से एटीएम कार्ड चुरा लेते थे और आधुनिक तकनीक का दुरुपयोग कर उनका डुप्लीकेट तैयार कर लेते थे। इसके बाद वे पासवर्ड चुराकर खातों से अवैध रूप से पैसे निकालते थे। निचली अदालत ने उन्हें क्रमशः तीन और दो साल की जेल की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने सुनवाई में पाया कि इस बात के पर्याप्त सबूत मौजूद हैं कि याचिकाकर्ता एटीएम कार्ड के डुप्लीकेट बनाने और धोखाधड़ी से पैसे निकालने की गतिविधियों में शामिल थे। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपने निजी स्वार्थ के लिए तकनीक का गलत इस्तेमाल किया, जिससे निर्दोष खाताधारकों को वित्तीय नुकसान हुआ।

सजा में संशोधन करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ताओं की सामाजिक और पारिवारिक स्थिति पर विशेष गौर किया। अदालत ने संज्ञान लिया कि याचिकाकर्ता पहली बार अपराध करने वाले व्यक्ति हैं और उनमें से एक के ऊपर अपनी युवा पत्नी और दो साल की छोटी बच्ची के भरण-पोषण की जिम्मेदारी है। इसके अलावा, दोषियों ने कानूनी प्रक्रिया और मामले के जल्द निपटारे में भी पूरा सहयोग दिया था। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जस्टिस श्रीशानंद ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ताओं द्वारा पहले से ही जेल में काटी जा चुकी अवधि को ही उनकी पूर्ण कारावास की अवधि मान लिया जाए।

हालांकि, जेल की सजा कम करने के साथ ही अदालत ने उन पर भारी जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने निर्देश दिया कि दोनों दोषी 20 फरवरी 2026 तक ट्रायल कोर्ट में दो-दो लाख रुपये जमा करेंगे।

अरुणाचल प्रदेश में पुलिस ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम किया

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर एनएससीएन-आईएम के उग्रवादी को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में असम राइफल्स, स्पेशल टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने टिसिंग क्षेत्र में अभियान चलाया और 35 वर्षीय स्वघोषित कैप्टन पोंगलेम वांगपान को हिरासत में लिया। वह नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का सदस्य और चार सदस्यीय समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिसने कथित तौर पर किसी अज्ञात लक्ष्य का अपहरण या हत्या करने की योजना बनाई थी। तलाशी के दौरान उसके पास 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, 9 मिमी पिस्तौल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्तौल बरामद किए। संयुक्त सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई ने नियोजित आतंकवादी घटना को सफलतापूर्वक टाल दिया। पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है और अन्य संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, ताकि शेष आतंकवादियों का पता लगाया जा सके। इसी बीच, नामसाई जिले में पुलिस ने करीब सात लाख रुपये मूल्य की 133 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त कर एक महिला को गिरफ्तार किया। यह मामला एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और नशामुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी तत्परता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शित किया। इस अभियान से यह स्पष्ट हुआ कि राज्य में सुरक्षा बल लगातार आतंकी गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी दोनों के खिलाफ सक्रिय हैं। लोंगडिंग और नामसाई में की गई कार्रवाइयों ने संभावित आतंकवादी हमले और नशे की आपूर्ति को रोककर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

अमेरिका ने चारों ओर से की ईरान की घेराबंदी...अब पूरी दुनिया को हिला देने की तैयारी

नई दिल्ली। जब भारत में दुनिया भर के कई राष्ट्र अध्यक्ष और बड़े-बड़े बिजनेसमैन एआई समिट में हिस्सा ले रहे हैं, ठीक तभी ईरान को चारों ओर से घेरा जा चुका है। खबरें हैं कि इस हफ्ते अमेरिका ईरान पर हमला कर सकता है। सिर्फ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी का इंतजार है। ईरान और रूस के जंगी जहाज भी अमेरिका के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन करने उतर आए हैं। लेकिन भयंकर तनाव के बीच अचानक ईरान में लाखों घर हिलने लगे। वैसे आने वाले कुछ घंटे पूरी दुनिया को हिला देने वाले है।

ईरान के चारों ओर मिडिल ईस्ट में अमेरिका ने 2003 के इराक युद्ध के बाद अपनी एयरफोर्स की सबसे बड़ी तैनाती कर दी है। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में एफ35, एफ22 रैप्टर, एफ15 और एफ16 जैसे एडवांस्ड फाइटर जेट्स की कई स्क्वाड्रंस तैनात की हैं। बड़े पैमाने पर एयर ऑपरेशंस के लिए जरूरी कमांड एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट भी भेज दिए हैं। हाल ही के हफ्तों में एयर डिफेंस सिस्टम्स भी इलाके में तैनात हुए हैं। खबरें हैं कि इस बार अगर हमला हुआ, तब कार्रवाई बहुत बड़ी होगी क्योंकि अमेरिका के साथ इस बार इजराइल भी पूरी ताकत के साथ जंग में कूदेगा। लेकिन जिस वक्त धीरे-धीरे अमेरिका और इजराइल ईरान की तरफ कदम दर कदम बढ़ रहे हैं। ठीक उसी वक्त ईरान की धरती कांपने लगी है।

खबर आई है कि ईरान में अचानक 5.5 तीव्रता का भूकंप आ गया। लेकिन अब सवाल उठ रहे हैं कि ईरान में लाखों घरों को हिलाने वाली घटना भूकंप थी या सीक्रेट न्यूक्लियर परिक्षण है। कुछ लोगों का मानना है कि यह सही में भूकंप था? कई लोग दावे कर रहे हैं कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटीज के पास कुछ हलचल देखी गई है। बहरहाल अमेरिका की तरफ से आते हुए खतरे के बीच ईरान को रूस का साथ मिला है।

बहरहाल ईरान पर हमला होने पर भारत भी बुरी तरह फंस सकता है। सबसे पहले एक चुनौती आंतरिक सुरक्षा को लेकर भी खड़ी हो सकती है। अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तब भारत के शिया मुस्लिम सड़कों पर उतर आएंगे। पिछले कुछ हफ्तों से भारत के शिया मुस्लिम पहले से ही ईरान के लिए समर्थन में रैलियां निकाल रहे थे।

ठगों के निशाने पर केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, सैलरी संबंधी भेज रहे मैसेज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग से जुड़ी एक नई व्हाट्सऐप ठगी का खुलासा हुआ है। ठग ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें रिवाइज्ड सैलरी का प्रीव्यू दिखाने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। साइबर अपराधी लोगों की इस उत्सुकता का फायदा उठाकर उन्हें मालवेयर डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में ऑफिशियल अलर्ट में कहा गया है कि ठग व्हाट्सऐप पर ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें '8वें वेतन आयोग सैलरी कैलकुलेटर' देने का दावा किया जा रहा है। मैसेज पाने वाले लोगों से एक लिंक पर क्लिक करने और एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जाता है। एपीके फाइल एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज होती है। यह दिखने में एक साधारण कैलकुलेटर ऐप जैसी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह मालवेयर है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ठगों को यूजर्स के मोबाइल फोन पर रिमोट एक्सेस दे सकता है। इसमें एसएमएस संदेश पढ़ सकते हैं, जिनमें बैंक अलर्ट और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) शामिल होते हैं। फोन में सेव प्राइवेट और फाइनेंशियल जानकारी तक पहुंच सकते हैं। वहीं जुड़े हुए बैंक खाते से बिना अनुमति के लेन-देन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पीड़ितों को तुरंत यह पता नहीं चलता कि उनका डिवाइस हैक हो चुका है। जब तक संदिग्ध लेन-देन का पता चलता है, तब तक खाते से पैसे निकाले जा चुके होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी सरकारी विभाग व्हाट्सऐप या अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एपीके फाइल नहीं भेजता। ऐसे किसी भी मैसेज को संदिग्ध माना जाना चाहिए। साइबर ठगी के तरीके अब पहले से ज्यादा लक्षित और चालाक हो गए हैं। आर्थिक लाभ या जरूरी अपडेट का वादा करने वाले मैसेज लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किए जाते हैं। वेतन संशोधन जैसे मामलों में भावनात्मक आकर्षण और भी ज्यादा होता है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले कुछ पल रुककर सोच लेना बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है। ऐसी ठगी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है कि जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही वेरिफाई की जाए।

स्पीकर के एआई वीडियो पर वीडी शर्मा बोले- कांग्रेस एआई का दुरुपयोग कर रही

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से जुड़े कथित एआई वीडियो और अपमानजनक सामग्री को लेकर विशेषाधिकार हनन का मामला तूल पकड़ गया है। लोकसभा के विशेषाधिकार विभाग ने कांग्रेस मीडिया सेल की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत समेत एआईसीसी के आठ अन्य पदाधिकारियों को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा है।

यह कार्रवाई बीजेपी सांसद विष्णु दत्त शर्मा की शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के डिजिटल प्लेटफॉर्म से लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ एक अपमानजनक कैरिकेचर और एआई जनित वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया गया, जिससे संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची।

लोकसभा सचिवालय के निदेशक बाला गुरु जी द्वारा 11 फरवरी को जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर सदन की अवमानना और विशेषाधिकार उल्लंघन के तहत आगे की कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही पत्र की प्राप्ति की पुष्टि तत्काल भेजने को भी कहा गया है।

इधर, मध्यप्रदेश भोपाल में मीडिया से बातचीत में विष्णु दत्त शर्मा ने कांग्रेस पर एआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग की बात कही थी, लेकिन कांग्रेस फर्जी सामग्री के जरिए प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष की छवि धूमिल करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने नियम 222 के तहत विशेषाधिकार हनन का नोटिस देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मोहन भागवत के 3 बच्चे पैदा करने के बयान पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा...

बच्चे पैदा करने से समाज नहीं बढ़ता:शेर की दहाड़ सुनते ही कुत्ते भागते हैं

वाराणसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनसंख्या के मुद्दे पर चल रही बहस पर बयान दिया है। उन्होंने कहा- बच्चा पैदा करने से समाज न घटता है और न ही बढ़ता है। समाज अपनी संस्कृति, सभ्यता और धर्म पर टिके रहने से लंबे समय तक कायम रहता है और आगे बढ़ता है। इस विषय में उनकी ओर से कोई उपदेश नहीं दिया जाता। ये बातें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के तीन बच्चे पैदा करने वाले बयान पर कही हैं। उन्होंने कहा- संख्या बल से कोई नहीं जीतता। कुत्तों की संख्या अधिक होती है, लेकिन जब एक शेर दहाड़ता है तो सभी भाग जाते हैं।

दरअसल, 17 फरवरी को लखनऊ में मोहन भागवत ने कहा था कि जो भी लोग अब शादी कर रहे हैं, उन्हें कम से कम तीन बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। विवाह का उद्देश्य सृष्टि को आगे बढ़ाना होना चाहिए, न कि केवल वासना की पूर्ति।

धर्मशास्त्रों की अवहेलना की जा रही

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- उनकी ओर से धर्मशास्त्रों की अवहेलना की जा रही है। कहीं ऐसा न हो कि हम ज्यादा बच्चे पैदा करें और एक दिन कोई प्रभावी व्यक्ति आकर हमारे बच्चों को समझाकर धर्म परिवर्तन करा दे। फसल हम उगाएं और काटे कोई दूसरा, इसलिए केवल संख्या बढ़ाने से काम नहीं चलता। बच्चे को इतने संस्कार दीजिए, इतना दृढ़ बनाइए कि वह किसी भी परिस्थिति में धर्म की पताका लेकर आगे बढ़ता रहे। 100 तारे उतना प्रकाश नहीं देते, जितना एक चंद्रमा के उगते ही अंधेरा दूर हो जाता है। आप एक बच्चा करें या चार, यह आपकी अपनी पसंद है। इसमें कोई बंधन नहीं है। देवकी और वसुदेव ने 8 संतानें पैदा कीं, तभी भगवान का अवतार हुआ। ऐसी परिस्थिति में कोई कितना बच्चा पैदा करेगा, यह माता-पिता पर ही छोड़ देना चाहिए।

सनातन धर्म का ज्ञान ना होने से संख्या बढ़ाने की बात करते

भगवान श्रीकृष्ण के वंशज यादवों को किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं मारा था, बल्कि वे आपसी संघर्ष में ही नष्ट हो गए थे। जब संख्या बहुत अधिक हो जाती है और अनुशासन व एकता नहीं रहती, तो समाज अंदर से कमजोर हो सकता है। संख्या बढ़ जाने पर कई बार लोग आपस में ही लड़कर मर जाते हैं।

आपसी कलह से भी होता है विनाश

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी पर शंकराचार्य ने कहा- उनकी बातों पर हम लोग क्यों जाएं? हमें अपने घर की चिंता करनी है। संख्या बल से कोई नहीं जीत सकता है। कुत्तों की संख्या सबसे ज्यादा होती है, लेकिन जैसे ही एक शेर दहाड़ता है तो सभी भाग जाते हैं। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम। यदि वे यह सोच रहे हैं कि केवल संख्या बढ़ाने से काम बन जाता है, तो यह सही नहीं है। कई बार संख्या बढ़ने पर लोग आपस में ही लड़कर मर जाते हैं।

देशभर में जम्मू-कश्मीर की अरबों की संपत्तियों पर कब्जा, उमर सरकार अदालत में लड़ रही लड़ाई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने खुलासा किया है कि देश के विभिन्न शहरों में उसकी अरबों रुपये मूल्य की संपत्तियों पर अन्य संस्थानों और निजी व्यक्तियों का कब्जा है। इन संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उमर सरकार विभागीय और कानूनी स्तर पर प्रयास कर रही है। यह जानकारी पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद गनी लोन के कटौती प्रस्ताव के जवाब में दी गई। हॉस्पिटैलिटी एंड प्रोटोकॉल विभाग, जिसका प्रभार मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पास है, ने बताया कि नई दिल्ली के राजाजी मार्ग स्थित 'कश्मीर हाउस' जम्मू-कश्मीर सरकार की संपत्ति है। 114 कनाल 11.2 मरला में फैली इस भूमि में से 96 कनाल पर वर्तमान में रक्षा मंत्रालय (इंजीनियर-इन-चीफ) के अधीन मिलिट्री इंजीनियरिंग विंग का कब्जा है। एस्टेट्स विभाग इस मुद्दे को लगातार रक्षा मंत्रालय के समक्ष उठा रहा है, लेकिन अभी तक जमीन सरकार को वापस नहीं मिली है। पंजाब के अमृतसर के दमेईगंज क्षेत्र में भी जम्मू-कश्मीर सरकार की जमीन पर अवैध कब्जे के मामले सामने आए हैं। कुल 32 कनाल 9 मरला भूमि में से सरकार ने कानूनी कार्रवाई और जिला न्यायालय अमृतसर के आदेशों के माध्यम से 14 कनाल 11 मरला तथा 9 कनाल 13 मरला जमीन वापस हासिल कर ली है। हालांकि अब भी कुछ भूमि अलग-अलग व्यक्तियों के कब्जे में है और संबंधित मामले सिविल अदालतों में लंबित हैं। इसके अतिरिक्त, हरियाणा के सिरसा जिले के मंगला क्षेत्र में लगभग 1251 कनाल 4 मरला भूमि, जो 1960 के दशक में लीज पर दी गई थी, को वापस लेने के लिए भी कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। लीज की शर्तों के उल्लंघन, विशेषकर किराया न चुकाने के आधार पर, सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है।

बालाघाट
शनिवार 21 फरवरी 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

निर्माणाधीन मकान का सज्जा गिरने से मजदूर गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के उप नगरी बूढी सिद्धार्थनगर में निर्माणाधीन मकान का सज्जा गिरने से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया घायल मजदूर रविंद्र पिता टीकाराम निंहावे 30 वर्ष ग्राम छतेरा थाना लालबर्रा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूढी के सिद्धार्थनगर में विधान वासनिक द्वारा मकान का निर्माण किया जा। 20

फरवरी को 10 बजे रविंद्र इस निर्माणाधीन मकान में काम करने के लिए पहली बार अन्य मजदूरों के साथ आया था और मकान के अंदर झरी मार रहा था। इसी दौरान 12:30 बजे करीब रविंद्र किसी काम से बाहर निकला ही था कि तभी इसी मकान का बाहरी सज्जा अचानक रविंद्र के सिर के ऊपर गिर गया जिससे रविंद्र गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गया था। अन्य मजदूरों ने गंभीर रूप से घायल रविंद्र को ऑटो से जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये। खबर मिलते ही रविंद्र के परिवार के लोग भी जिला अस्पताल पहुंच चुके थे जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल बेहोश रविंद्र को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। बताया गया है कि रविंद्र दो भाई और दो महीने में सबसे छोटा है जिसके परिवार में माता-पिता भी है परिवार के लोग खेती मजदूरी करते हैं।

शहर में साईबर ठगी: 20 लाख की ठगी का एक आरोपी जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार

ठगी के लिये अपराधियों ने म्यूल अकाउंट का उपयोग किया था, साईबर ठगों ने ऑनलाईन बिजनेस का झांसा देकर महिला को ठगा

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। आए दिन किसी न किसी नागरिक को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा रहा है। ताजा मामले में शहर की एक महिला को बिजनेस में निवेश कर अधिक मुनाफा दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने लाखों रुपये की ठगी कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, साइबर ठगों ने महिला से सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से संपर्क किया। खुद को बिजनेस सलाहकार बताकर मोटा लाभ दिलाने का भरोसा दिया गया। शुरुआती चरण में कुछ छोटी रकम पर फर्जी मुनाफा दिखाकर महिला का विश्वास जीता गया, जिसके बाद आरोपियों ने बड़ी राशि निवेश कराने का दबाव बनाया। महिला ने किस्तों में लाखों रुपये ट्रांसफर कर दिए, लेकिन बाद में संपर्क पूरी तरह बंद हो गया। ठगी का एहसास होने पर महिला ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बैंक खातों और ट्रांजेक्शन की जांच शुरू की। जांच के दौरान कुछ खातों को फ्रीज कर लिया गया, जिससे ठगी गई राशि में से कुछ रकम बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है।

जिले में साइबर ठगी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, बावजूद इसके लोग ठगों के जाल में फंसते जा रहे हैं। ऐसा ही एक और मामला कोतवाली थाना क्षेत्र से सामने आया है, जो साइबर शाखा तक

पहुंच चुका है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शहर की एक महिला ने ऑनलाइन बिजनेस के नाम पर करीब 20 लाख रुपये से अधिक की राशि अलग-अलग किश्तों में ट्रांसफर कर दी। बताया जा रहा है कि महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिजनेस से संबंधित एक आकर्षक विज्ञापन देखा था, जिसके बाद वह साइबर ठगों के संपर्क में आ गई। ठगों ने महिला को अधिक मुनाफा कमाने का झांसा दिया और शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए कुछ तकनीकी आंकड़े एवं फर्जी लाभ दिखाए। धीरे-धीरे महिला से बड़ी रकम निवेश कराई गई। चौंकाने वाली बात यह है कि यह पूरी राशि कुछ ही दिनों के भीतर अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से डलवाई गई जब महिला को यह अहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हो चुकी है, तब उसने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। शिकायत मिलते ही साइबर शाखा ने जांच शुरू की और बैंक खातों की जानकारी खंगाली। जांच के दौरान पुलिस की टीम जम्मू-कश्मीर तक पहुंची, जहां से साइबर ठगी से जुड़े एक साइबर ठग को हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आ रही है। हालांकि, इस पूरे मामले में पुलिस की ओर से अभी तक कोई अधिकृत बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जल्द ही पुलिस औपचारिक खुलासा कर सकती है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ठगी गई राशि में से केवल 2 से 3 लाख रुपये ही रिकवर हो पाए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाले किसी भी निवेश या बिजनेस प्रस्ताव पर बिना सत्यापन विश्वास न करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के मामले में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। जिले में लगातार सामने आ रहे मामलों को देखते हुए स्पष्ट है कि साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं, ऐसे में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

म्यूल अकाउंट का हुआ प्रयोग

साइबर ठगी के इस मामले में जांच के दौरान एक अहम तथ्य सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, महिला से ठगों ने सीधे अपने खाते में राशि ट्रांसफर नहीं करवाई थी, बल्कि म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल किया गया। पुलिस जांच में पाया गया कि महिला द्वारा ट्रांसफर की गई रकम पहले अलग-अलग नए खातों में डाली गई। इसके बाद वह राशि चयन श्रृंखला के माध्यम से कई खातों में घुमाई गई, जिससे वास्तविक आरोपी तक पहुंचना कठिन हो जाए। अंततः यह पूरी राशि साइबर ठगों के नियंत्रित खाते में पहुंचाई गई। सूत्रों का कहना है कि इस तरीके से लगभग 20 लाख रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दिया गया। म्यूल अकाउंट के उपयोग से साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और जांच को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे थे। बताया जा रहा है कि बालाघाट पुलिस की टीम जांच के दौरान जम्मू-कश्मीर पहुंची, जहां से साइबर ठग को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, इस पूरे प्रकरण में पुलिस की ओर से अभी तक कोई अधिकृत बयान जारी नहीं किया गया है। उम्मीद की जा रही है कि पुलिस जल्द ही पूरे नेटवर्क और ठगी की कार्यप्रणाली का खुलासा कर सकती है।

चार दिन से लापता रामलाल की पेड़ में फांसी पर लटकी लाश बरामद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना अंतर्गत गर्रा चौकी से हथोड़ा के बीच उसे समय सनसनी फैल गई जब, रोड किनारे पेड़ में एक व्यक्ति की फांसी पर लटकी लाश बरामद देखी गई। मृतक की पहचान रामलाल पिता गणपत वाघाड़े 50 वर्ष ग्राम दुधारा थाना कटंगी निवासी के नाम से की गई। यह व्यक्ति से चार दिन से अपने घर से लापता था। इस व्यक्ति द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तिरोड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रारंभिक कार्रवाई की और इस व्यक्ति की लाश पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम कटंगी अस्पताल में करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामलाल वाघाड़े बकरी चराने का काम करता था। जिसके परिवार में पत्नी और परिवार के अन्य लोग हैं। बताया गया कि पिछले 1 साल से रामलाल वाघाड़े का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। जिसका इलाज किया जा रहा था। इलाज के दौरान वह कुछ दिन ठीक रहता था। बाद में उसका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता था। बताया गया की 14 फरवरी को सुबह रामलाल वाघाड़े बकरी चराने के लिए घर से निकला था। किंतु वह घर नहीं लौटा, जबकि बकरी घर वापस आ चुकी थी ।शाम तक तलाश करने पर रामलाल वाघाड़े का कोई पता नहीं चला। जिसके गुम होने की रिपोर्ट

उसके बेटे मंगेश वाघाड़े ने कटंगी थाना में की थी। कटंगी पुलिस गुम इंसान कायम कर रामलाल वाघाड़े की तलाश कर रही थी। पिछले चार दिन से तलाश के दौरान 18 फरवरी को सुबह तिरोड़ी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा चौकी से हथोड़ा के बीच रोड किनारे जंगल में एक व्यक्ति की पेड़ में फांसी पर लटकी हुई लाश देखी गई। खबर फैलते ही आसपास के गांव के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। इस व्यक्ति की पहचान रामलाल पिता गणपत वाघाड़े 50 वर्ष ग्राम दुधारा थाना कटंगी निवासी के नाम से उसके परिजनों ने की जिसकी रिपोर्ट उसके बेटे मंगेश वघाडे ने तिरोड़ी थाना में की थी। जहां से उप निरीक्षक उमेश दिवेवार अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक रामलाल वाघाड़े का शव पेड़ से नीचे उतरवाए। पंचनामा करवाई पश्चात रामलाल वाघाड़े की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिये है। इस व्यक्ति द्वारा मानसिक संतुलन ठीक नहीं रहने की वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है। तिरोड़ी पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

पगडंडियों पर शिकार के लिये लगाये बिजली के नंगे तारों से न्यू बॉम्बे गांव में किसान की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाने की किन्ही पुलिस चौकी क्षेत्र में वन्य प्राणी का शिकार करने बिछाए गए विद्युत तार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। यह घटना पिछले माह 17 जनवरी की रात्रि में न्यू बॉम्बे के कृषि क्षेत्र पगडंडी रास्ते में घटित हुई थी। जहां से दादूलाल पिता पिरमु मर्सकोले वर्ष 56 वर्ष ग्राम न्यू मुंबई कलकाता निवासी की लाश बरामद की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दादूलाल अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी के अलावा पांच बेटी और एक बेटा है जिनमें बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है पिछले माह 17 जनवरी को 4 बजे दादूलाल अपने घर से ग्राम किन्ही बाजार जाने निकला था। किंतु वह रात में घर वापस नहीं लौड दूसरे दिन 18 जनवरी को प्रात: 7 बजे ग्राम समीप कटंग नाला के पास बनी पगडंडी रास्ते में रामकुमार बिसेन के खेत के समीप दादूलाल की लाश पाई गई थी। जिसके शरीर में विद्युत करंट से जलने के निशान पाए गए थे। बताया गया है कि कटगनाला किनारे जहां फसल लगी है उसके किनारे अक्सर लोग वन्यप्राणी का शिकार करने के लिए विद्युत करंट लगते हैं। जिस कारण इस पगडण्डी रास्ते से रात में खेत की तरफ से आना-जाना नहीं होता था। सम्भवत: 17 जनवरी की रात्रि नाला खेत किनारे अज्ञात व्यक्ति ने वन्यप्राणी का शिकार करने के लिए विद्युत तार बिछाए। उसी दौरान जब दादू लाल किन्ही बाजार से उसी पगड़ंडी रास्ते होते हुए अपने घर आ रहा था। तभी वह वन प्राणी का शिकार करने बिछाए गए विद्युत तार के संपर्क में आने से उसकी मौत हो गई। किरनापुर पुलिस ने इस मामले में मर्ग जांच उपरांत वन प्राणी का शिकार करने बिछाए गए विद्युत तार के संपर्क में आने से दादूलाल की मौत होने के इस मामले में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या और हत्या के साक्ष्य विलोपित करने के आरोप में धारा 105 238(ए) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया। जिसकी जांच पुलिस चौकी किन्ही में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक धनपाल बिसेन द्वारा की जा रही है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

बिना रेसिप्रोकल रजिस्ट्रेशन सेवाएं देने वाले विशेषज्ञों पर होगी कार्रवाई

सीएमएचओ ने निजी नर्सिंग होम संचालकों को जारी किया नोटिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के निजी नर्सिंग होम और अस्पतालों में अन्य राज्यों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा बिना विधिवत पंजीयन के सेवाएं देने के मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने कड़ा रुख अपनाया है। इस संबंध में पर्यवेक्षी प्राधिकारी एवं सीएमएचओ डॉ. उपलप द्वारा सभी निजी चिकित्सा संस्थानों को निर्देश जारी किए गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से यह तथ्य सामने आया कि जिले में पंजीकृत निजी नर्सिंग होम एवं क्लीनिकों द्वारा क्लीनिकल परामर्श, सर्जिकल प्रक्रियाएं, एनेस्थीसिया, न्यूरोलॉजी, कार्डियक, यूरोलॉजी तथा आर्थोपेडिक जैसी विशेषज्ञ सेवाओं के लिए अन्य राज्यों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की साप्ताहिक, पाक्षिक या मासिक आधार पर सेवाएं ली जा रही हैं।

जांच में यह पाया गया कि संबंधित विशेषज्ञों द्वारा मप्र मेडिकल काउंसिल से रेसिप्रोकल रजिस्ट्रेशन कराए बिना ही जिले में चिकित्सा व्यवसाय किया जा रहा है। यह कृत्य मप्र आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1987 की धारा 21 का उल्लंघन है, जो धारा 24 के तहत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है। साथ ही, ऐसे गैर-पंजीकृत विशेषज्ञों की सेवाएं लेना मप्र उपचर्यागृह तथा रुजोपचार संबंधी स्थापना अधिनियम 1973 तथा नियम 1997 के प्रावधानों का भी उल्लंघन माना जाएगा।

सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप ने निर्देशित किया है कि निजी नर्सिंग होम संचालक अन्य राज्य के विशेषज्ञों की सेवाएं लेने से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित चिकित्सक ने मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल में रेसिप्रोकल रजिस्ट्रेशन कराया हो तथा इसकी सूचना पर्यवेक्षी प्राधिकारी को दी गई हो। अन्यथा संबंधित संस्था के विरुद्ध नर्सिंग होम एक्ट के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित चिकित्सक के विरुद्ध भी मध्यप्रदेश मेडिकल काउंसिल एवं संबंधित राज्य की स्टेट मेडिकल काउंसिल को प्रस्ताव भेजकर कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट